नई दिल्ली
गुरुवार 19 फरवरी 2026
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष, द्वितीया वर्ष : 29, अंक : 307
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00
मौसम
अधि. 26
न्यून. 14

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मादा चीता गामिनी ने 3 शावकों को दिया जन्म

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। यादव ने लिखा कि दक्षिण अफ्रीका से चीतों के आगमन के तीन वर्ष पूर्ण होने पर कूनो में तीन नए शावकों का स्वागत एक नया अध्याय है। भारत की धरती पर चीतों की संख्या बढ़ी, भारत में जन्मे शावकों की संख्या 27 हो गई है।

पायजामे का नाड़ा खींचना दुष्कर्म की कोशिश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पायजामे का नाड़ा खींचना और स्तन छूना साफ तौर पर दुष्कर्म की कोशिश है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का विवादित फैसला भी पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि नाड़ा खींचना या तोड़ना सिर्फ दुष्कर्म करने की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और 10 फरवरी को उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने का आदेश दिया। कोर्ट ने आरोपों को भी बहाल कर दिया।

37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव

नई दिल्ली। राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने बताया कि 16 मार्च को चुनाव होंगे। महाराष्ट्र की 7, बंगाल और बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। ओडिशा -4, तमिलनाडु-6, असम -3, छत्तीसगढ़-2, हरियाणा-2, तेलंगाना-2 और हिमाचल की-1 राज्यसभा सीट पर चुनाव होना है। महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छग,बंगाल, असम, हरियाणा, हिप्र और बिहार की सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में शामिल होंगे 500 से अधिक वीवीआईपी मेहमान

'एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' का आज राजधानी में उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित किए जा रहे 'एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' का गुरुवार (19 फरवरी) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे। जिसमें उनके अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, संयुक्त राष्ट्र महासचिव (यूएन) एंटोनियो गुटेरेस और दुनियाभर के देशों के दिग्गज उद्योगपति समारोह को संबोधित करेंगे। इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' रखी गई है। जिसका अर्थ सभी का कल्याण और प्रसन्नता है और इसका उद्देश्य भारत को एआई के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना तथा एक ऐसे भविष्य की कल्पना करना है।

जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मानवता को आगे बढ़ाए, समावेशी विकास को बढ़ावा दे और हमारी साझा पृथ्वी की रक्षा करे। आयोजन में कुल 500 से ज्यादा वीवीआईपी मेहमानों का जमावड़ा लगेगा। जिसमें 100 सीईओ, 150 शिक्षाविद-शोधकर्ता, 400 सीटीओ, वीपी और परोपकारी संस्थाओं से जुड़े प्रतिष्ठित लोग शामिल होंगे। 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, सरकारों के प्रमुख, 60 मंत्री, उप-मंत्रियों के साथ ही 100 से ज्यादा ▶▶ शेष पेज 5 पर

सम्मेलन को पीएम के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति, यूएन महासचिव सहित दुनियाभर के शीर्ष उद्योगपति संबोधित करेंगे

» **समारोह के पूर्व में प्रधानमंत्री ने सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में किया विभिन्न देशों से आए राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत**

» **स्पेन, फिनलैंड, सर्बिया, क्रोएशिया, एस्टोनिया, भूटान, कजाकिस्तान के साथ कई अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ की द्विपक्षीय बैठक**

इन राष्ट्राध्यक्षों संग हुई द्विपक्षीय बैठक

सम्मेलन के पूर्व में प्रधानमंत्री ने वैश्विक नेताओं, बड़ी कंपनियों के सीईओ से मुलाकात कर उनके साथ द्विपक्षीय बैठकें की हैं। इस सूची में फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो, स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, कजाकिस्तान के प्रधानमंत्री ओल्जहास बेकतेनोव, एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस, ग्रीस के प्रधानमंत्री के.मित्सोटाकिस, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविच और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई शामिल हैं।

पीएम की उच्च-स्तरीय बैठकों का सार

पीएम की इन तमाम उच्च-स्तरीय बैठकों का सार यही है कि इस दौरान हुई चर्चाओं में संबंधित देशों के साथ भारत के आपसी संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं के अलावा साझा हितों वाले क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की गई है। उन्होंने अपनी एक्स पोस्ट के जरिए इन बैठकों में बारे में भी जानकारी साझा की है। जिनमें से एक भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ हुई बैठक को प्रधानमंत्री मोदी ने ▶▶ शेष पेज 5 पर

मनुष्य, पृथ्वी, प्रगति जैसे तीन मुख्य स्तंभ

सम्मेलन में मनुष्य, पृथ्वी और प्रगति जैसे तीन मुख्य स्तंभों के हिसाब से सात कार्यकारी समूह बनाए गए हैं। जो विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभाव को प्रदर्शित करने वाले ठोस परिणाम देने पर काम करेंगे। इसे लेकर सात थीम भी बनाई गई हैं। जिनमें आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई, एआई संसाधनों का लोकतांत्रीकरण, सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समावेशन, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई, मानव पूंजी, विज्ञान, गतिशीलता, नवोन्मेषण और दक्षता मुख्य है।

पीएम के कार्यक्रम की डिटेल

- प्रधानमंत्री 19 फरवरी की सुबह करीब 9 बजकर 40 मिनट पर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे।
- 11 बजे के करीब वह अन्य नेताओं के साथ 11 बजे के करीब इंडिया एआई इंपैक्ट एक्सपो-2026 का दौरा करेंगे। जहां वे अलग-अलग देशों के पवेलियन में भी जाएंगे।
- दोपहर 12 बजे पीएम आयोजन स्थल पर शुरू होने वाले वैश्विक नेताओं के पूर्ण सत्र में भाग लेंगे।
- शाम 5 बजकर 30 मिनट पर सीईओ गोलमेज सम्मेलन में प्रधानमंत्री शिरकत करेंगे।
- सीईओ गोलमेज सम्मेलन में वैश्विक प्रौद्योगिकी, उद्योग जगत की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी सरकारी नेतृत्व के साथ मिलकर निवेश, अनुसंधान सहयोग, आपूर्ति श्रृंखला और एआई प्रणालियों की तैनाती पर चर्चा करेंगे।

राजधानी में बुधवार को पहले भारत-यूरोपीय संघ लीगल गेटवे कार्यालय का उद्घाटन करते हुए बोले विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर

भारतीय छात्रों के लिए यूरोप में बढ़ेंगे अध्ययन, शोध के मौके

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने बुधवार को राजधानी में पहले भारत-यूरोपीय संघ लीगल गेटवे कार्यालय का उद्घाटन किया है। यह देश के छात्रों, शोधकर्ताओं और कुशल पेशेवरों के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) के सभी 27 देशों में पढ़ाई-लिखाई, शोध कार्य के लिए कानूनी और सुरक्षित दिशा प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय ने ▶▶ शेष पेज 5 पर

सशक्त होगा 2030 का एजेंडा

कार्यक्रम में अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने कहा कि यह कार्यालय भारत और ईयू के बीच विश्वास के प्रतीक और साझा वैश्विक कार्यबल है। जो कि मुख्य रूप से देश के 2030 के एजेंडे को मजबूती प्रदान करता है। मूल रूप से ये एक केंद्र के रूप में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े हुए पेशेवरों को यूरोपीय बाजारों में रोजगार के लिए कानूनी और पारदर्शी मार्ग प्रदान करेगा। कार्यालय की मदद से वीजा प्रक्रिया, कौशल से जुड़ी हुई आवश्यकता के अलावा ईयू देशों के संबंध में जरूरी मार्गदर्शन ▶▶ शेष पेज 5 पर

कर्नाटक में आम जनता के उपयोग के लिए निर्धारित करीब दो दर्जन सरकारी जमीनों का उपयोग कांग्रेस भवन बनाने के लिए किया जा रहा: भाटिया

कांग्रेस पार्टी को 'हड़पू पार्टी', गांधी परिवार संपति हड़पने में की राजनीति में: भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि जिस तरह से कांग्रेस भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी है, उसी प्रकार नकली गांधी परिवार, राहुल गांधी और सोनिया गांधी, सिर्फ और सिर्फ सरकारी संपत्ति को हड़पने का काम करते हैं, जैसा कि नेशनल हेराल्ड घोटाले में देखा गया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते यह आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और गांधी परिवार सरकारी संपत्ति हड़पने की राजनीति कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि कर्नाटक में सिविक एमेनिटीज के लिए निर्धारित 24 सरकारी भूखंड, जिनकी कीमत लगभग 40–50 करोड़ रुपये है, कांग्रेस भवन ट्रस्ट को मात्र 2 करोड़ रुपये में सौंप दिए गए। यह जनता के हितों के साथ विश्वासघात है। भाटिया ने नेशनल हेराल्ड, वाड्रा भूमि प्रकरण, मूडा स्कैम और अन्य मामलों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया तथा कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष जारी रखेगी। भाटिया ने कहा कि यदि कांग्रेस पार्टी को 'हड़पू पार्टी' कहा जाए तो यह गलत नहीं होगा। भारतीय जनता पार्टी पुरजोर तरीके से कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार को जनता के समक्ष रखती है ▶▶ शेष पेज 5 पर

राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे 'एआई इंपैक्ट सम्मेलन' में सेना की प्रदर्शनी का हिस्सा है प्रक्षेपण

'एआई प्रक्षेपण' सिस्टम से चुनौतीपूर्ण इलाकों में सेना को समय पूर्व मिलेगी बाढ़, हिमस्खन की जानकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैली हुई देश की कुल करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय सेना के कंधों पर है। लेकिन ये समूचा इलाका इतनी भौगोलिक विषमताओं से भरा पड़ा है कि कोई नहीं जानता कि कब कहां पर बाढ़, हिमस्खलन या भूस्खलन जैसी कौन सी प्राकृतिक आपदा का प्रकोप झेलना पड़ेगा।

लेकिन अब इस मामले में घबराने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि सेना ने स्वदेशी रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित 'प्रक्षेपण सिस्टम' से इस समस्या का तोड़ निकाल लिया है। जो 3 से 7 दिन पहले स्थान विशेष के आधार पर वहां आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर संबंधित ▶▶ शेष पेज 5 पर

प्राकृतिक आपदाओं का करीब सप्ताह भर पहले पूर्वानुमान लगाने में सक्षम है यह सिस्टम

सेना का पहला जलवायु हाइब्रिड सिस्टम

सेना की प्रदर्शनी का दौरा करते हुए हरिभूमि को यह पता चला कि प्रक्षेपण एआई संचालित सैन्य जलवायु विज्ञान और आपदा पूर्वानुमान से जुड़ा महत्वपूर्ण सिस्टम है। जिसे देश के पहले हाइब्रिड मिलिट्री क्लाइमेटोलॉजी डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के रूप में भी जाना जाता है। ये बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के आने से ▶▶ शेष पेज 5 पर

मजबूत होगा आपदा राहत कार्य

ये एआई वाली ऐसी तकनीक है, जिसकी मदद से सेना संवेदनशील रणनीतिक क्षेत्रों के बारे में बेहद सटीक, स्थान विशेष के साथ वहां पर आने वाली आपदा के बारे में पूर्वानुमान लगा सकती है। जिससे आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, सीमा से लगे इलाकों में रहने वाले स्थानीय समुदायों, इंफ्रास्ट्रक्टर योजनाकारों और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल मजबूती से अपने अभियान चला सकते हैं। ▶▶ शेष पेज 5 पर

इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू-2026 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया विश्वास

दुनिया की नौसेनाएं महासागरों को वैश्विक विकास और समृद्धि के द्वार के रूप में विकसित करेंगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया के कई भागों में काफी वक्त से जारी युद्ध से उत्पन्न ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों के मध्य भारत के दक्षिणी राज्य आंध्र-प्रदेश के विशाखापट्टनम में बुधवार से भारतीय नौसेना की मेजबानी में 'अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू-2026' (आईएफआर) की शुरुआत हो चुकी है। इस बार विश्व के कुल 74 देशों की नौसेनाएं इस महत्वपूर्ण आयोजन में हिस्सा ले रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18 फरवरी को आईएफआर का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने दो बिंदुओं पर खासा जोर दिया है। जिसमें पहले में समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में कार्य करने को लेकर भारत के वसुधैव कुटुंबकम के दृष्टिकोण के बारे में बताया। साथ ही दूसरे में इस फ्लीट रिव्यू में शामिल सभी नौसेनाओं के प्रति यह विश्वास व्यक्त किया कि वे सभी एकजुटता से महासागरों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विकास, समृद्धि और समग्र कल्याण ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारतीय नौसेना की मेजबानी में विशाखापट्टनम में आयोजित किए जा रहे आईएफआर-26 के उद्घाटन संबोधन में बोलीं राष्ट्रपति।

इस बार अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में दुनिया के कुल 74 देशों की नौसेनाएं अपने जंगी बेड़े के साथ ले रही हैं भाग।

सामूहिक शक्ति से हल होंगी चुनौतियां

उन्होंने बताया ये फ्लीट रिव्यू समुद्री परंपराओं के मद्देनजर देशों की एकता, विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। जिसमें अलग-अलग राष्ट्रीय ध्वजों वाले जहाज और उनमें शामिल नाविक एकजुटता की भावना का प्रदर्शन करते हैं। यूनाइटेड थ्रू ओशंस की रिव्यू की थीम में भी यह भावना साफतौर पर समाहित है। जिससे वैश्विक समुदाय को भी एक सकारात्मक संदेश ▶▶ शेष पेज 5 पर

25 फरवरी तक चलेगा आईएफआर

वहीं, महामहिम राष्ट्रपति ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा, 'मैं अपने देश के सभी नागरिकों की तरफ से विदेशी मित्र देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों और नौसैनिकों के प्रति हार्दिक मित्रता और प्रशंसा व्यक्त करती हूं। आप सभी अपने-अपने देशों की सेवाओं की सर्वोत्तम परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं'। बताते चलें कि नौसेना की अगुवाई में आयोजित किया जा रहा ये तीसरा आईएफआर है। इससे पहले वह 2001 में मुंबई में हुए आईएफआर और ▶▶ शेष पेज 5 पर

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय
साहस
हर चुनौती में अडिग
दिल्ली पुलिस 79वां स्थापना दिवस 2026
जोखिम और खतरे की परिस्थितियों में भी निर्भीक होकर खड़े रहना तथा नागरिकों की रक्षा हेतु साहसपूर्ण कार्रवाई करना

7 दिन 7 संकल्प एक सुरक्षित दिल्ली
दिल्ली पुलिस सप्ताह : 16 से 22 फरवरी, 2026
1. सेवा 2. सुरक्षा 3. समर्पण 4. साहस
5. संवेदनशीलता 6. सतर्कता 7. सहयोग

दिनांक	कार्यक्रम
16.02.2026	दिल्ली भर में रक्तदान शिविरों का आयोजन
17.02.2026	प्रत्येक पुलिस स्टेशनों में छात्रों का दौरा
18.02.2026	दिल्ली भर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रम
19.02.2026	आरडब्ल्यूए एवं एमडब्ल्यूए के साथ संवाद कार्यक्रम
20.02.2026	दिल्ली भर में ग्रामीण खेल/आँख एवं कान/प्रहरी बैठक; 20 से 22 फरवरी 2026 तक सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस, दिल्ली में भव्य प्रदर्शनी; कवि सम्मेलन–लाल किला (शाम 6:30 बजे से)
21.02.2026	दिल्ली के प्रत्येक पुलिस स्टेशनों में जन संपर्क कार्यक्रम
22.02.2026	मादक प्रदार्थो के दुरूपयोग के विरूद्ध जन–जागरूकता कार्यक्रम (1) एंटी ड्रग्स रन: नेहरू पार्क से राष्ट्रीय पुलिस स्मारक तक (प्रातःकाल) (2) एम्फीथिएटर, सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस, दिल्ली में सायंकालीन संगीतमय कार्यक्रम

DP/9859/2026

क्राइम ब्रांच
अपराधी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी और नियंत्रण
स्पेशल सेल
आतंकवाद गतिविधियों, अपराध और सुरक्षा खतरों को नियंत्रित करना
ATS
आतंकवादी खतरों को नष्ट कर राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करना
AATS
मोटर वाहन चोरी के मामलों को रोकना, पता लगाना और जांच करना
दंगा नियंत्रण/आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमें
व्यवस्था संभाल कर नागरिकों की सुरक्षा करना
SWAT
उच्च जोखिम स्थितियों में सुरक्षा के लिए तत्पर रहना
साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर : 1930
पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई–मेल करें: cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें: पुलिस आयुक्त, दिल्ली को, पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर
@DelhiPoliceOfficial @DelhiPolice @delhi.police_official @DelhiPoliceofficial delhipolice.gov.in
तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नम्बर पर कॉल करें
पुलिस को सूचना देने के लिए 14547 पर कॉल करें

मुख्यमंत्री ने 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की जल परियोजनाओं की शुरुआत की

विकसित दिल्ली लक्ष्य के लिए बेहतर जल प्रबंधन व्यवस्था बनाना बहुत जरूरी : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बेहतर जल प्रबंधन व्यवस्था बनाना 'विकसित दिल्ली' के लक्ष्य के लिए बहुत जरूरी है। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को पश्चिमी दिल्ली स्थित टोडापुर के रामलीला मैदान में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की 2100 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के अवसर पर कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि योजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए काम करती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं तय समय सीमा में और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरी हों, ताकि लोगों को जल्दी फायदा मिल सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और आधुनिक सीवरेज प्रणाली विकसित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आज जिन परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया है, वे न केवल जल आपूर्ति क्षमता को बढ़ाएंगी, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन इलाकों में कई सालों से पानी और सीवर की समस्या थी, वहां अब स्थायी समाधान किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से बड़ी संख्या में लोगों को बेहतर पानी की सप्लाई मिलेगी, आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट की सुविधा बढ़ेगी और यमुना को साफ करने में मदद मिलेगी। परियोजनाएं पूरी होने के बाद सीवेज साफ करने की क्षमता बढ़ेगी और बिना साफ किया हुआ गंदा पानी यमुना में जाने से रुकेगा। साथ ही, पानी की सप्लाई व्यवस्था मजबूत होगी, जिससे लोगों को नियमित और पर्याप्त पेयजल मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली को विश्वस्तरीय राजधानी बनाने के लिए पानी और सीवर की मजबूत व्यवस्था बहुत जरूरी है। सरकार मिशन मोड में काम कर रही है ताकि हर घर तक साफ पानी पहुंचे और हर इलाके में आधुनिक सीवर नेटवर्क हो। इस अवसर पर नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, राजेंद्र नगर के विधायक उमंग बजाज सहित अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पानी और सीवर सेवाओं को पूरी तरह आधुनिक और प्रभावी बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि दिल्ली अब विकास के नए दौर में कदम रख रही है। यह सिर्फ योजनाओं की घोषणा नहीं, बल्कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य के अनुरूप 'विकसित दिल्ली' की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जो विकास कार्य हो रहे हैं, उनका असर अब राजधानी में भी साफ दिख रहा है। सरकार पानी की सप्लाई और सीवर जैसी जरूरी सेवाओं को आधुनिक, मजबूत, ज्यादा प्रभावी और पूरी तरह लोगों की जरूरतों के अनुसार बनाने के लिए काम कर रही है।

एमनेस्टी स्कीम में व्यावसायिक उपभोक्ता भी शामिल

मुख्यमंत्री ने बताया कि जल उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए लागू की गई एमनेस्टी स्कीम में अब व्यावसायिक उपभोक्ताओं को भी शामिल किया जा रहा है। साथ ही इस योजना को अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ 3 लाख 52 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने लिया, जिसके अंतर्गत पेनल्टी, ब्याज और सरचार्ज माफ कर लगभग 1400 करोड़ रुपये की राहत दी गई तथा दिल्ली जल बोर्ड को 484 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। अब इस योजना को अगस्त तक बढ़ाने के साथ-साथ व्यावसायिक उपभोक्ताओं तक भी विस्तारित किया जा रहा है, जिससे अधिक लोग लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े व्यावसायिक एवं गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लेट पेमेंट सरचार्ज पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। इस निर्णय के तहत व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर वर्षों से जमा लगभग 74 हजार 293 लाख रुपये की पेनल्टी को पूरी तरह माफ किया जाएगा। इससे दिल्ली जल बोर्ड को इन उपभोक्ताओं से लगभग 285 करोड़ 2 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त होगा।

रात से शुरू बारिश, अब फिर सूरज होगा लाल

लंबे इंतज़ार के बाद दिल्ली एनसीआर में खत्म हुआ सूखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लंबे समय बाद आखिरकार दिल्ली में मंगलवार - बुधवार की देर रात कई जगह हल्की बारिश ने दस्तक दी। हल्की बारिश का यह दौर बुधवार देर शाम तक रह रहकर देखने को मिला। जबकि तेज हवाओं ने मौसम में हल्की ठंडक जरूर पैदा की लेकिन कड़ाके की सर्दी को कोई अता पता नही रहा। संभावना है कि अब गुरुवार से मौसम का मिजाज फिर बदलेगा और सूरज के तेवर लाल होने शुरू होंगे जिससे तापमान ऊपर चढ़ेगा। मौसम विभाग ने पहले ही हल्की बारिश की भविष्यवाणी की थी जो सच साबित हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार देर रात से ही दिल्ली का मौसम बदल गया था और कई जगहों पर हल्की बारिश शुरू हो गई थी। बारिश व तेज हवाओं के चलते तापमान में 10 डिग्री का बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अधिकतम तापमान गिरकर 21.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.3 डिग्री नीचे है। जबकि मंगलवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं न्यूनतम तापमान में गिरावट की बजाए बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है। न्यूनतम तापमान बढ़कर 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4.6 डिग्री का फर्क दिखता है। जबकि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के करीब दर्ज हुआ था। आईएमडी ने ताजा अनुमान व्यक्त करते हुए कहा है कि गुरुवार से मौसम एक बार फिर अपना रंग बदलेगा और सूरज के तेवर गर्म होने शुरू होगें। आने वाले तीन चार दिनों में सूरज का मिजाज गर्म होने से अधिकतम तापमान बढ़कर पुन 30 डिग्री या इससे अधिक दर्ज होने लगेगा। इस बारे में निजी मौसम अनुमान कंपनी स्काईमेट वेदर का कहना है कि फरवरी महीने में लंबे सूखे जैसे हालात के बाद आखिरकार दिल्ली और आसपास के इलाकों में बुधवार को बारिश दर्ज की गई।

लाडपुर गांववासियों ने लिखा केंद्रीय मंत्री को पत्र, पुराने मकानों को ना तोड़ा जाए, की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के कंझावला के निकट लाडपुर गांव में वाल्मीकि समाज के लोगों ने अपने घर टूटने संबंधी मामले में भारत सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले को पत्र लिखा है। प्रभावित परिवारों ने केंद्रीय राज्य मंत्री अठावले से अपील करते हुए कहा है कि दिल्ली के उत्तर पश्चिमी जिले के गांव लाडपुर की बस्ती स्थित मकानों का तोड़ने के लिए मार्किंग की गई है। यह बस्ती ताऊ बिहारी मार्ग के पास स्थित है और वाल्मीकि बस्ती है। जिसमें समस्त सफाई कर्मचारी के परिवार रहते है। सन 1951-52 के समय से पहले से बसी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गत वर्ष दिसम्बर माह में राजस्व विभाग ने सड़क विस्तार के लिए उनके घरों को तोड़ने संबंधी सीमांकन किया है। वहीं, इस संबंध में भारत सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को मामले का संज्ञान लेने को पत्र लिखा है। इस मामले में दलित नेता सुरेन्द्र महरोलिया ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गाँधी ने यहां गांव के दलित, पिछड़े और वंचित वर्ग को करीब 80 गज के प्लांट आबंटित किये थे जिसमें आज चार पीढ़िया अपना गुजर बसर कर रही है लेकिन पिछले दो-तीन वर्षो से सरकार परिवारों को परेशान कर इन्हें उजाड़ना चाह रही है और जनप्रतिनिधि इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सौर ऊर्जा से 11 स्थानों का अंधेरा होगा दूर: तिवारी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि बीते 11 साल में हमने अपने संसदीय क्षेत्र के 400 स्थान से अंधेरा दूर करने के लिए सेमी हाई मास्ट स्ट्रीट लाइट और बिजली से चलने वाली हाई मास्ट लाइटें लगाई। सांसद ने कहा कि भारतीय रेल वित्त निगम के सीएसआर फंड का उपयोग करते हुए हमने अपने संसदीय क्षेत्र में 11 सोलर पैनल वाली लाइटें लगाकर उन स्थानों से अंधेरा दूर करने का प्रयास किया है जिसके लगने के बाद ना बिजली का खर्च ना अंधेरे से परेशानी का संकट होगा। सांसद तिवारी ने कहा कि इसका लाभ क्षेत्र के लाखों लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय निवासियों ने बाबा श्याम गिरी मंदिर, वजीराबाद शमशान घाट, बुराड़ी का शमशान घाट, मौजपुर का श्मशान घाट, जगतपुरी के खजूर पार्क सहित 11 स्थान पर हाई मास्ट लगाकर अंधेरा दूर करने का प्रयास किया है।

एआई खतरा नहीं यह है एक वरदान: नारायण मूर्ति

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भले ही छोटे-मोटे कामों को ऑटोमेट कर दे, लेकिन यह इंसानों को ऊँचे लेवल की सोच, रचनात्मकता और निर्णायक क्षमता बढ़ाने की ओर ले जाएगा। एआई खतरा नहीं है बल्कि यह एक वरदान है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) के सहयोग "लीडर्स टॉक" नामक लीडरशिप इंटरेक्शन कार्यक्रम के आयोजन पर इंफोसिस के फाउंडर एन. आर. नारायण मूर्ति ने यह संबोधन दिया। डीयू प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार डीयू वाइस रीगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में इंफोसिस के फाउंडर एन. आर. नारायण मूर्ति ने विद्यार्थियों और युवा प्रोफेशनल्स के साथ लीडरशिप, एथिक्स, प्रोडक्टिविटी और कार्य के भविष्य पर बात की। जाने-माने पत्रकार सुधीर चौधरी ने सेशन को एंकर किया। कार्यक्रम के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और भारत के टेक सेक्टर में इसकी बढ़ती भूमिका पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, एन. आर. नारायण मूर्ति ने कहा कि इंसान के दिमाग से बेहतर कुछ नहीं है। कार्यक्रम की शुरुआत में, गुजरात के मुख्यमंत्री के प्रिंसिपल एडवाइजर हसमुख अधिया ने स्वागत भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने ज़ोर दिया कि गवर्नेंस मूल्यों और ईमानदारी से संचालित होनी चाहिए।

एमसीडी ने आईआईटी दिल्ली के साथ ठोस कूड़ा प्रबंधन पर आयोजित की कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- आईआईटी अधिकारी, वैज्ञानिक, निगम अधिकारी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि, छात्र हुए शामिल

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के दक्षिणी जोन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी) के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के उद्देश्य से बुधवार को एक कार्यशाला आयोजित की। "फ्रॉम सेग्रिगेशन टू ज़ीरो वेस्ट - एक्शन वर्कशॉप" शीर्षक से आयोजित इस कार्यशाला का आयोजन दिल्ली नगर निगम दक्षिणी जोन ने आईआईटी दिल्ली के सहयोग से किया। इसमें विभिन्न संस्थानों के प्रसिद्ध विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर दक्षिणी जोन उपायुक्त दिलखुश मीणा, आईआईटी के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, निगम के वरिष्ठ अधिकारी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि, छात्र तथा बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम ने ज़ीरो वेस्ट कॉलोनियों और ज़ीरो वेस्ट संस्थानों के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) भी जारी किया।

निगम के अनुसार इस एसओपी में ठोस अपशिष्ट के पृथक्करण, संग्रहण, प्रसंस्करण और निगरानी के लिए व्यवस्थित दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। अपने उद्घाटन संबोधन में दिलखुश मीणा ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और एसओपी के सफल क्रियान्वयन के लिए संस्थानों, आरडब्ल्यूए तथा नागरिकों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

सबका साथ, सबसे आख़िरी व्यक्ति तक विकास: झुग्गियों में पहुँची पहली बार व्यवस्था की रोशनी

झुग्गीवासियों का विकास: पीएम मोदी के संकल्प को साकार कर रही रेखा सरकार

रेखा सरकार का एक साल: झुग्गियों में सुविधा, सुरक्षा और सम्मान

नई दिल्ली

दिल्ली की झुग्गी बस्तियों ने दशकों तक घोषणाएं सुनीं, इश्तेहार देखे और वादों पर भरोसा किया, लेकिन ज़मीन पर बदलाव की तस्वीर धुंधली ही रही। यह स्थिति तब बदली जब मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में अंत्योदय की नीति को मिशन मोड में लागू किया गया। बीते एक वर्ष में पहली बार झुग्गी-बस्ती विकास को योजनाओं के केंद्र में रखा गया — न केवल सुविधा देने के रूप में, बल्कि सम्मानजनक जीवन के अधिकार के रूप में।

बुक्ड प्रॉपर्टीज में बिजली कनेक्शन लगेंगे

सरकार के इस फैसले से दिल्ली के तकरीबन 1.25 लाख+ परिवारों को फायदा पहुंचेगा।

ठंड में सहारा

सर्दी के समय 2500 अतिरिक्त बेड वाले आश्रय स्थल बनाए गए। वहां खाना, बिस्तर और इलाज की सुविधा दी गई, ताकि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए। यह दिखाता है कि जरूरत के समय सरकार मौजूद है।

1. झुग्गी विकास के लिए 700 करोड़ रुपये का फंड
2. अटल कैंटीन : सिर्फ 5 रुपये में गर्म और पौष्टिक भोजन
3. सभी सुविधाओं से संपन्न EWS फ्लैट्स की गांरटी
4. सीवर नेटवर्क-स्वच्छता सुनिश्चित

अटल कैंटीन: सिर्फ 5 रुपये में गर्म एवं पौष्टिक भोजन

झुग्गियों में, जेजे क्लस्टर्स में रहने वाले दिल्ली के कर्मयोगी हैं। उन्हें राजधानी में भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। और इसी लक्ष्य के साथ रेखा सरकार द्वारा अटल कैंटीन्स का शुभारंभ किया गया है।

अटल कैंटीन में: 1. दोपहर का खाना- सिर्फ 5 रुपये में 2. रात का खाना- सिर्फ 5 रुपये में

दिल्ली में चरणबद्ध तरीके से 100 अटल कैंटीन खोले जा रहे हैं।

झुग्गीवासियों के लिए रेनोवेटेड फ्लैट्स

भलस्वा और जहांगीरपुरी के 7400 ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स को रेखा सरकार रेनोवेट कर रही है। ये जर्जर हालत में थे लेकिन अब ये आधुनिक सुविधाओं से लैस फ्लैट होंगे।

इन फ्लैट्स में सुविधाएं: 1. बिजली कनेक्शन 2. पानी कनेक्शन 3. पीएनजी कनेक्शन 4. पार्किंग 5. पार्क 6. स्कूल 7. कचरा प्रबंधन 8. प्ले-ग्राउंड 9. आंगनवाड़ी 10. स्वास्थ्य सुविधा

सावदा घेवरा में 2,416 जर्जर फ्लैट्स की मरम्मत के लिए 27.50 करोड़ जारी किए गए हैं।

700 करोड़ का स्पेशल बजट

झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए 700 करोड़ का विशेष बजट इस बात का प्रमाण है कि अब विकास का अर्थ केवल बड़े प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाना है।

राजधानी की बस्तियों में सीमेंट-कंक्रीट की पक्की सड़कों, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम और 'बस्ती विकास केंद्रों' का निर्माण तेज़ी से हो रहा है। अब तक 65 विधानसभा क्षेत्रों में परियोजनाएँ अवॉर्ड हो चुकी हैं और 145.37 करोड़ के अतिरिक्त कार्य स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं।

इन विकास केंद्रों के माध्यम से झुग्गी क्षेत्रों में पहली बार व्यवस्थित ढांचे के साथ नए टॉयलेट क्यूबिकल्स, सीवर कनेक्शन, छतों की मरम्मत, पोर्टेबल शौचालय जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ महिलाओं, बुज़ुर्गों और बच्चों को मिला है, जिन्हें अब सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण प्राप्त हो रहा है।

रेखा सरकार का यह मॉडल झुग्गी को "समस्या" नहीं, बल्कि 'संभावना' मानता है — जहाँ रहने वाला हर परिवार दिल्ली के विकास का सहभागी है। यह बदलाव केवल ढांचागत नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन है; जहाँ बस्तियाँ अब शहर के नक्शे पर हाशिये की जगह नहीं, बल्कि विकास की मुख्यधारा का हिस्सा बन रही हैं।

एक साल में शुरू हुआ यह परिवर्तन आने वाले समय में झुग्गियों को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित, स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर आवासीय समुदायों में बदलने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है — और यही है विकसित दिल्ली की वास्तविक पहचान।

सरकार की पहल पर झुग्गियों में:

1. अटल कैंटीन खुल रहे हैं 2. आयुष्मान मंदिर बन रहे हैं 3. सीवर लाइन्स पर काम हो रहा है 4. कूड़ा प्रबंधन और स्वच्छा सुनिश्चित हो रही है 5. पक्की नालियां बन रही हैं

अंत्योदय से बदलाव तक: रेखा सरकार ने झुग्गियों को बनाया विकास की मुख्यधारा का केंद्र

झुग्गी बस्तियों की कहानी आम तौर पर खबरों में तभी आती है जब कोई हादसा हो, कोई विवाद हो या कोई चुनाव नज़दीक हो। बाकी समय वे शहर के नक्शे पर मौजूद तो रहती हैं, लेकिन चर्चा से बाहर। इसलिए जब झुग्गियों को विकास की मुख्य बातचीत में जगह मिलने लगे, तो यह सिर्फ प्रशासनिक गतिविधि नहीं, नीति की दिशा में बदलाव माना जाता है। पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में यह दृष्टिकोण बदला है। झुग्गियों को हटाने की समस्या के रूप में नहीं, बल्कि सुधार और शहरी ढांचे का अभिन्न हिस्सा मानकर बहु-आयामी विकास कार्य शुरू किए गए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अंत्योदय सोच के अनुरूप आवास, स्वच्छता, सस्ती भोजन व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं और कौशल प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में एक साथ काम हुआ। इससे यह स्पष्ट हुआ कि गरीबों का उत्थान केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि शहर के संतुलित और व्यावहारिक विकास की आधारशिला है।

रेखा गुप्ता की कार्यशैली का असर इसी में दिखता है कि झुग्गी को "लाभार्थी क्षेत्र" नहीं, बल्कि शहर की संरचना का हिस्सा माना गया। जिन लोगों के श्रम पर दिल्ली की अर्थव्यवस्था चलती है, उनकी बस्तियों को योजना में स्थान देना केवल सामाजिक कदम नहीं, शहरी प्रबंधन की व्यावहारिक समझ भी है।

झुग्गी बस्तियों में शुरू हुआ यह व्यवस्थित सुधार इसी विश्वसनीयता को मजबूत करता है, और रेखा गुप्ता के नेतृत्व को प्रशासनिक गंभीरता से जोड़ता है।

साफ-सफाई से बेहतर सेहत

574 झुग्गी क्लस्टरों को सीवर लाइन से जोड़ा गया है। 65 कलस्टरों में सिंगल प्वाइंट सीवेज व्यवस्था की गई है। जहां सामान्य सीवर बनाना मुश्किल है, वहां दूसरी तकनीक अपनाई जा रही है। 1799 अनधिकृत कॉलोनियों को 2028 तक सीवर से जोड़ने का लक्ष्य है। इससे गंदगी कम होगी और बीमारियां भी घटेंगी।

अशोक विहार के स्वाभिमान अपार्टमेंट्स में 1675 परिवारों को पक्के घर मिले। यह दिखाता है कि जब योजना और काम साथ चलते हैं तो बदलाव जमीन पर दिखता है।

DIP/Shabdarth/Advertorial/0143/25-26

दिल्ली में स्थापित होंगे नए कॉमन बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटी संयंत्र : सिरसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार पर्यावरणीय ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी कड़ी में दिल्ली सरकार ने राजधानी में नए कॉमन बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटी (सीबीडब्ल्यूटीएफ) संयंत्र स्थापित करेगी। इस बात की जानकारी बुधवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल (एनपीसी), पर्यावरण विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक करने के बाद दी। इस बैठक में बायोमेडिकल कचरे की वर्तमान और भविष्य की अनुमानित स्थिति, संयंत्रों की तकनीकी विशेषताएं और कार्यान्वयन की रूपरेखा पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया गया। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि वर्तमान में दिल्ली के पूर्व, उत्तर, पश्चिम, दक्षिण और मध्य क्षेत्रों से लगभग 40 टन प्रतिदिन बायोमेडिकल कचरा उत्पन्न हो रहा है, जिसके वर्ष 2031 तक और बढ़ने का अनुमान है। प्रस्तावित नए सीबीडब्ल्यूटीएफ लगभग 46 टन प्रतिदिन कचरे को संभालने में सक्षम होंगे।

■ पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली के बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन ढांचे की समीक्षा के लिए नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल (एनपीसी) के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

नए प्रस्तावित संयंत्र प्रत्येक तीन-तीन जिलों को कवर करेंगे

अधिकारियों ने मंत्री सिरसा को अवगत कराया कि पहले केवल दो संयंत्र पूरे दिल्ली के जिलों को कवर करते थे, जबकि नए प्रस्तावित संयंत्र प्रत्येक तीन-तीन जिलों को कवर करेंगे, जिससे बेहतर और समर्पित प्रबंधन संभव होगा। सिरसा ने कहा कि सरकार अत्याधुनिक तकनीक से लैस और सभी वैधानिक पर्यावरण मानकों का पालन करने वाले नए पार्टनर्स को आमंत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि हम सर्वोच्च स्तर की तकनीक रखने वाली कंपनियों को अवसर देंगे, जल्द ही टेंडर जारी किया जाएगा।

बायोमेडिकल कचरे का सही निपटान नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी

पूर्व/उत्तर-पूर्व/शाहदरा और पश्चिम/दक्षिण-पश्चिम/मध्य क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित ये आधुनिक संयंत्र ऑटोक्लेविंग, श्रेडिंग और सुरक्षित लैंडफिल जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से अलग-अलग किए गए कचरे का उपचार करेंगे, जिससे स्वास्थ्य जोखिम और पर्यावरण पर प्रभाव कम होगा। जन स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री सिरसा ने कहा कि बायोमेडिकल कचरे का सही निपटान दिल्ली के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। अनियंत्रित कचरा गंभीर खतरा बन सकता है, जिसे हम सख्ती से रोक रहे हैं। सिरसा ने कहा कि यह पहल प्रदूषण के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए दैनिक निगरानी डैशबोर्ड भी स्थापित किए जाएंगे।

प्रतिद्वंद्वी गिरोह के बदमाश की हत्या में दो नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने रोहिणी में एक गिरोह के बदमाश की दिनदहाड़े हत्या करने के मामले में कथित संलिप्तता को लेकर दो नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस इनके सरगनाओं की तलाश में जुटी है। नाबालिग टिल्लू गिरोह से जुड़े थे। जितेंद्र गोगी गिरोह से कथित रूप से जुड़े साहिल सोलंकी की 14 फरवरी को रोहिणी के सेक्टर 17 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गोलीबारी के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अपराध शाखा की एक टीम ने भी मामले की तफ्तीश शुरू की थी। जांच पड़ताल के बाद दो नाबालिगों को पकड़ा। एक नाबालिग को मंगलवार को नरेला में बस स्टैंड के पास से पकड़ा गया जबकि दूसरे को समाईपुर गांव से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में नाबालिगों ने बताया कि वे सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया गिरोह से जुड़े हुए हैं, उन्हें सोशल मीडिया के जरिए लुभाया गया था तथा पैसे का वादा किया गया था। अपराध को अंजाम देने से पहले उनके लिए हथियार और बाइक की व्यवस्था नरेला में की गई थी। रोहिणी के सेक्टर 17 में हथियारों से लैस बाइक सवार तीन हमलावरों ने सोलंकी पर गोली चलाई थी। दो लोगों ने पीड़ित पर गोलीबारी की जबकि तीसरा शख्स बाइक चला रहा था। जांचकर्ताओं ने बताया कि हत्या का कारण गोगी और ताजपुरिया गिरोह के बीच प्रतिद्वंद्वता है, जिसकी वजह से दिल्ली-एनसीआर में पिछले एक दशक में कई हत्याएं की जा चुकी हैं। सोलंकी को 2021 में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के एक कथित बदमाश की हत्या से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन पिछले साल उच्च न्यायालय ने उसे जमानत दे दी थी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह हत्या टिल्लू गिरोह से जुड़े एक बदमाश की पूर्व में हुई हत्या के प्रतिशोध में की गई थी। पुलिस ने बताया कि साजिश में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने के प्रयास जारी है।

तय सीमा से बड़ा चाकू बेचने पर ब्लिंकिट के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिमी जिले की पुलिस ने अवैध चाकू बेचने के आरोप में ईकॉमर्स कंपनी 'ब्लिंकिट' के खिलाफ ख्याला थाने में मामला दर्ज किया है। ब्लिंकिट पर बिक्री के लिए उपलब्ध लगभग 50 चाकू बरामद किए गये, जो ब्लेड के आकार को विनियमित करने वाली सरकारी अधिसूचनाओं का उल्लंघन करते हैं।

पुलिस के अनुसार चाकू के ब्लेड की अधिकतम अनुमत लंबाई 7.62 सेंटीमीटर तथा चौड़ाई 1.72 सेंटीमीटर है और इससे अधिक आकार का कोई भी चाकू अवैध है। इस मामले पर 'ब्लिंकिट' की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत 14 फरवरी को इस संबंध में मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार कुछ समय पहले हत्या के एक मामले की जांच में पता चला था कि आरोपी ने ईकॉमर्स कंपनी से ऑनलाइन चाकू मंगवाया था। इसके बाद ऑनलाइन मंचों की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ईकॉमर्स कंपनी ऐप के जरिए 'स्टैनली नाइफ' ऑर्डर किया जा सकता है। सत्यापन प्रक्रिया के तहत पुलिस ने ऑर्डर दिया और चाकू मिलने के बाद इसकी जांच की। पुलिस ने बताया कि चाकू अनुमत आकार से बड़ा था।

चाकू की लंबाई आठ सेंटीमीटर और चौड़ाई 2.5 सेंटीमीटर थी, जो इसे कानून के तहत एक अवैध हथियार बनाती है। 15 फरवरी को पुलिस टीमों ने दिल्ली भर में कंपनी से जुड़े कई स्टोरों में तलाशी ली और 16 अवैध चाकू बरामद किए। पुलिस ने बताया कि 16 फरवरी को अभियान का विस्तार करते हुए गुरुग्राम के फर्रुखनगर स्थित एक गोदाम की तलाशी ली गई, जहां से 32 और अवैध चाकू बरामद किए गए। इसी तरह कुल 48 चाकुओं की बरामदगी हुई। पुलिस प्रतिबंधित वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला, खरीद के स्रोतों और उनके भंडारण एवं वितरण के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है। जांच के तहत संबंधित संस्थाओं को नोटिस जारी किए जा सकते हैं।

हाई कोर्ट की फटकार से आप और बीजेपी सरकार की निष्क्रियता हुई साबित, करनी पड़ेगी नियुक्तिः यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने न्यायालय के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि हाई कोर्ट की कड़ी फटकार से केजरीवाल और बीजेपी सरकार की निष्क्रियता साबित हो गई है। आखिरकार कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद अब वर्तमान भाजपा सरकार को दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन तथा आयोग में अन्य खाली पदों को भरना ही पड़ेगा। जबकि कोर्ट ने पहले ही आदेश दे रखा था कि जनवरी 2024 में इन सभी पदों को भरा जाए लेकिन न केजरीवाल सरकार ने कोर्ट के आदेश का माना और न ही वर्तमान भाजपा सरकार ने कोई नियुक्ति की। यादव ने कहा कि कोर्ट के आदेशों को भी दरकिनार करने से यह भी साबित होता है कि केजरीवाल की सरकार रही हो या भाजपा की सरकार, दोनों ही महिला विरोधी सोच रखते है। जनवरी 2024 से दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन तथा आयोग में अन्य महत्वपूर्ण पद काफी खाली होने के कारण महिलाओं के उत्पीड़न तथा उनके अधिकारों की रक्षा के मामलों का निपटारा ना होने के कारण दिल्ली की महिलाओं को मानसिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ रहा हैं।

एआई समिट में भाजपा सरकार ट्रैफिक कंट्रोल में फेल, जाम से जूझ रही दिल्ली : सौरभ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में चल रहे एआई समिट के चलते लग रहे भारी जाम पर भाजपा सरकार के ट्रैफिक मैनेजमेंट पर सवाल खड़ा किया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने फिरोजशाह रोड पर जाम में फंसे वाहनों का वीडियो एक्स पर साझा कर कहा कि भाजपा सरकार एआई समिट में ट्रैफिक कंट्रोल में पूरी तरह फेल है। इसके चलते दिल्ली जाम से जूझ रही है। आखिर हम विदेशी मेहमानों को क्या दिखा रहे हैं कि सरकार के पास ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर बेसिक ज्ञान भी नहीं है। पिछले तीन दिनों से सेंट्रल दिल्ली, प्रगति मैदान और फिरोजशाह रोड के आसपास जबरदस्त जाम लग रहा है। ट्रैफिक पुलिस केंद्र सरकार के अधीन है। फिर भी विदेशी मेहमान घंटों जाम में फंस रहे हैं। बुधवार को सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एआई समिट में पता नहीं क्या हो रहा है, मगर सेंट्रल दिल्ली में पिछले तीन दिनों से हाहाकार मचा हुआ है।

करोड़ों की धोखाधड़ी में शामिल दंपति गिरफ्तार

नई दिल्ली। आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने एक दंपति को लगभग दो करोड़ की धोखाधड़ी व ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम चंद्रदीप और उसकी पत्नी सरिता चमोली है। इन्होंने लोगों को ज्यादा और पक्के रिटर्न का लालच देकर गैर-कानूनी कमेटी स्कीम में इन्वेस्ट करने के लिए उकसाया था। धोखाधड़ी वाली स्कीम के जरिए, इन्होंने 48 इन्वेस्टर्स से लगभग 2 करोड़ जमा किए। स्कीम मैच्योर होने के बाद आरोपियों ने न तो मूल रकम लौटाई और न ही वादा किया गया मुनाफा किसी को दिया था। इसके बाद आरोपी जमा किए गए पैसे लेकर फरार हो गए थे। पुलिस के अनुसार गत वर्ष कुलदीप सिंह और 47 अन्य लोगों की शिकायत पर केस रजिस्टर किया गया था। शिकायत करने वालों ने आरोप लगाया था कि आरोपी चंद्रदीप चमोली उर्फ मास्टर जी व सरिता चमोली कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर सुधीर कॉस्मेटिक शॉप के पास इंद्रपुरी मेन मार्केट में एक ऑफिस से कमेटी स्कीम चला रहे थे। आरोपियों ने पीड़ितों को ज्यादा रिटर्न देने का झांसा दिया और 48 इन्वेस्टर्स से लगभग 2 करोड़ जमा किये। जबकि कई कमेटी अभी भी चल रही थीं और कुछ पहले ही मैच्योर हो चुकी थी। आरोपी ने न तो मूल रकम वापस की और न ही इन्वेस्टर्स को वादा किया गया कोई प्रॉफिट दिया। इसके बाद आरोपी अपने परिवार वालों के साथ फरार हो गया। पीड़ितों का भरोसा जीतने के लिए उनसे पर्सनल कॉन्टैक्ट और लोकल रेफरेंस के जरिए संपर्क किया गया था। शुरुआत में भरोसा बनाने के लिए कुछ इन्वेस्टर्स को छोटे और समय पर पेमेंट किए गए। इसके बाद कई इन्वेस्टर्स से बड़ी रकम इकट्ठा की गई थी। जांच के दौरान, यह पाया गया कि आरोपियों ने 2013-14 से अपनी कमेटी स्कीम शुरू कीं और 52 से ज्यादा कमेटी बनाई। उन्होंने इन्वेस्टर्स और गांववालों का भरोसा जीता। बाद में उन्होंने कमेटी की रकम इकट्ठा की और अप्रैल 2025 में किसी अनजान जगह भाग गए। आरोपियों ने उन रजिस्टरों को नष्ट कर दिया जिनमें वह कमेटी स्कीम की डिटेल्स का रिकॉर्ड रखता था और अपना मोबाइल और सिम भी तोड़ दिया था। आरोपी को यूपी के रामपुर से पकड़ा गया। आरोपी चंद्रदीप उर्फ मास्टर जी दसघरा, इंद्रपुरी, पूसा, टोडापुर में ट्यूशन पढ़ाता है और उसकी पत्नी सरिता चमोली होममेकर थी। पढ़ाने के दौरान उसने वहां के लोगों का भरोसा जीता और उन्हें अपने द्वारा चलाई जा रही कमेटी स्कीम में इन्वेस्ट करने के लिए लुभाया। बाद में वह और उसकी पत्नी इन्वेस्टर्स से कमेटी अमाउंट इकट्ठा करके अपने परिवार के साथ भाग गए थे।

पत्नी को साथ लेकर यात्रा करता था हेरोइन तस्कर, दंपति समेत तीन लोग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ 7.5 करोड़ की हेरोइन बरामद

क्राइम ब्रांच ने एक दंपति को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर पारिवारिक यात्रा की आड़ में 7.5 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन की खेप को तस्करी कर राष्ट्रीय राजधानी में पहुंचाया था। पुलिस ने कुल 1.504 किलोग्राम हेरोइन जब्त कर दंपति तथा मादक पदार्थ प्राप्त करने वाले एक शख्स सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिल्ली के नारायणा निवासी आरिफ खान (46), उसकी पत्नी शिखा अली (30) और भलस्वा डेयरी के जुम्मन (32) के तौर पर हुई है।

क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि एक टीम को विशिष्ट सूचना मिली थी कि आरिफ उत्तर प्रदेश के बरेली से भारी मात्रा में हेरोइन की तस्करी कर रहा है और उसे गाजियाबाद के लोनी और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में आपूर्ति करता है। आरोपी रात के अंधेरे में प्रतिबंधित सामान की ढुलाई के लिए व्यावसायिक वाहन का इस्तेमाल कर रहा था। उसकी पत्नी उसके साथ इसलिए थी ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियां वाहन पर संदेह न करें और यह मान लें कि इसमें एक परिवार साथ यात्रा कर रहा है। इसके बाद टीम ने दिल्ली-गाजियाबाद के भोपुरा बॉर्डर के पास छानबीन की और वाहन के दिल्ली में प्रवेश करने के मार्ग और समय का विश्लेषण किया। देर रात गाजियाबाद की ओर से दिल्ली में प्रवेश कर रही एक कार को रोका गया। उसमें सवार लोगों की पहचान आरिफ और शिखा के रूप में हुई। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद तलाशी के दौरान उनके पास से 303 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसके अलावा कार की पिछली सीट पर पड़े एक बैग में छुपा कर रखी गई 1,007 ग्राम हेरोइन मिली। पूछताछ के दौरान आरिफ ने आपूर्तिकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं के बारे में जानकारी दी। उसने खुलासा किया कि बरेली के एक सरगना से हेरोइन ली थी और उसे लोनी और दिल्ली के कुछ हिस्सों में अपने संपर्कों तक पहुंचाया था। उसने सात फरवरी को भलस्वा डेयरी क्षेत्र में जुम्मन नाम के एक व्यक्ति को 500 ग्राम हेरोइन की आपूर्ति भी की थी। पुलिस ने जुम्मन का पता लगाया। उसके घर पर छापा मार उसे गिरफ्तार किया। उसके घर की तलाशी के दौरान 194 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरिफ पहले गाजीपुर में अकाउटेंट के रूप में काम करता था, लेकिन कोविड-19 के दौरान उसकी नौकरी चली गई थी। बाद में उसने एक कार खरीदी और उसे टैक्सी के रूप में चलाना शुरू कर दिया। इसी दौरान वह कथित तौर पर बरेली स्थित आपूर्तिकर्ता के संपर्क में आया और पैसों के लालच में हेरोइन की तस्करी करने लगा। शिखा को इस अवैध गतिविधि की जानकारी थी और संदेह से बचने के लिए वह अपने पति के साथ ही जाती थी। पेशे से इलेक्ट्रीशियन जुम्मन पर आरिफ के माध्यम से हेरोइन खरीदने और उसे भलस्वा इलाके में रेलवे लाइन के पास छोटे-छोटे पैकेटों में बेचने का आरोप है। इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

प्रतिद्वंद्वी गिरोह के बदमाश की हत्या में दो नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने रोहिणी में एक गिरोह के बदमाश की दिनदहाड़े हत्या करने के मामले में कथित संलिप्तता को लेकर दो नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस इनके सरगनाओं की तलाश में जुटी है। नाबालिग टिल्लू गिरोह से जुड़े थे। जितेंद्र गोगी गिरोह से कथित रूप से जुड़े साहिल सोलंकी की 14 फरवरी को रोहिणी के सेक्टर 17 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गोलीबारी के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अपराध शाखा की एक टीम ने भी मामले की तफ्तीश शुरू की थी। जांच पड़ताल के बाद दो नाबालिगों को पकड़ा। एक नाबालिग को मंगलवार को नरेला में बस स्टैंड के पास से पकड़ा गया जबकि दूसरे को समाईपुर गांव से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में नाबालिगों ने बताया कि वे सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया गिरोह से जुड़े हुए हैं, उन्हें सोशल मीडिया के जरिए लुभाया गया था तथा पैसे का वादा किया गया था। अपराध को अंजाम देने से पहले उनके लिए हथियार और बाइक की व्यवस्था नरेला में की गई थी। रोहिणी के सेक्टर 17 में हथियारों से लैस बाइक सवार तीन हमलावरों ने सोलंकी पर गोली चलाई थी। दो लोगों ने पीड़ित पर गोलीबारी की जबकि तीसरा शख्स बाइक चला रहा था। जांचकर्ताओं ने बताया कि हत्या का कारण गोगी और ताजपुरिया गिरोह के बीच प्रतिद्वंद्वता है, जिसकी वजह से दिल्ली-एनसीआर में पिछले एक दशक में कई हत्याएं की जा चुकी हैं। सोलंकी को 2021 में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के एक कथित बदमाश की हत्या से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन पिछले साल उच्च न्यायालय ने उसे जमानत दे दी थी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह हत्या टिल्लू गिरोह से जुड़े एक बदमाश की पूर्व में हुई हत्या के प्रतिशोध में की गई थी। पुलिस ने बताया कि साजिश में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने के प्रयास जारी है।

एलजी ने विजिलेंस को दिए फायर विभाग के एडीओ पर मेजर पेनल्टी के निर्देश, पूर्व डायरेक्टर की होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने विजिलेंस डिपार्टमेंट को दिल्ली फायर सर्विस के असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर (एडीओ) छुट्टन लाल मीणा के खिलाफ रूल 14 के तहत मेजर पेनल्टी शुरू करने का निर्देश दिया है। इस बारे में लोक निवास सचिवालय से मिली जानकारी अनुसार इससे पहले विजिलेंस डिपार्टमेंट ने एडीओ छुट्टन लाल मीणा पर माइनर पेनल्टी का प्रस्ताव दिया था। सचिवालय के अनुसार वर्ष 2022 में मीणा ने फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी करने के लिए आजादपुर के आकाश सिनेमा-कम-कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में लिफ्ट की झूठी इंस्पेक्शन (निरीक्षण) रिपोर्ट तैयार की थी। सचिवालय ने बताया कि इस मामले में अब एलजी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विजिलेंस डिपार्टमेंट को निर्देश दिए है कि डीएफएस के तत्कालीन डायरेक्टर, अतुल गर्ग (अब रिटायर्ड) की संलिप्तता और गलत काम की जांच भी की जाए। जानकारी अनुसार एलजी सक्सेना ने न केवल मीणा की अपील खारिज कर दी, बल्कि डीओवी को सीसीएस (सीसीए) के रूल 14 के तहत मेजर पेनल्टी शुरू करने का भी निर्देश दिया। मीणा ने अपने पद पर रहते हुए 3 अगस्त 2022 और 25 अक्टूबर 2022 की दो निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की, जिसमें उन्होंने बताया कि साइट पर 4 पैसेंजर लिफ्ट लगी हुई हैं। दिनांक 25 अक्टूबर 2022 की रिपोर्ट के आधार पर, 1 नवंबर 2022 को डायरेक्टर, दिल्ली फायर सर्विस ने फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी किया था। सचिवालय के अनुसार पीएमओ, एमएचए, सीवीसी और एसीबी को मिली कई शिकायतों के बाद, यह बताया गया कि 1 नवंबर 2022 को दिल्ली फायर सर्विस ने आकाश सिनेमा-कम-कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, आजादपुर को नकली फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट यानी एनओसी जारी किया था। लेबर डिपार्टमेंट के असिस्टेंट इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर ने 24 जनवरी 2023 को इंस्पेक्शन किया, जिसके बाद पता चला कि साइट पर कोई पैसेंजर लिफ्ट लगी ही नहीं थी। जांच के बाद, सीसीएस (सीसीए) रूल्स के रूल 16 के तहत सी.एल. मीणा पर मामूली पेनल्टी लगाई गई। बाद में, आरोपी ऑफिसर ने पेनल्टी के खिलाफ एलजी के पास अपील की थी। मामले की सुनवाई करते हुए एलजी ने देखा कि 3 अगस्त 2022 की रिपोर्ट के आधार पर मामूली पेनल्टी लगाई गई थी, लेकिन 25 अक्टूबर 2022 की दूसरी रिपोर्ट पहले नोटिस में नहीं लाई गई थी।

एआई समिट की सुरक्षा लिहाज से सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के दरवाजे कुछ समय रहे बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में चल रहे एआई समिट के चलते बुधवार को सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के सभी दरवाजे सुरक्षा के लिहाज से कुछ तय समय के लिए बंद कर दिए गए। जबकि बाद में पुन सभी दरवाजों को यात्रियों के लिए पहले की तरह खोल दिया गया। डीएमआरसी ने संबंध में अपने अधिकृत सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोपहर 3.02 बजे पोस्ट करते हुए लिखा कि सुरक्षा अपडेट। सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। जबकि डीएमआरसी ने करीब 3.14 मिनट पर पुन एक पोस्ट करते हुए लिखा कि सर्विस अपडेट। डीएमआरसी ने सूचना जारी करते हुए लिखा कि सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन अब खुल गया है। बता दें कि एआई समिट में देश विदेश से आने वाले बड़े बड़े राष्ट्राध्यक्ष से लेकर बड़े बड़े नेता, राजनयिक, एआई से बड़े बड़े बिजनेसमैन आदि आयोजन में पहुंच रहे है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों के लिए दिशा निर्देश पर डीएमआरसी ने कुछ समय के लिए सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को बंद किया गया था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन व्यस्त स्टेशनों में शामिल है, यह महत्वपूर्ण संस्थानों के बेहद करीब होने के चलते अतिरिक्त सुरक्षा कदम उठाते हुए बंद करना पड़ा।

'पहाड़गंज में अवैध विज्ञापनों पर एमसीडी का बड़ा एक्शन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के विज्ञापन विभाग ने पहाड़गंज इलाके में अवैध विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए होटल और मसाज सेंटरों के बाहर बड़ी संख्या में लगाए गए विज्ञापन बोर्ड, होर्डिंग्स को हटाया। निगम सूत्रों के अनुसार इन विज्ञापनों में निगम की विज्ञापन नीति का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा था, जिसको लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के संज्ञान में आने के बाद निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर बड़ी हाइड्रोलिक मशीन की सहायता से अवैध रूप से लगाए गए बोर्ड और फ्लेक्स हटाए। कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर बिना अनुमति के लगाए गए विज्ञापन ढांचे भी तोड़े गए। निगम अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थलों, बिजली के खंभों, दीवारों और फुटपाथों पर अनधिकृत प्रचार सामग्री लगाना नियमों के खिलाफ है और इससे शहर की सुंदरता तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है।

निगम अधिकारी ने बताया कि पहाड़गंज जैसे व्यावसायिक और पर्यटन क्षेत्र में अवैध विज्ञापनों की भरमार से न केवल दृश्य प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि कई बार आपात स्थिति में राहगीरों और वाहनों के लिए खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगे भी ऐसे स्थानों की पहचान कर नियमित अभियान चलाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निगम ने व्यापारियों और संस्थानों से अपील की है कि वे केवल निर्धारित स्थलों और विज्ञापन नीति के अनुरूप ही प्रचार सामग्री लगाएं। बिना अनुमति लगाए गए विज्ञापनों को हटाया जाएगा और संबंधित पक्षों से लागत वसूलने की कार्रवाई भी की जा सकती है। लोगों के अनुसार यह कार्रवाई शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

■ होटल-मसाज सेंटरों के बाहर लगी सामग्री हटाई

■ शिकायतों के बाद निगम की बड़ी मशीन से कार्रवाई

■ विज्ञापन नीति का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं, आगे भी चलेगा अभियान

सितंबर में दुर्घटना के बाद बंद हुआ था फ्लाईओवर, सीमेंटिड पत्थरों की बैरिकेडिंग से बढ़ा हादसों का खतरा

गड्ढे के कारण बंद सिंघोला फ्लाईओवर इस माह के अंत तक खुलेगाः एनएचएआई

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर स्थित सिंघोला फ्लाईओवर, जो पिछले वर्ष सितंबर माह में गड्ढा बनने के कारण हुई दुर्घटना के बाद बंद कर दिया गया था, अब इस माह के अंत तक दोबारा चालू होने की संभावना है। यह जानकारी मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के संबंधित अधिकारी ने दी। बता दें कि वर्ष 2025 के सितंबर में पहले सप्ताह में भारी बारिश के दौरान नरेला विधानसभा क्षेत्र स्थित इस फ्लाईओवर पर अचानक गड्ढा बन गया था। गड्ढे के चलते एक दुर्घटना हुई, जिसके बाद एहतियातन प्रभावित फ्लाईओवर को बंद कर दिया गया। तब से यातायात को वैकल्पिक और साथ ही बने दूसरे फ्लाईओवर से संचालित किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों ने मांग की है कि फ्लाईओवर खुलने तक अस्थायी मार्ग पर स्पष्ट संकेतक, रिफ्लेक्टर और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

फ्लाईओवर बंद होने से मार्ग हो गया संकुचित

फ्लाईओवर बंद होने के बाद बनाई गई अस्थायी व्यवस्था के कारण दिल्ली और हरियाणा की तरफ तरफ दोनों दिशाओं में वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गई जिसके चलते यह मार्ग संकुचित हो गया है। सुरक्षा के लिए भारी पत्थरों से बैरिकेडिंग की गई है, लेकिन तेज गति से आने वाले कुछ वाहन इन पत्थरों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपर्याप्त संकेतक और अचानक संकरा होता मार्ग हादसों की बड़ी वजह बन रहा है।

अन्य राज्यों से जोड़ने वाला प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

बता दें कि प्रतिदिन हजारों वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं, क्योंकि यह दिल्ली को हरियाणा और अन्य राज्यों से जोड़ने वाला प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग है। फ्लाईओवर बंद होने से न केवल यातायात का दबाव बढ़ा है, बल्कि जाम और दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। एनएचएआई अधिकारी के अनुसार, बंद फ्लाईओवर का मरम्मत कार्य अंतिम चरण में है और यदि सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो फ्लाईओवर इस माह के अंत तक आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान संपन्न

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई ने कविनगर स्थित रामलीला मैदान, जानकी भवन में आयोजित किया गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक चले इस प्रशिक्षण वर्ग में महानगर सहित तीनों विधानसभाओं के 20 मंडलों से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर संगठन सुदृढ़ीकरण का संकल्प लिया।

जीडीए बजट प्रस्ताव पर होगी चर्चा, बजट होगा पेश

गाजियाबाद। जीडीए की आगामी बोर्ड बैठक 19 फरवरी को होगी। बैठक में मुख्य रूप से वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर प्रस्ताव रखा जाएगा। इस बार की बोर्ड बैठक का मुख्य एजेंडा बजट है। जीडीए अध्यक्ष व मंडलायुक्त भानुचंद गोस्वामी की अध्यक्षता में यह बैठक होगी। बोर्ड बैठक को लेकर जीडीए में तैयारी शुरू हो गई है। बजट को लेकर प्रस्ताव को अंतिम रूप दे दिया गया है। आय-व्यय का ब्यौरा तैयार किया जा रहा है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक आनंद कौशिक का निधन

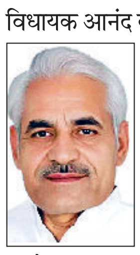

फरीदाबाद। फरीदाबाद की राजनीति के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक आनंद कौशिक का बुधवार दोपहर निधन हो गया। 75 वर्ष की आयु में उन्होंने सेक्टर-9 स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार आज गुरुवार को सेक्टर-9 श्मशान घाट में किया जाएगा।

लड़की से बात करने पर 10वीं के छात्रों की पिटाई

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ के आदर्श नगर इलाके में 10वीं कक्षा के दो छात्रों की कुछ युवकों ने कथित तौर पर लड़की से बातचीत करने को लेकर जमकर पिटाई कर दी। आरोपियों ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया, जिससे मामला तूल पकड़ गया है। घटना 15 जनवरी की बताई जा रही है।

कई राज्यों में सक्रिय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

गाजियाबाद। अपराध शाखा व थाना सिहानीगेट पुलिस गाजियाबाद की संयुक्त कार्यवाही में अलीगढ, हापुड, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हरियाणा व दिल्ली एनसीआर क्षेत्र से चार पहिया वाहनों की चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 2 सक्रिय सदस्य गिरफ्तार कब्जे से चोरी की एक स्विफ्ट कार व फर्जी नम्बर प्लेट बरामद की है। एडीसीपी पीयूष सिंह ने बताया कि चार पहिया वाहनों की चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है।

गेस्ट हाउस में शॉर्ट सर्किट से आग

फरीदाबाद। सराय थाना क्षेत्र के सेक्टर-37 स्थित एक मकान के बेसमेंट में बने गेस्ट हाउस में बुधवार सुबह अचानक आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना सेक्टर-37 मार्केट के पीछे स्थित मकान नंबर-265 में हुई, जहां बेसमेंट में गेस्ट हाउस संचालित किया जा रहा था।

लंबित परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

विधानसभा 89 क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं की समीक्षा के लिए आज मेयर कैंप कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता फरीदाबाद की मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने की। बैठक में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रही, जिनमें निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा, जॉइंट कमिश्नर राजेश कुमार, स्पेशल ऑफिसर सेनिटेशन असवीर सिंह, मुख्य अभियंता, संबंधित कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता (सिविल, विद्युत एवं बागवानी) सहित विधानसभा 89 क्षेत्र के पार्षदगण एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विधानसभा 89 में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। लंबित परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। मेयर ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी जनता की असुविधा का कारण बनती है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेयर ने सीवरेज शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने को कहा

जनसमस्याओं पर विशेष फोकस रखते हुए स्वच्छता व्यवस्था, सीवरेज सिस्टम, सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, जल निकासी तथा बागवानी कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए तथा सीवरेज से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। आगामी बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए जलभराव की समस्या पर विशेष चर्चा हुई। मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर हर वर्ष पानी भरने की समस्या आती है, वहां पहले से ही समुचित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। फ्लड से संबंधित सभी कार्य समय से पहले पूरे करने के निर्देश दिए गए, ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना प्रशासन की जिम्मेदारी

मेयर ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि विकास कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने और समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि एजेंडा बिंदुओं पर विभागवार कार्यवाही करते हुए नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी, ताकि विधानसभा 89 क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल सके और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

डीएस ढेसी की अध्यक्षता में शहरी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत ग्रीन बेल्ट व मैकेनिकल रोड स्वीपिंग को प्राथमिकता

समीक्षा बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना, अमृत योजना, शहरी परिवहन, जलापूर्ति, सीवरेज नेटवर्क, आवास विकास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य शहरी आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

रैनी वेल्स, माइक्रो-एसटीपी और ट्रीटेड वाटर रीयूज पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

शहरी विकास प्रधान सलाहकार डीएस ढेसी की अध्यक्षता में आज बुधवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला फरीदाबाद में चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर सीईओ एफएमडीए जे. गणेशन, एडीसी सतबीर मान और अन्य संबंधित विभागों व एजेंसी के अधिकारियों के साथ 9वीं अंतर-एजेंसी समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना, अमृत योजना, शहरी परिवहन, जलापूर्ति, सीवरेज नेटवर्क, आवास विकास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य शहरी आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

पोर्टल अपडेट से जुड़े तकनीकी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की

बैठक में नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत फंडिंग, यूसी सबमिशन तथा पोर्टल अपडेट से जुड़े तकनीकी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। लंबित निधियों के प्रभावी उपयोग हेतु एक कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसमें ग्रीन बेल्ट विकास एवं रोड स्वीपिंग गतिविधियों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अतिरिक्त अधिकारियों ने बताया कि मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों की संख्या बढ़ाने की दिशा में कार्रवाई जारी है। ग्रेपके अंतर्गत दैनिक रिपोर्टिंग के साथ-साथ पेनल्टी एवं एक्शन रिपोर्ट्स नियमित रूप से राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रेषित की जा रही हैं।

शहर और जिला स्तर पर सक्रिय निगरानी

बैठक में प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी ने बताया कि सीएक्यूएम को लेकर भारत सरकार ने प्रोएक्टिव भूमिका निभानी शुरू की है। पहले जहां यह संस्था केवल एडवाइजरी और डायरेक्टिव जारी करती थी, अब यह जिला और शहर स्तर पर वन-टू-वन इंटरैक्शन के माध्यम से सक्रिय निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि सोनीपत, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा जैसे शहरों ने अपने-अपने सिटी एक्शन प्लान तैयार कर लागू किए हैं। इसके साथ ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय स्तर पर भी मॉनिटरिंग हो रही है, विशेषकर प्रिवेंशन और पॉल्यूशन कंट्रोल के विषय पर ध्यान दिया जा रहा है।

सीवरेज निर्माण कार्य 80 प्रतिशत पूरे हो चुके

बैठक में गांव फतेहपुर-चांदिला में चल रहे सड़क एवं सीवरेज निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि सीवरेज निर्माण कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। साथ ही, प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का आवंटन किया जा चुका है तथा इसकी आधारशिला 20 जनवरी 2026 को रखी जा चुकी है और जो काम अलॉट किये गए है वो जल्द से जल्द पूरे कर लिए जायेंगे।

रैनी वेल्स एवं एसटीपी निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि 100 एमएम वाटर सप्लाई लाइन का कार्य प्रगति पर है और मार्च से पहले पूर्ण करने का लक्ष्य है। शेष रैनी वेल्स मार्च–अप्रैल 2026 तक चालू कर दिए जाएंगे।

राजकीय महिला महाविद्यालय में 7 दिवसीय शिविर का समापन

फरीदाबाद। राजकीय महिला महाविद्यालय फरीदाबाद की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर का समापन समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। 11 से 17 फरवरी तक चले इस शिविर में छात्राओं ने सामाजिक सेवा, जागरूकता एवं सामुदायिक विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

नेहरू ग्राउंड लोहा मंडी के व्यापारी सड़कों पर

व्यापारियों ने विरोध स्वरूप अपना कामकाज बंद किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के राजस्व में अहम योगदान देने वाली नेहरू ग्राउंड लोहा मंडी के व्यापारी विभिन्न प्रशासनिक कार्रवाइयों से नाराज हैं। व्यापारियों का सब्र टूट गया और वे एकजुट होकर मंडी में एकत्रित हुए तथा विरोध स्वरूप अपना कामकाज बंद कर दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और व्यापारियों को शांत कराया। इस दौरान कुछ व्यापारियों ने निगम अधिकारियों को खरी-खोटी भी सुनाई।उपप्रधान मुकेश बंसल ने बताया कि लोहा मंडी पिछले 55 वर्षों से संचालित एक व्यावसायिक बाजार है और उत्तर भारत की प्रमुख लोहा मंडियों में गिनी जाती है।

अतिक्रमण के नाम पर व्यापारियों को परेशान किया जा रहा

आयरन एण्ड स्टील ट्रेड्स एसोसिएशन के प्रधान सीपी कालरा ने कहा कि व्यापारी हमेशा विकास के पक्षधर रहे हैं, लेकिन यदि विकास कार्य उनकी रोजी-रोटी पर असर डालेंगे तो वे चुप नहीं बैठ सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी अतिक्रमण तो कभी अन्य कारणों से व्यापारियों को परेशान किया जा रहा है। सड़कों के निर्माण कार्य के दौरान दोनों ओर एक साथ खुदाई किए जाने से कारोबार प्रभावित हो रहा है। पहले एक ओर, उसके बाद दूसरी ओर काम शुरू किया जाए।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रोहतक

अभियोग संख्या 23 दिनांक 04.02.2026, धारा 127(6) थाना लाखन माजरा रोहतक ।

गुमशुदा की तलाश बारे –

नाम- समीर
पिता - मनीष
पता- गाँव घरोठी जिला रोहतक।
उम्र-19 वर्ष ।
हुलियाः रंग गोरा गोल चेहरा, पतला शरीर, टी- काली गर्म काली लवर शर्ट व पैरों में हरे रगं की चप्पल पहने हुए है व कद 5 ईचं 8 फुट

दिनांक 03.02.2026 को समीर पिता मनीष गाँव घरोठी जिला रोहतक। बिना किसी को बताए घर से कहीं चले जाने पर उपरोक्त अभियोग पंजीकृत हुआ है। गुमशुदा का अभी तक कोई भी सुराग नहीं पता चला है। यदि किसी थाना में या किसी व्यक्ति को इस बारे कोई जानकारी/सूचना प्राप्त होती है, तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।

1. प्रबंधक थाना लाखन माजरा रोहतक - 7082999128
2. पुलिस कन्ट्रोल रुम रोहतक- 01262-247200,999646400
3. अनुसंधानकर्ता रोहतक - 9812824374

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रोहतक

अभियोग संख्या 35 दिनांक 13.02.2026, धारा 127(6) थाना आई.एम.टी. रोहतक।

गुमशुदा की तलाश बारे

नाम - रानी
पिता/W/O- मुकेश
पता- गाँव पोलैंगी जिला रोहतका
उम्र-35 वर्ष।
हुलिया - रंग सावंला, लम्बुतरा चेहरा, पतला शरीर, आसमानी रंग का प्लेन सुट व पैरों में लाल रगं की जूते पहने हुए है व कद फुट 5

दिनांक 13.02.2026 को रानी W/O मुकेश गाँव पोलंगी जिला रोहतक। बिना किसी को बताए घर से कहीं चले जाने पर उपरोक्त अभियोग पंजीकृत हुआ है। गुमशुदा का अभी तक कोई भी सुराग नहीं पता चला है। यदि किसी थाना में या किसी व्यक्ति को इस कोई जानकारी/सूचना प्राप्त होती है, तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।

1. प्रबंधक थाना आई.एम.टी रोहतक - 7082999124
2. पुलिस कन्ट्रोल रुम रोहतक- 01262-247200,999646400
3. अनुसंधानकर्ता रोहतक-9468079674

पीआरडीएच-1084/11/4478/2026/43110/88/7 दि. 18.02.2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमित, पुत्रः बल्ली नाथ, पताः म.नं. 159ए, सपेरा बस्ती, मोलरबंद गांव, बदरपुर, नई दिल्ली** ने **FIR No. 388/2024, U/s 112 भारतीय न्याय संहिता–2023, पुलिस थाना बदरपुर, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अमित** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अमित** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 388/2024, U/s 112 भारतीय न्याय संहिता–2023, पुलिस थाना बदरपुर, नई दिल्ली** के अभियुक्त **अमित** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री विनोद जोशी
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, दक्षिण–पूर्व जिला
कमरा नं. 515, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/2150/SE/2026

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी

गुरूग्राम (हरियाणा)

email: deeogurugram@gmail.com

Digital Ind

नीलामी सूचना

दिए गए कार्यक्रम अनुसार जो जहां है-जैसा है के आधार पर जर्जर भवन/कमरों को तोड़ने, सल्वेजड मैटीरियल को अधिकार में लाने सहित मौजूदा ढांचे की डिसमंटलिंग सामग्री की स्थल से सफाई के उद्देष्य हेतु खण्ड पटौदी जिला गुरुग्राम में निम्नलिखित पुरानी व असुरक्षित ईमारतों/कमरों की नीलामीः-

क्रमांक	ईमारत का नाम	कमरों की संख्या	अनुमानित लागत	लोकेशन	नीलामी की तिथि, समय, स्थान
1.	रा० प्रा० वि० चन्दू	2 ROOMS	63851/-	रा० प्रा० वि० चन्दू	स्थानः खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय गुरुग्राम दिनांकः 25.02.2026 समयः 11:00 बजे प्रातः
2.	रा०प्रा०वि० गढी हरसरू	4 ROOMS	81796/-	रा०प्रा०वि० गढी हरसरू	- सम-
3.	रा०प्रा०वि० ढाणी हरसरू	6 ROOMS	98297/-	रा०प्रा०वि० ढाणी हरसरू	-सम-

1. प्रत्येक बोलीदाता को अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बैंकड्राफ्ट के रुप में 25000 रु की राशि बोली के लिए योग्यता प्राप्त करने के लिए जमा करवानी होगी सफल बोलीदाता को छोड़कर नीलामी की समाप्ति पर वापिस कर दी जाएगी।
2. सफल बोलीदाता को बोली राशि 100 प्रतिशत हैमर गिरते ही जमा करवानी होगी। असफल रहने पर जमा करवाई गई राशि जब्त कर ली जाएगी।
3. सफल बोलीदाता को बोली राशि कुल बोली का 10 प्रतिशत जमानत के तौर पर अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में ड्राफ्ट के रुप में जमा करवानी होगी जो कार्य समाप्ति पर वापिस कर दी जाएगी।
4. इमारत अनुमोदन जारी के एक माह में इमारत तोड़ी जानी चाहिए तथा स्थल मलबा रहित होना चाहिए जिसके असफल रहने पर शेष साल्वेज्ड पर सरकार द्वारा कब्जा ले लिया जाएगा।
5. पार्टियों के मध्य किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्राधिकार गुरुग्राम रहेगा।
6. अगर अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण डिसमेंटलिंग के लिए इमारत का कब्जा समय में नहीं दिया है तो ठेकेदार को काई राहत नहीं दी जाएगी। केवल समय बढ़ाया जाएगा।

नोटः- बोली दाता बोली व नीलामी होने से पहले स्थल (विद्यालयों की असुरक्षित इमारतों/कमरों) को देख सकते हैं।

हस्ता/-जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी
गुरुग्राम।

पीआरडीएच 1132/11/107/2026/43131/88/7 दि. 18.02.2026

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प हिसार	हिसार जिले में कन्या गुरूकुल दोभी, आदमपुर में 7.5 केडब्ल्यू रूफटॉप हाईब्रिड सोलर पावर प्लांट का प्रावधान + 1 कार्य।	17.02.2026 27.02.2026	24.02 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प हिसार	ज्यूडीशियल कोर्ट कॉम्पलैक्स, सिरसा में फायर अलार्म सिस्टम का प्रावधान।	17.02.2026 26.02.2026	21.63 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
3	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा करनाल	यमुना नदी बाढ़ 2025 के पश्चात आबादी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए 7 अदद नये स्टोन स्टड्स और स्टोन रिवेटमेंट का निर्माण करके मोदीपुर कॉम्पलैक्स की सुरक्षा का प्रावधान + 8 कार्य।	16.02.2026 25.02.2026	2003.29 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2258008 xeninddivn@yahoo.in
4	पंचायती राज रेवाड़ी	3 अदद प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाईयों की आपूर्ति (श्रेड्डर, बेलिंग, डस्ट रिमूविंग मशीन)।	18.02.2026 27.02.2026	48 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 xenpr.rwr@gmail.com
5	पंचायती राज चरखी दादरी	गांव लाडावास में आईपीबी सहित फिरनी का निर्माण, एचआरडीएफ।	12.02.2026 20.02.2026	157.79 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9582622008 xenprcharkhidadri@gmail.com
6	पंचायती राज चरखी दादरी	गांव काकरौली हुकमी ब्लॉक बाढड़ा में फिरनी (लोनिवि रोड से ओम धारा खेत तक, 2. राजपाल जांगड़ा के मकान से शमशान घाट / तालाब तक) का निर्माण + 1 कार्य।	12.02.2026 20.02.2026	72.95 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9582622008 xenprcharkhidadri@gmail.com
7	पंचायती राज सोनीपत	गांव चिरशमी ब्लॉक गन्नौर में ई-लाइब्रेरी का निर्माण + 9 कार्य।	बंद होने की तिथि 25.02.2026	432.84 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416391006 prexeeng.snp@gmail.com
8	पंचायती राज चरखी दादरी	गांव गोपी में ब्लॉक पब्लिक हैल्थ यूनिट (बीपीएचयू) का निर्माण + 4 कार्य।	12.02.2026 20.02.2026	228.37 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9582622008 xenprcharkhidadri@gmail.com
9	महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान पंचकूला हरियाणा	आईएस-9271:2004, आकार 80 मिमी ओ.डी., 160 मिमी ओ.डी., 200 मिमी ओ.डी., 294 मिमी ओ.डी. के अनुरूप परफोरेटेड कॉरूगेटेड पीवीसी पाइप्स और फिटिंग्स की खरीद के लिए दो वर्षीय दर अनुबंध।	19.02.2026 05.03.2026		https://etenders.hry.nic.in dsndharyana.gov.in	0172-2570122 Supplies@hry.nic.in
10	महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान पंचकूला हरियाणा	ऑप्टीकल एमिशन स्पेक्ट्रोमीटर (फेरस और नॉन-फेरस सामग्रियों के कम्पोजीशन अलाऊ का निर्धारण)।	18.02.2026 05.03.2026		https://etenders.hry.nic.in dsndharyana.gov.in	0172-2570122 Supplies@hry.nic.in
11	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा जगाधरी	कौशल्या डैम, पंचकूला में सप्लीमेंटरी स्पिलवे और स्टिल्लिंग बेसिन का निर्माण।	17.02.2026 12.03.2026	ईएमडी 39.55 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9813608585 xenhkbone@gmail.com
12	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा जगाधरी	यमुना नदी से गांव नागला रांगड़ान और संधाला की कृषि भूमि के संरक्षण हेतु 1216 फुट 03 टीयर स्टोन स्टेइनिंग के निर्माण के लिए सीएचईएमई।	16.02.2026 02.03.2026	ईएमडी 5.73 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9729441426 xenhkbone@gmail.com
13	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा पंचकूला	सिंचाई विभाग हरियाणा के जल सेवा मंडल कुरुक्षेत्र में नये चलायमान 20 अदद ईपी सैट्स 3सीएस. क्षमता और 10 अदद ईपी सैट्स 5 सीएस. क्षमता के लिए एक्सेसरीज फिटिंग।	18.02.2026 05.03.2026	14.50 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0172-2580542 xenproc@gmail.com
14	हरियाणा पुलिस	हरियाणा पुलिस के लिए 180 अदद डेस्कटॉप कम्प्यूटर की खरीद।	17.02.2026 26.02.2026	ईएमडी 1.98 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416431319 Supdt.provphq@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच-11/2026/280/43143/I/88/7 दि. 18.02.26

उत्तर प्रदेश की बेटियों के सपनों को 'अंतरिक्ष' की उड़ान

बागपत में योगी सरकार ने बनाई हाईटेक एस्ट्रोनॉमी लैब

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तर प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। बागपत के छपरौली में स्थापित हाईटेक एस्ट्रोनॉमी लैब सरकारी स्कूल की छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियां सिखा रही है। 45 प्रयोगों और आधुनिक उपकरणों से लैस यह लैब छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर रही है, जिससे वे टेलिस्कोप से ग्रहों का अवलोकन कर रही हैं और अंतरिक्ष विज्ञान को करियर के रूप में देख रही हैं।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा और उनके भीतर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक क्रांतिकारी पहल की है। अब प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बेटियां केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे अत्याधुनिक एस्ट्रोनॉमी लैब के जरिए अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियां सीख रही हैं। बागपत जनपद के छपरौली ब्लॉक में स्थापित हाईटेक खगोलशास्त्र प्रयोगशाला ग्रामीण छात्राओं के बड़े सपनों को नई उड़ान दे रही है।

45 प्रयोगों से अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियां सीख रहीं बेटियां

'एस्ट्रोनॉमी सॉफ्टवेयर' का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा

बागपत की जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, इस प्रयोगशाला को हाईटेक टेक्नोलॉजी से विकसित किया गया है। यहां छात्राओं को न केवल आधुनिक उपकरण दिए गए हैं, बल्कि उन्हें 'एस्ट्रोनॉमी सॉफ्टवेयर' का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इस डिजिटल माध्यम से वे आकाशीय पिंडों की स्थिति, गति और उनकी संरचना को सटीकता से समझ पा रही हैं, जो उनके भीतर एक मजबूत वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

'नाइट-स्काई ऑब्जर्वेशन' में सक्रिय भागीदारी दर्ज कर रहीं

ब्लॉक संसाधन केंद्र छपरौली के परिसर में विकसित यह प्रयोगशाला आधुनिक खगोलशास्त्र की नवीनतम तकनीक से लैस है। यहां लगभग 100 बालिकाओं को एक साथ आधुनिक विज्ञान समझने का अवसर मिल रहा है। इस लैब की सबसे बड़ी खूबी यहाँ उपलब्ध 45 प्रकार के प्रयोगों की सुविधा है, जिसकी मदद से छात्राएं अंतरिक्ष से जुड़े जटिल सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझ रही हैं। अब टेलिस्कोप संचालित करने से लेकर 'नाइट-स्काई ऑब्जर्वेशन' तक की गतिविधियों में ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेटियां अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करा रही हैं।

टेलिस्कोप से चंद्रमा का दीदार

जब छात्राएं स्वयं अपने हाथों से टेलिस्कोप के जरिए चंद्रमा और अन्य ग्रहों का प्रत्यक्ष अवलोकन करती हैं, तो उनका आत्मविश्वास और जिज्ञासा दोनों सातवें आसमान पर होते हैं। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राएं नियमित रूप से इस लैब में प्रशिक्षण ले रही हैं। शिक्षकों का मानना है कि नाइट-स्काई प्रेक्षण जैसी रोमांचक गतिविधियों के कारण छात्राओं की रुचि विज्ञान के प्रति बढ़ी है और वे अब अंतरिक्ष विज्ञान को अपने करियर के रूप में भी देखने लगी हैं।

एआई स्मार्ट क्लास की शुरुआत

जिलाधिकारी ने यह भी साझा किया कि जिले के 25 सरकारी विद्यालयों में एआई संचालित स्मार्ट क्लास शुरू की गई हैं। इन इंटरैक्टिव क्लासरूम के माध्यम से बच्चों को तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा मिल रही है। योगी सरकार की यह पहल सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने और बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का सफलतम उदाहरण पेश कर रही है।

खबर संक्षेप

मायावती का विस चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अकेले यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन दिनों लोकतंत्र एवं संविधान को मजबूती प्रदान करने के बजाय 'अर्टिफिशयल इंटेलिजेंस' को सफलता की कुंजी बताने की स्वार्थी चर्चाएं चल रही हैं। जो लोग हमारे खिलाफ हैं, वे हमें सत्ता से दूर रखने की और भी

राज्य सरकार पर भड़का झारखंड हाई कोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में राज्य में पुल गिरने की घटनाओं की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने ग्रामीण विकास विभाग के सचिव को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगली सुनवाई तक जवाब दाखिल नहीं किया गया तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से 10 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा।

प्रधानों-साचिवों पर एक्शन

यूपी पंचायत चुनाव से पहले 76 ग्राम पंचायतों में करोड़ों की अनियमितता

» यूपी पंचायत चुनाव से पहले 76 ग्राम पंचायतों में करोड़ों का खेल सामने आया है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के विकास कार्यों की लेखा परीक्षा के दौरान 12.15 करोड़ रुपए की धनराशि पर अनियमितता और अभिलेखों की कमी सामने आई है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ।

यूपी में पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां चल रही हैं। चुनाव की तैयारियों के बीच यूपी के गोंडा जिले की 76 ग्राम पंचायतों में करोड़ों का खेल सामने आया है। इन 76 ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2019-20 के विकास कार्यो की लेखा परीक्षा के दौरान 12.15 करोड़ रुपए की धनराशि पर अनियमितता और अभिलेखों की कमी सामने आई है। विभागीय जानकारी के मुताबिक इन ग्राम पंचायतों में ऑडिट जांच में पाया गया कि कई ग्राम पंचायतों ने विकास कार्यों के नाम पर खर्च की गई रकम का पूरा ब्योरा प्रस्तुत नहीं किया। इस पर संबंधित तत्कालीन ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों पर ऐक्शन हुआ है। इन प्रधानों और सचिवों को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण और आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपी के गोंडा जिले की 76 ग्राम पंचायतों में 2019-20 के दौरान 12.15 करोड़ की अनियमितता

खर्च का पूरा रिकॉर्ड और विवरण प्रस्तुत नहीं किया

ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, गोंडा के परसपुर ब्लॉक की परसपुर ग्राम पंचायत में सर्वाधिक 75.85 लाख रुपए के खर्च का विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया। उस समय यहां ग्राम प्रधान बिंदु पाण्डेय और सचिव सत्येन्द्र कुमार सिंह थे। वहीं, खरगूपुर ग्राम पंचायत में 49.27 लाख रुपये, कटरा ब्लॉक की सेलहरी में 51.95 लाख रुपए के अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए। इसके अलावा परसपुर ब्लॉक के मरचौर में 32.82 लाख रुपए, डेहरास में 31.79 लाख रुपए, बालपुर हजारी में 28.94 लाख रुपए और सुसुंडा में 27.53 लाख रुपए की धनराशि पर आपत्ति दर्ज की गई है। निंदुरा में 25.18 लाख रुपये, सकरौर में 24.38 लाख रुपये , असरना में 23.83 लाख रुपये और रोवारी में 21.54 लाख रुपए के खर्च का भी पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया।

ऑडिट टीम ने आपत्ति दर्ज की

रामगढ़ 20.67 लाख रुपए, परसा गोड़री 19.59 लाख रुपये, गोनवा 18.88 लाख रुपये , राजापुर 18.59 लाख रुपये , डोमाकल्पी 14.20 लाख रुपये , लोहंगपुर 12.98 लाख रुपए और सालपुर धौतल 12.61 लाख रुपए सहित कई पंचायतों को नोटिस भेजा गया है। दर्जनों अन्य पंचायतों में भी 10 लाख रुपये से अधिक के खर्च पर ऑडिट टीम ने आपत्ति दर्ज की है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कई स्थानों पर भुगतान प्रक्रिया में वित्तीय नियमों का पालन नहीं किया गया और अभिलेख अधूरे पाए गए।

15 दिन का समय दिया गया है

जिले में 76 ग्राम पंचायतों ने विकास कार्यों पर खर्च के सापेक्ष अब तक ऑडिट टीम को पूरा ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। सभी को 15 दिन का समय दिया गया है। समय सीमा में अभिलेख प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधित प्रधान और सचिव से पूरी धनराशि की वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

लालजी दुबे, डीपीआरओ

बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर बहस

आरएलएम के विधायक ने की मुख्यमंत्री से समीक्षा की मांग

जेडीयू बोली- सवाल ही नहीं उठता

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा में शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई है। सत्ताधारी एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद ने विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार की मौजूदगी में कानून की विस्तृत समीक्षा की मांग की थी, जिससे राजनीतिक घमासान मच गया। जेडीयू ने मांग को खारिज करते हुए दूसरे राज्यों में शराब उपलब्ध होने की नसीहत दी, जबकि माधव आनंद ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी मांग सरकार के मुख्यमंत्री से है।

लक्ष्यों की प्राप्ति जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी

आरएलएम विधायक माधव आनंद ने विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान कहा था, 'मुख्यमंत्री ऐतिहासिक निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। शराबबंदी भी ऐसा कानून है, जिसे लाने की क्षमता हर व्यक्ति में नहीं होती। लेकिन अब लंबा वक्त हो गया है और इस कानून की विस्तृत समीक्षा की जरूरत है। जब समीक्षा होगी तो लक्ष्यों की प्राप्ति हुई या नहीं, जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होगी। मुझे विश्वास है कि सीएम इसकी समीक्षा करेंगे।' जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर बिहार में शराबबंदी पसंद नहीं तो दूसरे राज्यों में चले जाएं, जहां शराब उपलब्ध है।

आनंद का जेडीयू पर पलटवार

इस बयान पर माधव आनंद ने पलटवार करते हुए कहा, 'मैंने सदन में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में तमाम विषयों पर चर्चा के दौरान कहा कि आप ऐतिहासिक निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। हमने अपनी ही सरकार के मुख्यमंत्री से शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग की थी।

पेज एक का शेष

'एआई इंपैक्ट ...

प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। सम्मेलन के पूर्व में प्रधानमंत्री ने दुनिया के तमाम देशों से नई दिल्ली पहुंचे वैश्विक नेताओं का भारत मंडपम में जोरदार अंदाज में स्वागत किया। समारोह के अंत में एक परिणाम दस्तावेज भी जारी किया जाएगा।

कजाकिस्तान के साथ मजबूत होगी साझेदारी: मध्य-एशियाई देश कजाकिस्तान के प्रधानमंत्री बेकतेनाव के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और गहरी होगी। दोनों के बीच व्यापार, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों, दुर्लभ धातुओं, रक्षा, संपर्क और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग अपार संभावनाएं हैं। पीएम ने कहा कि हम अपनी दोस्ती को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

एआई में गूगल के सहयोग पर हुई चर्चा: प्रधानमंत्री ने अपनी एक अन्य एक्स पोस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से हुई मुलाकात को लेकर कहा कि उनसे मुलाकात करना एक बेहद सुखद अनुभव रहा। हमने एआई क्षेत्र में भारत द्वारा किए जा रहे कार्यों और इस क्षेत्र में हमारे प्रतिभाशाली छात्रों, पेशेवरों के साथ गूगल किस प्रकार से सहयोग कर सकता है। इस मुद्दे पर चर्चा की है।

भारत की राजकीय यात्रा पर ब्राजील के राष्ट्रपति: ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। 19 फरवरी को वह एआई सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इसके अगले दिन भी वह समारोह स्थल पर आयोजन से जुड़ी हुई गतिविधियों में भाग लेंगे। शनिवार 21 फरवरी को ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ ताज पैलेस होटल में विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। सुबह करीब 10 बजे राष्ट्रपति भवन में उन्हें परंपरागत गार्ड ऑफ आर्नर दिया जाएगा। इसके बाद 10.45 पर राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि पर वह श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। फिर 11.05 पर हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति सिल्वा की पीएम मोदी के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसका समापन एमओयू आदान-प्रदान और संयुक्त प्रेस वक्तव्य के साथ होगा। इसी शाम ब्राजील के राष्ट्रपति भारत की राष्ट्रपति के साथ मुलाकात करेंगे। रविवार को उनका ये भारत दौरा समाप्त हो जाएगा और वह ब्राजील रवाना हो जाएंगे।

पीएम की उच्च-...

उत्कृष्ट बताया। साथ ही कहा, हमारी चर्चाओं में हमने भारत और भूटान वैश्विक भलाई के लिए सतत विकास के सिद्धांतों के तहत एआई की ताकत के इस्तेमाल पर जोर दिया है। आपसी विश्वास, सद्भावना और दोनों देशों के लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों पर आधारित हमारी अटूट मित्रता, साझेदारी को नए और परिवर्तनकारी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने में मार्गदर्शन करती रहती है।

भारतीयों छात्रों के ...

एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि इस कार्यालय का उद्घाटन एक ऐसे मौके पर किया गया है। जब हाल ही में भारत और ईयू के बीच एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद उसके क्रियान्वयन व गतिशीलता इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाए जाने की गहन कवायद चल रही है। एफटीए पर हस्ताक्षर के पूर्व में ईयू आयोग और परिषद के अध्यक्षों ने भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भी शिरकत की थी।

सशक्त होगा 2030...

भी प्रदान किया जाएगा। वहीं, विदेश मंत्री ने अपनी एक एक्स पोस्ट में बताया कि 'आज शुरू किया गया यूरोपीय लीगल गेटवे ऑफिस एक सहायक और विश्वसनीय इंटरफेस के रूप में कार्य करेगा। यह देश की कुशल प्रतिभा तक पहुंच को सक्षम बनाएगा और भागीदार अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करेगा। जयशंकर ने इसे 16 वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण परिणाम बताया है'।

कांग्रेस पार्टी को...

और वही प्रश्न उठाती है जो जनता कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी और कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों से पूछ रही है। भ्रष्टाचार और कांग्रेस पार्टी जुड़वा भाई की तरह हैं, क्योंकि नेशनल हेराल्ड मामले में देखा गया कि किस प्रकार सरकारी संपत्ति को व्यक्तिगत संपत्ति में बदल दिया गया। इसी तरह रॉबर्ट वाड्रा द्वारा सरकारी और किसानों की जमीन लेकर उस पर अपना व्यवसाय फैलाने का कार्य किया जाता है। आज जो मुद्दा सामने रखा जा रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है, जिसमें सरकारी जमीन को गांधी परिवार और पार्टी के उपयोग के लिए पद का दुरुपयोग करते हुए कांग्रेस भवन ट्रस्ट को सौंप दिया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि यह मामला कांग्रेस पार्टी और नकली गांधी परिवार के सरकारी जमीन के प्रति बढ़ते स्नेह और लगाव से जुड़ा है। कर्नाटक की जनता के लिए निर्धारित लगभग दो दर्जन, यानी 24 सरकारी जमीनें ऐसी थीं जहां सिविक एमेनिटीज विकसित की जानी थीं। योजना के अनुसार इन जमीनों का उपयोग जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाना था। किंतु जब यह तथ्य सामने आया कि ये 24 सिविक एमेनिटीज अब जनता के हित में उपयोग नहीं होंगी और उनका इस्तेमाल कांग्रेस के भवन निर्माण के लिए किया जा रहा है, तो स्थिति गंभीर हो गई। 12 प्लॉट मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा म्यूनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन के माध्यम से कांग्रेस भवन ट्रस्ट को दे दिए गए और अन्य 12 प्लॉट, जो अर्बन डेवलपमेंट मंत्रालय के अधीन थे, वे भी कांग्रेस भवन ट्रस्ट को सौंप दिए गए। इनकी कुल कीमत लगभग 40 से 50 करोड़ रुपये है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि करीब 50 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीनें कांग्रेस पार्टी और नकली गांधी परिवार को मात्र 2 करोड़ रुपये में दे दी गई। राहुल गांधी ने इस सरकारी संपत्ति को बेहद कम कीमत पर हड़प लिया।

'एआई प्रक्षेपण' ...

एजेंसी को अलर्ट कर सकता है। बल ने अपने इस तकनीक आधारित खास सिस्टम को राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे एआई इंपैक्ट सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया है।

डीपफेक वीडियो डिटेक्शन सिस्टम: सेना की एआई प्रदर्शनी में लगाया गया एआई आधारित डीपफेक वीडियो डिटेक्शन सिस्टम भी सभी के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। ये सिस्टम चेहरे या सिग्नल पैटर्न के आकलन की मदद से किसी नकली या छेड़छाड़ किए गए वीडियो की पहचान करती है। सिस्टम का मुख्य उद्देश्य किसी प्रकार की झूठी-भ्रामक जानकारी और झूठे प्रचार जैसी चुनौतियों से मुकाबला करना है।

सेना की एआई प्रदर्शनी का महत्व: एआई के इस्तेमाल को लेकर सेना की कोशिश एक ऐसा सुरक्षित एआई आधारित नेटवर्क और एआई से लैस इकोसिस्टम वाली फोर्स बनने की है। उसके सभी स्वदेशी सिस्टम अपने साथ दोहरे इस्तेमाल की सोच लेकर आगे बढ़ रहे हैं। जिससे न केवल देश की राष्ट्रीय रक्षा तैयारियों को मजबूती मिलेगी। बल्कि उसके साथ-साथ आम-जनता की सुरक्षा, बेहतर आपदा प्रबंधन, डिजिटल सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में भी मदद मिलेगी। दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीकों का सैन्य के अलावा शिक्षा, आपदा प्रतिक्रिया, साइबर सुरक्षा, यातायात सुरक्षा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर संरक्षण जैसे असैन्य या नागरिक क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा सकता है।

प्रदर्शनी में शामिल की गई अन्य तकनीक: सेना की प्रदर्शनी में एआई आधारित अन्य तकनीकों में एआई एग्जामिनर, एसएएम-यूएन (स्चिुवेशनल अवेयरनेस मॉड्यूल फॉर यूएन ऑपरेशंस), एकम (एआई एज-ए-सर्विस), एक्स फेस (एआई फेशियल रिकग्निशन सिस्टम), नभ दृष्टि, ड्राइवर फेटिग्यू डिटेक्शन, एआई-एन-ए-बॉक्स (पोर्टेबल एज एआई प्लेटफार्म), व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम, प्रोटेक्टिव मोबाइल सिक्योरिटी सिस्टम, मशीन लर्निंग बेस्ड वेब एप्लीकेशन फायरवॉल मुख्य हैं।

सेना का पहला ....

3 से 7 दिन पहले उनकी भविष्यवाणी कर सकता है। जिसमें यह उन्नत बहु-एजेंसी वैज्ञानिक डेटासेट, क्षेत्र की इंटेलिजेंस और एआईएमएल मॉडलिंग का प्रयोग करता है। सेना ने प्रक्षेपण को पूरी तरह से स्वदेशी रूप से विकसित किया है। इसमें राष्ट्रीय वैज्ञानिक एजेंसियों और केंद्रीय विज्ञान मंत्रालय की अहम भूमिका है।

मजबूत होगा आपदा ....

मोटा- मोटी समझे तो बल की इस कोशिश के जरिए राष्ट्रीय आपदा बचाव अभियान को मजबूती मिलती है।

दुनिया की नौसेनाएं ....

के द्वार के रूप में विकसित करने में अपना योगदान देंगी। नौसेना ने एक बयान जारी यह जानकारी दी है।

समुद्री हितों की सुरक्षा में तत्पर नौसेना: राष्ट्रपति ने कहा कि देश की नौसेना भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने और व्यापक समुद्री क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने में तत्पर है। इलाके में तैनात बल की इकाइयां समुद्र में उत्पन्न होने वाले खतरों और चुनौतियों के खिलाफ प्रतिरोध और रक्षा के भरोसेमंद साधन के रूप में कार्य करती हैं। हमारी समुद्री सेना मानवीय संकटों और प्राकृतिक आपदाओं के समय पर सबसे पहले सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा दुनिया की नौसेनाएं सद्भावना को बढ़ावा देने तथा विश्वास, भरोसे और मित्रता के सेतु बनाने में भी अहम भूमिका निभाती है।

महासागर विजन को बल मिलेगा: उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम का भारत का दृष्टिकोण वैश्विक सुरक्षा, विकास, स्थिरता और स्थायित्व साझेदारी के माध्यम से संभव होने के ज्ञान को प्रदर्शित करता है। साझेदारी की ये भावना एक स्थायी वैश्विक व्यवस्था की आधारशिला है। इसी के तहत भारत का ये मानना है कि एक सुदृढ़ समुद्री व्यवस्था समान विचारधारा वाले साझेदारों के बीच सामूहिक जिम्मेदारी और सहयोगात्मक कार्रवाई पर आधारित है। ये रिव्यू देश के महासागर विजन को भी आगे बढ़ाता है, जिसका अर्थ है क्षेत्रीय स्तर पर सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति।

सुमेधा पर सवार होकर किया फ्लीट रिव्यू: राष्ट्रपति मुर्मू ने फ्लीट रिव्यू नौसेना के स्वदेशी अपतटीय गश्ती जहाज आईएनएस सुमेधा पर सवार होकर किया। इसके पूर्व में उन्हें बल द्वारा 150 सदस्यीय गार्ड ऑफ आर्नर और 21 तोपों की सलामी के साथ परंपरागत सम्मान दिया गया। रिव्यू में विशाखापट्टनम तट पर 52 जहाज मौजूद रहे। लेकिन वास्तविक रूप में इसमें कुल 85 जहाज भाग ले रहे हैं, जिसमें 19 विदेशी युद्धपोत हैं। आयोजन में भारतीय नौसेना के 60 जहाज, तटरक्षकबल के 4 और एक-एक जहाज शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओसियन टेक्नोलॉजी का है।

सामूहिक शक्ति से ...

मिलता है कि इस सामूहिक नौसैनिक शक्ति की प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर सकता है। भागीदार नौसेनाएं अपने-अपने देशों और सेवाओं की सर्वोत्तम परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। उनका अनुशासन, समर्पण और सक्षमता वो आधारशिलाएं हैं, जिन पर सामूहिक समुद्री सुरक्षा टिकी हुई है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, आईएफआर में सभी की उपस्थिति ने हमारे विश्वास के बंधन को और मजबूत किया है। साथ ही समुद्र में शांति, स्थिरता और सहयोग को लेकर हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

25 फरवरी तक ...

2016 में विशाखापट्टनम में हुए आईएफआर का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर चुकी है। इस वर्ष आईएफआर 10 से 25 फरवरी तक होगा। जिसमें अंतरराष्ट्रीय मिलन युद्धाभ्यास, आईओएनएस कॉन्क्लेव का भी आयोजन किया जाएगा।

3 लाख के इनामी नक्सली का सरेंडर

पटना। बिहार, झारखंड समेत आस पास के राज्यों में खौफ का दूसरा नाम इनामी नक्सली सुरेश कोड़ा उर्फ मुस्तकीम ने हथियारों के जखीड़े के साथ आत्मसमर्पन कर दिया। मुंगेर डीआईजी के सामने उसने हथियार डाला। इस कार्रवाई में बिहार एसटीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नक्सली को आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास योजना के तहत उचित लाभ दिलाया जाएगा। उसके सरेंडर से पुलिस ने राहत की सांस ली है। नक्सली सुरेश कोड़ा उर्फ मुस्तकीम के सिर पर सरकार ने तीन लाख का इनाम रखा था। सुरेश ने मुंगेर में बिहार एसटीएफ और डीआईजी मुंगेर के समक्ष हथियार डाला। सुरेश कोड़ा स्पेशल एरिया कमेटी का सक्रिय सदस्य है, जो पिछले 25 वर्षों से फरार था।

उत्तर रेलवे

(ई–नीलामी सूचना)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पार्किंग लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी, IREPS पोर्टल (https://ireps.gov.in) पर ई–बोली निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित कि जाती है:

ई–कैंटलॉग संख्या	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/पार्किंग लॉट
Parking-04-2026	05.03.2026 को 12:00 बजे	जाखल (प्रथम प्रवेश), टपरी = कुल 02 साइटे।
वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता		https://ireps.gov.in/

आईआरईपीएस के माध्यम से आयोजित ई–नीलामी में भाग लेने हेतु निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:

1. इच्छुक बोलीदाताओ को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल) में ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। पहले से ही अन्य आईआरईपीएस खाता रखने वाली संस्थाए भी खुद को वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल के लिए नामांकित करने में सक्षम होगी।
2. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान
3. भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता
4. आईआरपीएस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक खाते का एकीकरण
5. फण्ड का लियन मार्किंग
6. टर्नओवर का अद्यतनीकरण (Updation)
7. जिन ठेकेदारों के पास आईआरईपीएस के किसी भी मॉडयूल के लिए आईआरईपीएस खाता नहीं है, वे आईआरईपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामीलीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑन लाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं।

सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड नई दिल्ली 110055 Email:pkg.delhidivision@gmail.com Tel: 011-23743084

संख्या 23AC/393/E-Auction/PKG/2026 Dated: 18.02.2026 553/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी अरुण महतो एवं सुनील महतो पुत्रः** श्री विंदेश्वर महतो, **पताः** बी–4/68 लक्ष्मी पार्क नांगलोई, **दिल्ली FIR No. 1072/2021, U/S: 160 IPC, पुलिस थानाः मुंडका, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है), और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अरुण महतो एवं सुनील महतो** मिल नहीं रहे है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अरुण महतो एवं सुनील महतो** फरार हो गए है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **अरुण महतो एवं सुनील महतो FIR No. 1072/2021, U/S: 160 IPC, पुलिस थानाः मुंडका, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
गौरव सिंगल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1837/OD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी नितेश कुमार उर्फ नंदू पुत्र** सुरेश कुमार, **पताः** मकान नंबरः 4/247 गली नं.–4 भोलानाथ नगर, शाहदरा, **दिल्ली FIR No. 284/2023, U/S: 25/54/59 A.Act, पुलिस थानाः वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नितेश कुमार उर्फ नंदू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नितेश कुमार उर्फ नंदू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **नितेश कुमार उर्फ नंदू FIR No. 284/2023, U/S: 25/54/59 A.Act, पुलिस थानाः वेलकम, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कोर्ट नंबर 19, प्रथम तल शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1853/NE/2026
(Court Matter)

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुतिः सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

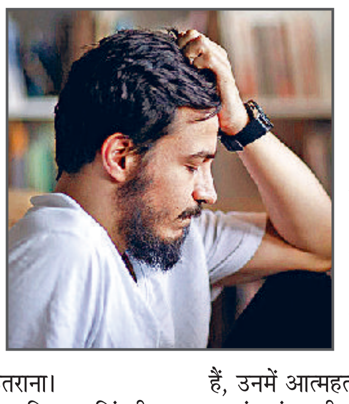

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमसुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

खबर संक्षेप

तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट का उपयोग करने वालों पर की चालानी कार्रवाई

औबेदुल्लागंज। तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर जागरुकता अभियान चलाया गया, जिसमें आमजन एवं मरीजों के अटेंडरों को तंबाकू से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसान, कैंसर, डेंटल फ्लोरोसिस, हृदय रोग एवं नशीली आदतों से बचाव के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में मरीजों के अटेंडरों के द्वारा तंबाकू एवं बीड़ी-सिगरेट का उपयोग करते हुए पाए गए 3 लोगों से करीब 200 रुपए की की चालानी कार्रवाई की गई। जिसके उपरान्त इन पैसों को राज्य शासन के खाते में जमा किए गए।

अपना दल (एस) का दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम 22 व 23 को

भोपाल। अपना दल (एस) मध्य प्रदेश द्वारा पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में 22 एवं 23 फरवरी को सदस्यता अभियान सह जिला कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार 22 फरवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सर्किट हाउस, बैतूल में जिला कार्यकर्ता बैठक आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे से ग्राम परमंडल, मुलताई में सदस्यता अभियान कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं 23 फरवरी को इटारसी में प्रातः 11 बजे से जिला कार्यकर्ता बैठक संपन्न होगी। जिला बैतूल में कार्यक्रम के संयोजक एस. आर. नागले एवं आयोजक डॉ. अनूप चौरे ने बताया कि इस दौरे का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना, सदस्यता अभियान को गति देना तथा कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक संवाद स्थापित करना है। वहीं इटारसी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नवीन पटेल ने प्रदेश प्रभारी के दौरे को महत्वपूर्ण बताया। राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल ने कहा, मप्र में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए सदस्यता अभियान को व्यापक रूप दिया जा रहा है।

सागर पब्लिक स्कूल प्रबंधन की मनमानी आई सामने

10वीं की छात्रा को नहीं दिया रोल नंबर, गणित का पेपर छूटा

- मंगलवार को जनसुनवाई में आए 133 लोगों ने शिकायती आवेदन पेश कर मदद की गुहार लगाई
- जनसुनवाई में पहुंचकर छात्रा की मां ने अपर कलेक्टर से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एयरपोर्ट रोड गांधी नगर स्थित सागर पब्लिक स्कूल प्रबंधन की मनमानी की वजह से मंगलवार को सीबीएसई दसवीं की छात्रा इलमा सादिक पेपर नहीं दे सकी। दरअसल स्कूल प्रबंधन ने छात्रा का रोल नंबर देने से इंकार कर दिया था। प्रबंधन का कहना है कि छात्रा के स्कूल में लगातार अनुपस्थित रहने की वजह से उसे रोल नंबर नहीं दिया गया है। मंगलवार को छात्रा की मां नसरीन सादिक ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की जनसुनवाई में पहुंचकर अपर कलेक्टर प्रकाश नायक से शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र अहिरवार को सौंपी गई है।

छात्रा की मां ने बताया कि छात्रा के बीमार रहने पर स्कूल प्रबंधन को मेडिकल दस्तावेज सौंपे थे, लेकिन प्रवेश पत्र नहीं दिया गया। इसी वजह से छात्रा मंगलवार को दसवीं के गणित का पेपर छात्रा नहीं दे सकी है। परिजनों की मांग है कि अब भी रोल नंबर मिल जाए तो वह शेष पेपर दे सकेगी। मंगलवार को जनसुनवाई में आए 133 लोगों ने शिकायती आवेदन पेश कर मदद की गुहार लगाई है।

कलेक्टर जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनते कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह।

फर्जी सीमांकन करवाकर सरकारी रास्ते पर कब्जा

तहसील बैरसिया की ग्राम पंचायत सुकलिया के गांव पिपलिया कदीम के रहवासियों ने शिकायत दर्ज कराई है कि हिम्मत सिंह ठाकुर ने फर्जी सीमांकन करवाया है और सुकलिया से गांव भैंसखेड़ा जाने वाले सरकारी रास्ते पर कब्जा कर लिया है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मानसिक रोगी बच्चों से पिता को खतरा

मुलायम खां पिता करामत खां निवासी लांबाखेड़ा ने आवेदन देते हुए बताया कि मैं रोज सिटी में रहता हूं। मेरे चार पुत्र और पुत्रियां हैं, यह सब मानसिक रोगी हैं, जिसकी वजह से पूरा घर इनसे परेशान रहता है। पिता ने बताया कि बच्चों से मुझे और परिवार को खतरा बना रहता है। जिससे इन्हें ग्वालियर मानसिक अस्पताल में भर्ती कराया जाए।

पटवारी की फर्जी सील-साइन से लोन हड़पा

मोनू चौकसे पिता एनपी चौकसे निवासी छत्रसाल नगर ने शिकायत में बताया कि रामनारायण चौकसे निवासी नरेला शंकरी ने गोविंदपुरा पटवारी सुरेंद्र यादव की फर्जी सील और साइन से बैंक से लोन निकाला है। मोनू ने बताया कि इस संबंध में तहसीलदार सौरभ वर्मा को भी शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई है। मोनू ने बताया कि चौकसे ने दो साल पहले एयू बैंक से फर्जी नक्शा बनाकर करीब 17 लाख रुपए का लोन निकाला है।

रकम गिन रहे तीन युवकों को हिरासत में लेकर की जा रही पूछताछ

एमपी नगर जोन-2 मीरा कॉम्प्लेक्स के फ्लैट से 61 लाख नगद बरामद

- मारपीट के आरोपियों की तलाश में पहुंची पुलिस को मिली बड़ी रकम
- पुलिस हवाला एंगल से कर रही जांच, इनकम टैक्स विभाग को दी सूचना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में मारपीट के आरोपियों की तलाश के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। एमपी नगर थाना पुलिस ने जोन-2 स्थित मीरा कॉम्प्लेक्स के एक फ्लैट से 61 लाख रुपए नगद बरामद किए हैं। रकम गिनते हुए मिले तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को प्रारंभिक तौर पर हवाला लेनदेन की आशंका है। इधर, पुलिस ने इनकम टैक्स को सूचना दी है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात राजधानी के एमपी नगर जोन-2 स्थित कैफे में छात्रों और कर्मचारियों के बीच विवाद के बाद जमकर मारपीट की घटना सामने आई थी। आरोप है कि कैफे के एक कर्मचारी पर पत्थर से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया गया था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। आरोपियों की तलाश के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मीरा कॉम्प्लेक्स के एक फ्लैट में छिपे हो सकते हैं। सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची और फ्लैट का गेट खटखटाया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर पुलिस ने सख्ती बरतते हुए चेतावनी दी कि गेट नहीं खोला गया तो तोड़कर अंदर प्रवेश किया जाएगा। इसके बाद अंदर मौजूद युवकों ने दरवाजा खोला।

आगे की जांच आयकर विभाग की टीम करेगी

अंदर का नजारा देखकर पुलिस भी चौंक गई। कमरे में बड़ी मात्रा में नगदी रखी थी और तीन युवक उसे गिन रहे थे। तलाशी लेने पर कुल 61 लाख रुपए बरामद किए गए। जब रकम के स्रोत के बारे में पूछा गया तो युवक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसी आधार पर पुलिस को हवाला लेनदेन की आशंका हुई। तीनों युवकों को देर रात थाने लाकर पूछताछ शुरू की गई। मामले की सूचना आयकर विभाग को भी दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आगे की जांच आयकर विभाग की टीम करेगी और रकम के स्रोत की विस्तृत पड़ताल की जाएगी। फिलहाल पुलिस यह भी जांच कर रही है कि जब्त की गई रकम का संबंध कैफे में हुई मारपीट की घटना से है या नहीं। मामले में कई एंगल से जांच जारी है।

खंडहर में चल रहा था सट्टे का कारोबार, पुलिस ने छापा मारकर 7 लोगों को किया गिरफ्तार, 53 हजार जब्त

बागसेवनिया थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुखबिर की सूचना पर यूआरसी प्लॉट के सामने अमराई स्थित एक खंडहर में चल रहे सट्टे के कारोबार के अड्डे पर दबिश देकर पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से सट्टा पर्चियां, लेखा-जोखा सामग्री और कुल 53,500 नगद जब्त किए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि उक्त स्थान पर अवैध रूप से सट्टा संचालित किया जा रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर खंडहर की घेराबंदी की। अंदर चार लोग पर्चियों पर सट्टे के अंक लिखते हुए पाए गए, जबकि ऊपर तीन अन्य व्यक्ति सट्टा पर्चियों का लेखा तैयार कर रहे थे। सभी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न अंकों और रकम का उल्लेख करती सट्टा पर्चियां, लीड पेन तथा कुल 53,500 नगद जब्त किए। प्रारंभिक जांच में लाखों रुपए के सट्टे के लेन-देन के संकेत मिले हैं। जब्त सामग्री के आधार पर थाना बागसेवनिया में सट्टा एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने उचाना में धन्यवाद व विकास रैली को किया संबोधित

कांग्रेस का झूठ अब नहीं चलेगा, अगली बार प्रदेश से सूपड़ा साफ होगा : नायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद/उचाना

- कांग्रेस का काम केवल और केवल दुष्प्रचार करना
- राजनीति के लिए मुद्दा हासिल करने के लिए हाथ-पांव मार रहे

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस का काम केवल और केवल दुष्प्रचार करना है। मुद्दा हासिल करने के लिए ये हाथ पांव मार रहे हैं लेकिन इनके पल्ले कुछ नहीं है। बांगर की धरती पर पहले बार पहुंचे मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि मनरेगा की आड़ में हुए भ्रष्टाचार को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने विकसित भारत जी राम जी ग्रामीण को शुरू किया और अब 100 नही 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी। साथ ही एक लाख 51 हजार 282 करोड़ इसके लिए आवंटित किए लेकिन कांग्रेस इसे लेकर भी दुष्प्रचार करने लगी। कांग्रेस केवल और केवल झूठ बोलती है। 24 घंटे बिजली देने की भी कांग्रेस ने बात कहीं थी लेकिन किया कुछ नहीं। कांग्रेस ने पेंशन के मुद्दे पर भी प्रदेश को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि अगले चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होगा। मुख्यमंत्री बुधवार को अनाज मंडी उचाना में धन्यवाद एवं उचाना विकास रैली को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस राज में गरीबों के बच्चों को नहीं मिलती थी नौकरी

उन्होंने कहा कि वो कांग्रेस से पूछना चाहते हैं कि आप झूठी अफवाहें फैला कर लोगों को गुमराह मत करो। जब कांग्रेस सरकार में रिजल्ट आता था तो गरीब के बच्चे का नाम नही आता था। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार में रिक्शा चालक के बेटे का नाम पुलिस भर्ती में आता है। यही अंतर भाजपा और कांग्रेस सरकार के बीच है। यही बात विपक्ष को हजम नही हो रही है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में उचाना क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नही किया।

बुढ़ापा पेंशन को लेकर बहकाने का काम किया

उन्होंने कहा कि जितना भ्रष्टाचार इनके (कांग्रेस) के समय में मनरेगा में होता था। उसका नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बदल कर सौ दिन की गारंटी की जगह 125 दिन काम की गारंटी दी है। आज कांग्रेस की न नीयत है और न कोई नीति है। उनके नेतृत्व को विश्व जानता है। यह लोग भारत को बदनाम करने में में लगे हैं। सीएम ने कांग्रेस पर चुटकी पर लेते हुए कहा कि विस चुनाव के दौरान लड्डू भी बना दिए थे लेकिन भाजपा जीत गई। भाजपा की जीत के बाद आजतक ये सदमें से उबरे नही है। कांग्रेस का झूठ अब नही चलेगा। अगली बार भी कांग्रेस का सुपडा साफ होगा। सीएम नायब सैनी ने कहा कि बुढ़ापा पेंशन को लेकर भी कांग्रेस ने लोगों को बहकाने का काम किया। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि उचाना के विकास के पहिए को तीव्र गति से आगे बढ़ाने का काम हरियाणा सरकार करेगी। उचाना क्षेत्र के विकास के लिए 103 करोड़ 31 लाख रुपये की पांच परियोजनाओं के किए उद्घाटन और शिलान्यास किया है।

बिलासपुर सेंट्रल जेल का मामला, जेल प्रशासन में हड़कंप

कैदी ने हंसिए से काटा स्वयं का गला, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

सेंट्रल जेल में उस समय हड़कंप मच गया जब एक कैदी ने जेल के किचन में सब्जी काटते समय हंसिया से अपना गला रेत लिया। कैदी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैदी का नाम विकास कश्यप बताया जा रहा है।

वह हत्या के मामले में पिछले दो साल से आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जेल के अंदर इस तरह की घटना ने जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कैदी ने यह खौफनाक कदम उस समय उठाया जब वह किचन में अन्य कैदियों के साथ सब्जी काटने का काम कर रहा था। आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया घटना की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में कैदी को एम्बुलेंस से सिम्स अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। कैदी की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध

इस घटना ने जेल के अंदर अन्य कैदियों के बीच भी भय का माहौल पैदा कर दिया है। मामला संदिग्ध, जांच जारी जेल प्रशासन ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। प्रारंभिक जांच में यह मामला संदिग्ध लग रहा है। कैदी ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसके पीछे क्या कारण थे, इसकी जांच की जा रही है। जेल प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही इस घटना के पीछे के कारणों का खुलासा हो पाएगा। इस घटना से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

एक आरोपी पेशे से वकील, दूसरा स्थानीय नेता

नाबालिग से यौन शोषण मामले में दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोंडागांव

जिले में नाबालिग से यौन शोषण के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को कोंडागांव पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। दोनों आरोपी प्रभावशाली पृष्ठभूमि से जुड़े बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने थाना पुरानी बस्ती रायपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कोंडागांव निवासी सलीम रजा मेमन और गांधीवार्ड निवासी असलम खान पर यौन शोषण का आरोप लगाया गया था। बाद में प्रकरण की डायरी रायपुर से कोंडागांव थाना कोतवाली भेजी गई, जहां अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने पहले आरोपी असलम खान (48 वर्ष) को 14 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया। असलम खान पेशे से वकील है। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इसके बाद दूसरे आरोपी सलीम रजा मेमन (42 वर्ष) को 16 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया। सलीम रजा मेमन नहरपारा कोंडागांव का निवासी है, जो कबाड़ी व्यवसाय से जुड़ा है और वह भाजपा कोंडागांव अल्पसंख्यक मोर्चा का जिलाध्यक्ष भी रह चुका है। पूछताछ में उसने भी अपराध स्वीकार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। एसडीओपी कोंडागांव रुपेश कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले में आगे की विवेचना जारी है।

बीपीएमएस के 36 वें निःशुल्क कैंप में 125 मरीजों की ओपीडी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर भारत की प्रमुख समाजसेवी संस्था भिवानी परिवार मैत्री संघ (बीपीएमएस) के 36 वें निःशुल्क नेत्र व स्वास्थ्य शिविर में खराब मौसम के बावजूद भारी संख्या में मरीज उमड़े। शिविर में कुल 125 मरीजों की ओपीडी हुई। वरिष्ठ चिकित्सकों के गहन निरीक्षण के बाद 35 मरीजों का नेत्र ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। इसके अलावा 45 मरीजों की ओरल जांच की गई। शिविर की उल्लेखनीय विशेषता यह रही कि बीपीएमएस के 35वें शिविर में नेत्र ऑपरेशन करवाने वाले दो मरीजों से 36 वें शिविर का शुभारंभ करवाया गया। प्रमुख समाजसेवी श्रीमती राज रानी महाजन एवं श्री कुलदीप राज महाजन की पुण्य स्मृति में श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में आयोजित 36वें शिविर के शुभारंभ अवसर पर विख्यात अधिवक्ता पवन जैन, बीपीएमएस के महासचिव दिनेश गुप्ता, सामाजिक संस्था चेतना के महासचिव एनआर जैन, कांता बजाज, डा. बुद्धदेव आर्य भी मौजूद थे। एक और विशेषता का उल्लेख करना आवश्यक है। इस बार उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से अजय नामक युवक अपने पिता की नेत्र जांच के लिए बीपीएमएस के शिविर में आया। शिविर में इस बार शुगर जांच की भी व्यवस्था की गई थी।बीपीएमएस महासचिव दिनेश गुप्ता ने कहा कि भिवानी परिवार मैत्री संघ ने समिजसेवा के क्षेत्र में अनेक मिसाल कायम की हैं। उन्होंने कहा कि 'सबको नेत्र ज्योति' व 'सबका साथ-सबका स्वास्थ्य मिशन' में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। लोग कैंसर जांच के लिए संकोच न करें और न ही डरें। समय रहते यदि इस बीमारी का पता चलने पर इसका पूरी तरह इलाज संभव है। छिपाने से यह बीमारी घातक रूप ले लेती है। 'चेतना' के महासचिव एनआर जैन ने जरूरतमंद मरीजों की सेवा में बीपीएमएस के संकल्पों का जिक्र करते हुए कहा कि शिविर में आए हर व्यक्ति की नेत्र एवं चिकित्सा जांच के साथ-साथ दवा, चश्मे आदि मुफ्त दिए जाते हैं।

सांसद शर्मा व नागर ने की बीएसएनएल दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक

बीएसएनएल टावरों की संख्या बढ़ेगी, कार्ययोजना बनाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल सांसद आलोक शर्मा एवं राजगढ़ सांसद रोडमल नागर की अध्यक्षता में बीएसएनएल की दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक मंगलवार को बीएसएनएल ऑफिस टीटी नगर में हुई।

बैठक में भोपाल व्यवसाय क्षेत्र के प्रधान महाप्रबंधक महेंद्र सिंह धाकड़ भी शामिल हुए। सांसद भोपाल आलोक शर्मा ने भोपाल एवं सीहोर जिलों में बीएसएनएल मोबाइल एवं फाइबर सेवाओं में व्यापक सुधार एवं इनके विस्तार पर बल दिया। उन्होंने भोपाल एवं सीहोर जिलों की दूरस्थ ग्राम पंचायतों में दूरसंचार कनेक्टिविटी को सुगम बनाए जाने के लिए ठोस कदम उठाने एवं बीएसएनएल मोबाइल टावरों की संख्या क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुपात में बढ़ाए जाने के वास्ते कार्य योजना बनाकर उन्हें अवगत कराने का निर्देश दिया ताकि मंत्रालय स्तर पर इसे उठाया जा सके।

बैठक में शामिल सांसद शर्मा और नागर।

सांसद रोडमल नागर ने अपने सम्बोधन में कहा कि बीएसएनएल कंपनी हमारी अपनी है इसलिए इसके विकास एवं विस्तार की दिशा में हम सबको मिलजुल कर काम करना होगा। इसकी प्रगति के मार्ग में जो भी बाधाएं हैं उन्हें दूर करने में वे अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे।

क्वालिटी वाला फास्ट नेटवर्क उपलब्ध कराने पर विचार करें

सांसद शर्मा ने कहा कि ये प्रयास करना होगा कि बीएसएनएल कैसे क्वालिटी सेवाएं देकर जनता में अपनी साख को सबसे ऊपर लाएं। सांसद शर्मा ने कहा कि अब भारत बदल रहा है। बीएसएनएल भी प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। क्वालिटी वाला फास्ट नेटवर्क उपलब्ध कराने पर विचार करें। ऐसे प्रस्ताव बनाएं जिन्हें हम केंद्र से मंजूर कराकर लाएं और जनता की बेहतर सेवा कर सकें। बैठक में दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्यगण एवं बीएसएनएल के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल के अपर सचिव भार्गव का विदाई समारोह आयोजित

भोपाल । राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने राज्यपाल के स्थानांतरित अपर सचिव उमाशंकर भार्गव को विदाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल की ओर से प्रमुख सचिव ने भार्गव को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने भार्गव के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारी मिलने के लिए बधाई दी। उन्होंने भार्गव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने आशा जताई कि लोकभवन के साथ भार्गव का संपर्क और संवाद निरंतर बना रहेगा। राज्यपाल के स्थानांतरित अपर सचिव भार्गव ने लोकभवन में बिताए गए समय को अपने प्रशासनिक जीवन का महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय अध्याय बताया। लोकभवन परिवार के सहयोग, पारस्परिक विश्वास एवं टीम भावना के कारण ही वे अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सके।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

कार्य का नाम	दिल्ली डिवीजन डिपो के एलएचबी कोचों में आरईबीसी का प्रावधान और संशोधन
निविदा संख्या	30–विद्युत–6टी–कोचिंग–2025–26
कार्य का अनुमानित लागत (रू0 में)	2,29,16,591.20/– रू0
निविदा फार्म का मूल्य	0.00/–
कार्यालय का पता	वरि0 मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली
बयाना राशि	2,64,600/– रू0
कार्य समाप्ति की अवधि	06 महीने
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय	12.03.2026 15:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि व समय	12.03.2026 15:01 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरि0 मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग/दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 557/2026

चिंतन

छद्म दिखावे में फंसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी

ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी इन दिनों ऐसे विवाद के केंद्र में है, जिसने केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि भारत की उभरती तकनीकी छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुए एआई एक्सपो में प्रदर्शित रोबोटिक डॉग और सॉकर ड्रोन को लेकर उठे सवालों ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या हम नवाचार के नाम पर 'छद्म दिखावे' की राह पर तो नहीं बढ़ रहे? मामला तब गरमा गया, जब एक वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह ने रोबोटिक डॉग 'ओरियन' को विश्वविद्यालय के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में विकसित बताया। साथ ही यह भी दावा किया कि एआई क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, लेकिन टेक विशेषज्ञों और सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि यह रोबोट असल में चीनी कंपनी का है, जो बाजार में 2 से 3 लाख रुपये में उपलब्ध है। विवाद यहीं नहीं थमा। सॉकर ड्रोन को भी विश्वविद्यालय द्वारा 'इन-हाउस' विकसित बताने का दावा किया गया, जबकि जानकारों का कहना है कि वह दक्षिण कोरिया की किसी कंपनी का उत्पाद है। भारत आज एआई, रोबोटिक्स और डीप टेक के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की किरकिरी हुई है। चीनी मीडिया ने इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाया है। हालांकि सरकार ने डैमेज कंट्रोल करते हुए एक्सपो वेन्यू खाली कराने के आदेश देकर त्वरित कार्रवाई की। यह कदम इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की साख को लेकर संवेदनशीलता बरती जा रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त है? या हमें उच्च शिक्षा संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही की एक सख्त संस्कृति विकसित करनी होगी? यदि किसी विदेशी उत्पाद को 'अपना विकसित' बताकर प्रस्तुत किया गया है तो यह केवल नैतिक चूक नहीं, बल्कि अकादमिक ईमानदारी पर भी सवाल है। नवाचार की दुनिया में विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है। एक बार भरोसा टूटे तो उसे वापस पाना आसान नहीं होता। सबसे बड़ी चिंता उन छात्रों की है जो इस संस्थान में पढ़ रहे हैं। वे इस विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन असर उनके भविष्य पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और रिसर्च संस्थान जब किसी विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी करते हैं, तो उसकी विश्वसनीयता को भी परखते हैं। यदि किसी संस्थान की छवि संदिग्ध बनती है, तो प्लेसमेंट और सहयोग के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। यदि गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना ही संस्थान की विश्वसनीयता बहाल करने का पहला रास्ता होगा। दूसरा, विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे 'डेवलपमेंट', 'इंटीग्रेशन' और 'डेमो' जैसे शब्दों का उपयोग किस संदर्भ में कर रहे हैं। किसी उत्पाद का कस्टमाइजेशन या रिसर्च-आधारित उपयोग और उसे पूरी तरह विकसित करने में जमीन-आसमान का अंतर है। नियामक संस्थाओं को भी तकनीकी प्रदर्शनों और दावों की सत्यता की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए। इससे भविष्य में ऐसे विवादों की संभावना कम होगी। गलगोटिया विवाद केवल एक विश्वविद्यालय की कहानी नहीं है। यह उस दबाव की भी कहानी है, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को साबित करने की जल्दबाजी में कभी-कभी सीमाएं लांघ जाते हैं। छद्म दिखावे से क्षणिक सुर्खियां मिल सकती हैं, लेकिन दीर्घकालिक सम्मान केवल ईमानदार नवाचार से ही मिलता है।

सारा संसार

नृसिंहवाड़ी कोल्हापुर जिले का एक लोकप्रिय धार्मिक स्थल है। यह दत्ता भक्तों की राजधानी होने के लिए जाना जाता है। कृष्णा और पंचगंगा नदियों के पवित्र संगम पर स्थित, महाराष्ट्रीयन इतिहास के प्रसंगों में इसका व्यापक महत्व है।

जयंती विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

मराठा अस्मिता के रक्षक थे महायोद्धा छत्रपति शिवाजी

छत्रपति शिवाजी महाराज मराठा संस्कृति के प्रखर संरक्षक थे। शिवाजी महाराज भारतीय संस्कृति और धर्म के शाश्वत मूल्यों के ध्वजवाहक रहे। इनका जन्म 19 फरवरी 1630 को महाराष्ट्र के शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। उनके पिता शाह जी भोंसले तथा माता जीजाबाई थी। इनका मूल नाम शिवाजी भोसले था, लेकिन उनके सुशासन और नेतृत्व कुशलता के कारण इनको छत्रपति अर्थात क्षत्रियों का प्रमुख की उपाधि दी गई। शिवाजी के फौलादी चरित्र के निर्माण में माता जीजाबाई का बहुत बड़ा योगदान था। जीजाबाई ने बालक शिवाजी के मानस पटल पर भारत देश की महान धार्मिक संस्कृति तथा राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत संस्कारों को पल्लवित किया था ,जिसके परिणाम स्वरूप युवावस्था में ही शिवाजी महाराज ने मुगलों के आततायी शासन से टकराने का संकल्प लिया। मराठा संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के अपने विराट संकल्प का प्रारंभ इन्होंने 1645 ईस्वी में तोरण किले पर अधिकार करके किया। शिवाजी का संपूर्ण जीवन महान आदर्शों की गाथा है। मराठा संस्कृति से परिपूर्ण स्वराज की स्थापना के दृढ़ संकल्प के बल पर शिवाजी ने सीमित साधनों के होते हुए विशाल मुगल सेना से टक्कर ली। पराक्रमी वीर योद्धा शिवाजी ने विकट से विकट परिस्थितियों का सामना करते हुए स्वराज्य की ज्योति जलाई। छत्रपति की दूरदर्शिता और नेतृत्व ने मराठा साम्राज्य को एक नए युग में पहुंचाया। छत्रपति शिवाजी का संघर्ष एक शासक के रूप में सत्ता पाना नहीं था, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता की अवधारणा को स्थापित करना था। गोरिल्ला युद्ध और छापा मार अभियानों के शिवाजी पूर्ण रूप से पारंगत थे। युद्ध नीतियों के मर्मज्ञ शिवाजी ने गोरिल्ला युद्ध के माध्यम से मुगलों को पराजित किया। छत्रपति की यह विशेषता थी कि वह शत्रु पर अचानक आक्रमण करके उनको चौंका देते थे। शिवाजी और उनके मराठा रणबांकुरे जब युद्ध के मैदान में 'जय भवानी जय शिवाजी' एवं 'हर हर महादेव' के युद्ध जय घोषों से उतरते थे तो उनके पराक्रम और साहस के समक्ष मुगल सेना के हौसले परास्त हो जाते थे। शिवाजी ने 1659 प्रतापगढ़ के युद्ध में औरंगजेब की ओर से बीजापुर के अफजल खान के विरुद्ध ऐतिहासिक विजय प्राप्त की थी। इस युद्ध में शिवाजी ने अपनी बुद्धिमत्ता से अफजल खान को बुरी तरह प्राप्त किया था। 1660 में शिवाजी ने बीजापुर के आदिलशाही सल्तनत को कोल्हापुर के युद्ध में पराजित किया। 1661 में उबरखिंड के युद्ध में भी शिवाजी ने विजय प्राप्त की। 17वीं सदी के मध्य में शिवाजी ने मुगलों के आक्रमणों के विरुद्ध शारीरिक युद्ध ही नहीं लड़ा, बल्कि उन्होंने भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सामाजिक अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया। महान योद्धा होने के साथ-साथ शिवाजी धर्म, राष्ट्रीयता के जीवंत प्रतीक थे। शिवाजी ने 1674 में रायगढ़ को अपने राज्य की राजधानी बनाकर स्वतंत्र मराठा साम्राज्य की स्थापना की। यह दिन केवल जन्मदिन ही नहीं बल्कि छत्रपति के स्वाभिमान, साहस और राष्ट्र प्रेम का भी प्रतीक है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, , ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्ता परिवर्तन से सुधरेंगे संबंध?

भारत-बांग्लादेश

राज कुमार सिंह

अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत- बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई। ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं।

भारत के सबसे अप्रत्याशित और नए दुश्मन देश बांग्लादेश में नव निर्वाचित सरकार पदारूढ़ हो गई। 17 साल बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौट कर चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का नेतृत्व करने वाले तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया था, पर भारत का प्रतिनिधित्व किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने। भारत की ओर से शुभकामना पत्र देते हुए बिरला ने तारिक को भारत यात्रा का निमंत्रण भी दिया। अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत-बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं भी हुईं। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई।

बेशक जेन जी के विद्रोह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत द्वारा शरण से भी परस्पर कटुता बढ़ी, लेकिन एक दोस्त देश का दुश्मनों से हाथ मिला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि दोनों के बीच लंबी सीमा है। इसी कटुता के परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने पाकिस्तान के उकसावे में आकर टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट का बहिष्कार भी कर दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता परिवर्तन से भारत-बांग्लादेश संबंध सुधरेंगे ? बेशक तारिक रहमान ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा कुछ नहीं कहा, जिससे आशंकित हुआ जाए। ज्यादातर जानकार उनके 31 सूत्रीय एजेंडा को बेहतर संबंधों की संभावना का ही संकेत मानते हैं। जमात-ए-इस्लामी पार्टी और शेख हसीना सरकार के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जेन जी की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की तरह भारत विरोधी कार्ड खेलने से तारिक ने परहेज ही किया। डिजिटल डोमेन और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस आदि के जरिए तारिक बांग्लादेश को रेनबो नेशन बनाने का सपना दिखा रहे हैं, जिसमें भारत से संबंध सुधार की संभावनाएं प्रबल हो सकती हैं।

तारिक मंत्रिमंडल में एक-एक हिंदू और बौद्ध को भी शामिल किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि वह जिया उर रहमान और खालिदा जिया के राजनीतिक वारिस हैं, जो भारत विरोध की ही राजनीति करते रहे। यह तो ऐतिहासिक सच है कि बांग्लादेश के जनक माने जाने वाले बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान और उनकी बेटी शेख हसीना भारत के सबसे विश्वसनीय दोस्त रहे, जिन्हें पहले जिया उर रहमान और फिर खालिदा जिया राजनीतिक चुनौती देते रहे। यह भी कि जिया उर रहमान और खालिदा जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। संसद के जिन चुनावों में प्रचंड जीत के जरिये तारिक रहमान ने सत्ता हासिल की है, उनमें शेख हसीना की आवामी लीग को भाग नहीं लेने दिया गया। शेख हसीना इन चुनावों को मानने को

भी तैयार नहीं हैं। जाहिर है, यूनुस सरकार द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण का आग्रह तारिक सरकार भी दोहराएगी।

लगभग डेढ़ साल से भारत में रह रहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण का फैसला निश्चय ही भारत के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि उनके तख्तापलट के पीछे अन्य देशों की भूमिकाओं की चर्चा भी आम रही है। ऐसे में दोनों परिवारों की परंपरागत कटुता के अलावा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भी तारिक सरकार के लिए शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा गरमाये रखना अनुकूल साबित होगा। कभी बीएनपी की राजनीतिक दोस्त रही कट्टरपंथी और पाकिस्तानपरस्त जमात-ए-इस्लामी इस बार मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट की अगुआ बनी एनसीपी को मतदाताओं ने तो चुनाव में नकार दिया, पर नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही उसने 'जुलाई चार्टर' के मुद्दे पर संघर्ष का ऐलान कर दिया है। दरअसल 12 फरवरी को संसद के चुनाव के साथ ही जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह भी हुआ था। आंकड़े बताते हैं कि 62 प्रतिशत लोगों ने इसके पक्ष में वोट दिया। जुलाई चार्टर के मुताबिक नवनिर्वाचित संसद को 180 दिन तक संविधान सभा के रूप में काम करना चाहिए, जिस दौरान संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में संशोधन किए जाने हैं, लेकिन बीएनपी के सांसदों ने यह कह कर संविधान सभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार कर दिया कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है।

वे सिर्फ संसद के लिए चुने गए हैं, न कि किसी संविधान परिषद के लिए। जुलाई चार्टर के मुताबिक, कोई भी नेता अधिकतम दस साल या दो कार्यकाल के लिए ही प्रधानमंत्री रह पाएगा। प्रधानमंत्री अपने दल का अध्यक्ष नहीं रह सकेगा। साथ ही कई स्वतंत्र संस्थाओं के प्रमुखों की नियुक्ति में राष्ट्रपति की भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएगी। इतना ही नहीं, आपातकाल लगाने का फैसला भी केबिनेट और विपक्ष के नेता की लिखित सहमति से ही हो पाएगा। संसद का उच्च सदन भी बनेगा, जो प्रधानमंत्री चुनने वाले निचले सदन के फैसलों को नियंत्रित कर सकेगा। दरअसल सत्ता का विकेंद्रीकरण करने के मकसद से जुलाई चार्टर में 80 से भी अधिक सुधार-प्रस्ताव हैं, जिनमें से लगभग आधे संविधान संबंधी हैं।

बीएनपी ने भी जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन चुनाव जीतने के बाद उसके कई नेताओं का तर्क है कि न तो चार्टर तैयार करते समय उनसे सलाह ली गई थी और न ही संविधान में ऐसी किसी परिषद का प्रावधान है, जो उस पर अमल कर सकें। जाहिर है, आने वाले दिनों में जुलाई चार्टर पर बांग्लादेश में राजनीतिक टकराव बढ़ेगा। तारिक के पास अपने पिता जिया और मां खालिदा जैसा राजनीतिक अनुभव नहीं है, पर विदेश प्रवास के चलते देश के लिए नए सपने हो सकते हैं। उनकी अनुभवहीनता के चलते भारत विरोधी चीन और पाकिस्तान भी उन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहेंगे।

ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं। इतिहास भी बताता है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी 'भारत विरोध' तमाम समस्याओं से ध्यान हटाने का सरकारों का आजमाया हुआ नुस्खा रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक है, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

करेंगे दान तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल!

संकलित

दर्शन

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन शुद्ध होता है। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अन्नदान ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास कितने अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सवरेत्तम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं, शरीर, मन, बुद्धि, धन और भाव सब उपकरण हैं।

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

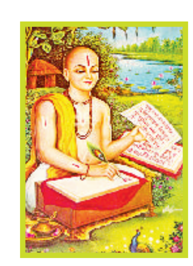

संकलित

प्रेरणा

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास जी लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास जी बोले कि मेरे राम को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिरे या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अशांत मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

अंतर्मन

आज की पाती

लोकलुभावन घोषणाओं पर बढ़ता खर्च

सभी राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त धन व अन्य वस्तुएं बांटने की घोषणा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार करने का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने देश पर बढ़ते कर्ज और चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं के बीच के खतरनाक संबंध को गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका की सुनवाई के लिए तत्परता दिखाई है, क्योंकि यह मुद्दा केवल चुनावी नैतिकता तक सीमित नहीं, बल्कि देश की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जुड़ा है। पिछले एक दशक में राज्यों का सार्वजनिक ऋण तेजी से बढ़ा है और रिज़र्व बैंक की विभिन्न रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि कई राज्य अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में खर्च कर रहे हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और सुरक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों के लिए संसाधन सीमित हो रहे हैं।

– अंकित श्रीवास्तव, भाटापारा

करंट अफेयर

पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते उपग्रहों से बढ़ा संकट

पृथ्वी की कक्षा में तेजी से बढ़ती उपग्रहों की संख्या को लेकर वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यदि प्रभावी नियमन नहीं किया गया तो अंतरिक्ष में उपग्रहों की टक्कर होने और पर्यावरणीय क्षति का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि समय रहते ठोस नीतिगत कदम उठाकर स्थिति को संभाला जा सकता है। अमेरिका के संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के समक्ष 30 जनवरी 2026 को स्पेस एक्स ने समक्ष अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों को संचालित करने के लिए अधिकतम 10 लाख उपग्रहों को भेजने की अनुमति के लिए आवेदन दायर किया। प्रस्तावित योजना के तहत 500 से 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच निम्न पृथ्वी कक्षा में उपग्रह स्थापित किए जाएंगे। कुछ कक्षाएं लगभग निरंतर सूर्य प्रकाश में रहने के लिए डिजाइन की गई हैं। इस प्रस्ताव पर फिलहाल सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित हैं। फरवरी 2026 तक पृथ्वी की कक्षा में करीब 14,000 सक्रिय उपग्रह मौजूद हैं, जबकि लगभग 12 .3 लाख प्रस्तावित उपग्रह परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा स्वीकृति प्रक्रिया मुख्यतः तकनीकी पहलुओं, जैसे रेडियो आवृत्तियों और प्रक्षेपण सुरक्षा, तक सीमित है।

ऑफ बीट

22 मिनट का व्यायाम करेगा स्वास्थ्य जोखिमों को कम

विकसित देशों में लोग प्रतिदिन औसतन नौ से दस घंटे बैठे रहते हैं। चाहे वह कंप्यूटर के सामने समय बिताना हो, ट्रैफिक में फंसना हो, या टीवी के सामने आराम करना हो, हमारा जीवन तेजी से गतिहीन हो गया है। यह चिंताजनक है क्योंकि लंबे समय तक बैठे रहने से मोटापा, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। ये स्वास्थ्य समस्याएं शीघ्र मृत्यु का कारण बन सकती हैं। एक नए अध्ययन से पता चला है कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए, दिन में केवल 22 मिनट व्यायाम करने से अत्यधिक गतिहीन जीवन शैली से समय से पहले मौत का खतरा कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग दिन में 12 घंटे से अधिक समय तक गतिहीन रहते थे, उनमें मृत्यु का जोखिम सबसे अधिक था (आठ घंटे तक गतिहीन रहने वाले लोगों की तुलना में 38% अधिक जोखिम)। हालाँकि, यह केवल उन लोगों में देखा गया जो प्रतिदिन 22 मिनट से कम मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करते थे। इसलिए जिन लोगों ने 22 मिनट से अधिक व्यायाम किया, उनके लिए अब कोई महत्वपूर्ण जोखिम नहीं था – यानी, जोखिम आम तौर पर उन लोगों के समान हो गया जो आठ घंटे तक गतिहीन थे।

ट्रेंड

द्विपक्षीय साझेदारी

क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविच के साथ सार्थक चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी, नवाचार, जहाज निर्माण, नीली अर्थव्यवस्था और आईएमईईसी कॉरिडोर के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को गति देने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जयंती पर नमन

अध्यात्म और सत्यनिष्ठ जीवन के माध्यम से विश्वबंधुत्व का संदेश देने वाले रामकृष्ण परमहंस ने सम्पूर्ण मानव जाति को एक नई दिशा दी। महान संत रामकृष्ण परमहंस जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

बिजनेस-फ्रेंडली सिटी

दिल्ली में व्यापार करना पहले से अधिक आसान हुआ है। सिंगल विंडो सिस्टम से तेजी से अनुमतियां मिल रही हैं, लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल हुई है और बिना गारंटी के लोन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। दिल्ली को बिजनेस-फ्रेंडली सिटी बनाने के लिए सरकार नीतियों में सुधार कर रही है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

दिव्यांग विश्वविद्यालय ठप

भाजपा सरकार के बजट ने प्रदेश के विशेष योग्यजनों को पूरी तरह निराश किया है। हमारी सरकार ने 2 दिव्यांग विश्वविद्यालय दिए, जिन्हें आज ठप कर दिया गया है। इनका काम आगे बढ़ता तो ये प्रदेश के दिव्यांगों के काम आते।

अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

अफसर ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। बेंगलुरु से एक खौफनाक वारदात की खबर सामने आई है। यहां बुधवार को अवलाहल्ली के 65 साल के रिटायर्ड इसरो कर्मचारी ने कथित तौर अपनी पत्नी की गला घोंट कर हत्या कर दी। अवलाहल्ली पुलिस अधिकारीयों ने सुबह करीब 11 बजे इस बात की जानकारी दी। आरोपी नागेश्वर राव को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। शुरुआती जांच का हवाला देते हुए, एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि राव कथित तौर पर डिप्रेशन का इलाज करा रहा था।

कांग्रेस नेता गोगोई ने बोला सीएम सरमा पर बड़ा हमला

'असम के जिन्ना' हैं हिमंत बिस्वा सरमा, गौरव गोगोई ने लगाया कांग्रेस के काफी सीक्रेट लीक करने का आरोप

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पर कांग्रेस के नेता और राज्य ईकाई के प्रमुख गौरव गोगोई ने बड़ा हमला बोला है। गोगोई ने कहा है पहले ऐसी बातें आती थीं कि भूपेन बोरा और सरमा मिले हैं लेकिन कभी यकीन नहीं किया।

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

काफी मान-मनौव्वल के बाद भी कांग्रेस नेता भूपेन बोरा 22 फरवरी को फाइनली बीजेपी में शामिल होंगे। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पुष्टि के बाद कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने अब मोर्चा खोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने हिमंत बिस्वा सरमा को असम का जिन्ना करार दिया।

गोगोई ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिमंत बिस्वा सरमा और भूपेन बोरा पर जमकर हमले किए। उन्होंने बोरा पर पार्टी की मीटिंग की जानकारी लीक करने का आरोप भी लगाया।

हिमंत ने बोरा को बताया सबसे ईमानदार हिंदू नेता

भूपेन 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा एवं गौरव गोगोई

कांग्रेस पर नहीं पड़ेगा फर्क

कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस ने अपने अभियान के जरिए हिमंत बिस्वा सरमा के रियल एस्टेट एम्पायर का पर्दाफाश कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि भूपेन बोरा के पार्टी छोड़ने से कांग्रेस कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बीजेपी सरकार की विदाई होगी। गौरव गोगोई ने कहा कि कुछ दिन पहले हिमंत बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक तौर पर भूपेन बोरा की बुराई की थी। बोरा के खिलाफ महिला आयोग की जांच चल रही है। अब हिमंत उन्हें सबसे ईमानदार हिंदू नेता बता रहे हैं।

अफवाहों पर नहीं किया भरोसा

गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा और भूपेन बोरा के बीच करीबी रिश्तों के बारे में पहले से अफवाहें थीं, जिस उन्होंने कभी भरोसा नहीं किया। वह अक्सर हैरान रहते थे कि पार्टी की सीक्रेट मीटिंग की जानकारी हिमंत बिस्वा सरमा के करीबी पत्रकार को कैसे मिल जाती है। भूपेन बोरा के इस्तीफे से यह सच सामने आ गया है।

चार साल प्रदेश अध्यक्ष रहे बोरा

भूपेन बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस के प्रेसिडेंट रह चुके हैं। कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने अपने फैसले का बचाव भी किया। बोरा ने कहा कि उन्होंने एक महीने पहले गौरव गोगोई को एक लेटर लिखा था, जिसमें उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की चेतावनी दी थी क्योंकि उनका कांग्रेस में अपमान हो रहा था। उन्होंने बताया कि इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने उनसे बात की और 2007 से अपने रिश्ते की याद दिलाई मगर इस्तीफे में लिखे गए मुद्दों का जिक्र भी नहीं किया। भूपेन बोरा ने दावा किया था कि गौरव गोगोई का पार्टी पर कोई कंट्रोल नहीं है। धुबरी के सांसद रकीबुल हुसैन ही पार्टी के फैसले कर रहे हैं।

कई राजनीतिक दलों का अस्तित्व खतरे में

गोगोई ने पूर्व सीएम सोनोवाल का जिक्र करते हुए कहा सरबानंद सोनोवाल और कई अन्य लोगों का उदाहरण हम देख सकते हैं। एजीपी पार्टी (सोनोवाल की पिछली पार्टी) विलुप्त होने की कगार पर है। मुझे नहीं लगता कि भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने के बारे में विशेष रूप से कुछ कहने की जरूरत है। आगामी विधानसभा चुनावों में मुकाबला 'असली कांग्रेस और पुरानी कांग्रेस' के बीच होगा।

भारतीय सेना की टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर बड़ी पहल

सेना की युद्धक तैयारी को बेहतर बनाएगा एआई, हथियार बनेंगे स्मार्ट, बढ़ेगी सटीकता

एआई की मदद से सेनाएं अपनी युद्धक तैयारी को नए स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं। एआई की मदद से अब मशीनें पहले ही बता देंगी कि कौन सा सिस्टम कब खराब हो सकता है, किस हिस्से में दिक्कत आने वाली है और कहां संसाधन पहले से भेजने होंगे।?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन आर्मी अब टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर कई बड़ी पहल कर रही है। राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान सेना ने साफ कर दिया कि आने वाले समय की लड़ाई सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जीती जाएगी। बुधवार को 'स्मार्टाइजिंग द किल चेन' विषय पर हुए एक खास सेमिनार में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के दिग्गज और बड़े शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ जुटे। इसका मकसद था, कैसे एआई के जरिए हथियारों, वाहनों, ड्रोन और दूसरे सैन्य प्लेटफॉर्म्स को इतना स्मार्ट बनाया जाए कि युद्ध के हर चरण में तेजी, सटीकता और प्रभावशीलता बढ़े। एआई की मदद से अब मशीनें पहले ही बता देंगी कि कौन सा सिस्टम कब खराब हो सकता है, किस हिस्से में दिक्कत आने वाली है और कहां संसाधन पहले से भेजने होंगे। अब मरम्मत बाद में नहीं, पहले से तैयारी होगी।

हथियारों के मेंटनेंस के फैसले तेजी से लिए जाएंगे

सैन्य अभ्यास करती हुई भारतीय सेना।

सेना के अनुसार सबसे अहम बात यह रही कि अब इंजीनियरिंग सपोर्ट सीधे कमांड फैसलों से जुड़ा होगा। कमांडर को रियल टाइम में पता होगा कि किस यूनिट के पास कौन सा उपकरण पूरी तरह तैयार है और कौन सा सिस्टम मेंटेनेंस में है। यानी फैसले और भी तेज और सटीक होंगे। इस कार्यक्रम ने संकेत दिया है कि इंडियन आर्मी सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि 'स्मार्ट वॉरफेयर सिस्टम' तैयार कर रही है। स्वदेशी नवाचार, इंडस्ट्री और अकादमिक जगत के साथ साझेदारी और एआई आधारित समाधान के जरिए सेना भविष्य की जंग के लिए खुद को पूरी तरह तैयार कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है अब लड़ाई सिर्फ मैदान में नहीं, डेटा और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ी जाएगी और इंडियन आर्मी उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ चुकी है।

एआई और जॉब संकट पर बोले चंडोक

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया हेड पुनीत चंडोक ने इस खास सेशन में कहा है कि आत्मनिर्भर एआई का मतलब दुनिया से कट कर एआई पर काम करना नहीं है। बल्कि इस सेशन में एआई और जॉब संकट पर भी बात की। उन्होंने एआई को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर एआई का मतलब यह नहीं है कि भारत दुनिया से कटकर अपना अलग एआई बना ले।

पार्टी के मुखपत्र सामना ने उठाए कई सवाल

इंडिया ब्लॉक चौराहे पर, आंतरिक कलह और नेतृत्व एक बड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी दल शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे यूबीटी ने बुधवार को दावा किया कि इंडिया ब्लॉक अब एक चौराहे पर खड़ा है, और उसे आंतरिक बहस से आगे बढ़कर यह तय करना होगा कि ममता बेनर्जी, एमके. स्टालिन या कोई अन्य व्यक्ति राष्ट्रीय संकट में उनका नेतृत्व करेगा या नहीं।

महत्वपूर्ण क्षेत्रीय चुनावों से पहले ब्लॉक और कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व को लेकर चल रही बहसें एकता को कमजोर करने की धमकी दे रही हैं।

राहुल गांधी ममता बेनर्जी, सीएम

आपसी टकराव की स्थिति?

संपादकीय के मुताबिक अलग-अलग राज्यों में गठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ते दिख रहे हैं। इसमें पश्चिम बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस आमने-सामने हैं, वहीं केरल में लेफ्ट और कांग्रेस में भी मुकाबला है। इसके साथ महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर विभाजन से भाजपा को फायदा हुआ है। शिवसेना यूबीटी का कहना है संसद का हंगामा अलग है, लेकिन देश में लोगों की सोच बदल रही है। विपक्षी इंडिया गठबंधन को जल्द फैसला करना होगा कि उनका नेतृत्व कौन करेगा- ममता, स्टालिन या कोई तीसरा नेता?

नेतृत्व पर अलग-अलग राय

विपक्षी इंडिया गठबंधन के अंदर कई नेताओं ने अलग-अलग नाम आगे किए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का समर्थन किया है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सचिव रहे संजय बारू ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को बेहतर राष्ट्रीय नेता बताया है। इनका कहना है कि गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए जल्द एक चेहरा तय करना जरूरी है।

कांग्रेस की चुनौती और भाजपा पर आरोप

संपादकीय में कहा गया है कि कांग्रेस में भी अंदरूनी मतभेद दिख रहे हैं, उनके वरिष्ठ नेता अलग-अलग राय दे रहे हैं, इससे पार्टी की एकजुटता पर असर पड़ रहा है हालांकि, राहुल गांधी की लड़ने की भावना की तारीफ भी की गई।

रैम के बाद अब स्टोरेज की किल्लत : और महंगे होंगे फोन, लैपटॉप और टीवी?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हार्ड व डिस्क ड्राइव की सबसे बड़ी कंपनी वेस्टर्न डिजिटल की चेतावनी

इस साल फोन, लैपटॉप, टीवी के दाम काफी बढ़ सकते हैं। पहले ऐसा रैम की किल्लत के चलते कहा जा रहा था।

- कंपनी को साल भर के प्रोडक्शन के बराबर ऑर्डर मिल गए

हालांकि अब हार्ड डिस्क ड्राइव बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी वेस्टर्न डिजिटल ने एचडीडी यानी कि स्टोरेज की किल्लत के भी संकेत दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्टर्न डिजिटल को साल भर के प्रोडक्शन के बराबर के ऑर्डर मिल गए हैं। इसका मतलब है कि वे रिटेल के लिए सप्लाई शायद न कर पाए। ऐसे में जो डिवाइसेस स्टोरेज कैपेसिटी के साथ आते हैं जैसे कि फोन, टैबलेट, लैपटॉप या टीवी, वे और भी ज्यादा महंगे हो सकते हैं।

एआई ही बनेगा महंगी स्टोरेज की वजह

हालांकि ऐसा नहीं है कि दुनियाभर में अचानक रैम की किल्लत हो गई हो। ऐसा एआई की वजह से हो रहा है। एआई कंपनियों को अपने मॉडल ताकतवर बनाने के लिए रैम की सख्त जरूरत है। ऐसे में ये कंपनियां रैम बनाने वालों को अच्छी कीमत अदा कर रही हैं। गौर करने वाली बात है कि पिछले 18 महीनों में रैम की मांग तीन गुना हो गई है। अब यही एआई स्टोरेज को भी महंगा करवाने की वजह बनने वाला है।

पहले ही महंगे हुए हैं स्मार्टफोन

एआई बूम की वजह से इंडस्ट्री पहले ही रैम की किल्लत झेल रही है। इसकी वजह से रीयलमी और मोटोरोला जैसी कंपनियों ने अपने फोन 3000 से 4000 रुपए तक महंगे कर दिए हैं। सैमसंग ने भी अपने कुछ स्मार्टफोन के दामों में थोड़ी बढ़ोतरी की है, लेकिन अब लगता है कि कीमतों में भारी इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले 6 महीने में स्मार्टफोन और लैपटॉप में इस्तेमाल होने वाली रैम की कीमतों में 60 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। ऐसा करने वालों में सैमसंग भी शामिल है।

एआई कंपनियों को स्टोरेज की जरूरत : दरअसल एआई कंपनियों को रैम की रफ्तार के साथ-साथ अपने डेटा का बैकअप रखने, बेकार डेटा को संभालने और प्रोसेस लॉग को सेव करने के लिए हार्ड डिस्क या कहें कि स्टोरेज की जरूरत भी होती है। यह दौर डेटा सेंटर का है। हर बड़ी टेक कंपनी डेटा सेंटर बनाने में लगी है। इसके लिए क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर्स को स्टोरेज की जरूरत होगी।

जेईई में रेजोनेंस ने फिर लहराया अपना परचम

कोटा। रेजोनेंस ने एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता सिद्ध की है। हाल ही में घोषित जेईई (मेन) 2026 जनवरी सत्र के परिणामों में रेजोनेंस के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। संस्थान से कुल 105 विद्यार्थियों ने (99 क्लासरूम, 6 दूरस्थ) 99 परसेंटाइल से अधिक अंक अर्जित किए हैं. जिससे उन्होंने जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा में उत्कृष्ट रैंक हेतु अपनी मजबूत दावेदारी सुनिश्चित की है। कोटा केन्द्र से सफल विद्यार्थियों में स्नेहिल आनंद. वंश अरोडा, हर्षवर्धन रघुवंशी, दिव्यांश अग्रवाल. कुलवीर सिंह, स्वयंदीप साहू, पारिजात चतुर्वेदी, अनुपम पाल, आदित्य राज, हर्ष अग्रवाल, गौतम आनंद, लक्ष्य शुक्ला, अनंत त्रिपाठी, पार्थ कुमार, मयंक राज, आदित्य आनंद, प्रथम सुमन, नमन मित्तल, उज्ज्वल कुमार ने कक्षा 12वीं के साथ यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

- एलएंडटी इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी है
- उद्देश्य भारत को वैश्विक एआई महाशक्ति बनाना
- गीगावाट स्तर का एआई फैक्ट्री ढांचा तैयार करना

'भारत एआई मिशन' के अनुरूप किया गया समझौता

एलएंडटी और एनवीडिया में गीगावाट स्तर की 'एआई फैक्ट्री' के लिए करार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बुधवार को एनवीडिया के साथ एक संयुक्त उद्यम की घोषणा की। इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक एआई महाशक्ति बनाने के लिए गीगावाट स्तर का 'एआई फैक्ट्री' बुनियादी ढांचा तैयार करना है। यह साझेदारी देश के डिजिटल और औद्योगिक बदलाव के बीच उन उद्यमों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के दिग्गजों को लक्षित करती है, जो बड़े पैमाने पर एआई क्षमता की तलाश में हैं।

यह उद्यम एलएंडटी की इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचे के विकास की विशेषज्ञता को एनवीडिया के एआई मंच के साथ जोड़ता है जिसमें जीपीयू और सीपीयू के साथ सॉफ्टवेयर स्टैक भी शामिल हैं। बीएसई को दी गई जानकारी में एलएंडटी ने कहा कि यह उपक्रम प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर एआई वर्कलोड का समर्थन करने के लिए आधुनिक डेटा सेंटर ढांचा तैनात करेगा।

एआई डेटा सेंटर फैक्ट्री बनाने की योजना

इस पहल के तहत उच्च घनत्व वाले और अगली पीढ़ी के कार्यभार के लिए गीगावाट स्तर की एआई डेटा सेंटर फैक्ट्री बनाने की योजना है जिससे कुशल और टिकाऊ विस्तार संभव हो सकेगा। इसके अंतर्गत चेन्नई में एलएंडटी के 300 एकड़ के विस्तृत परिसर में एनवीडिया जीपीयू क्लस्टर की क्षमता को बढ़ाकर 30 मेगावाट किया जाएगा और मुंबई में कार्यान्वित किए जा रहे नए 40 मेगावाट डेटा सेंटर में भी इसका विस्तार होगा।

ढांचा घरेलू जरूरतें पूरा करेगा

'भारत एआई मिशन' के अनुरूप, यह भारत के भीतर महत्वपूर्ण डेटा और मॉडल बनाने और तैनात करने के लिए संप्रभु एआई ढांचा तैयार करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भी काम कर सकेगा।यह 'सॉवरेन बाय-डिजाइन' ढांचा घरेलू जरूरतों के साथ-साथ उन वैश्विक क्लाउड प्रदाताओं और उद्यमों की जरूरतों को पूरा करेगा, जो भारत को एक रणनीतिक एआई केंद्र के रूप में देख रहे हैं।

बुनियादी ढ़ांचा बना रहे

एलएंडटी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एस एन सुब्रह्मण्यन ने कहा कि एनवीडिया के मंच और एलएंडटी की क्षमता के साथ हम ऐसा बुनियादी ढांचा बना रहे हैं जो एआई के जरिये बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा करेगा। एनवीडिया के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने कहा कि एलएंडटी के साथ मिलकर हम विश्व स्तरीय एआई बुनियादी ढांचे की नींव रख रहे हैं, जो भारत के विकास को गति देगा और 'इंडिया एआई' के दृष्टिकोण को साकार करेगा।

कारोबार को बढ़ावा देने मेकमाईट्रिप इक्सिगो की ओपनएआई से साझेदारी

यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप और यात्रा मंच इक्सिगो ने अपने कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को बढ़ावा देने के लिए ओपनएआई के साथ सहयोग करने की बुधवार को घोषणा की। इसका उद्देश्य कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित यात्रा खोज को बेहतर तरीके से पहचानना तथा यात्रियों की इच्छा को समझकर उन्हें बुकिंग योग्य नतीजों में बदलना है।

जेनएआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा

यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब देश के यात्रा बुकिंग परिवेश में मंचों द्वारा जेनएआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और संवादात्मक उपकरणों, जैसे बातचीत आधारित सहायक के जरिये उपयोगकर्ताओं की मंशा समझकर उन्हें बुकिंग में तब्दील करने की कोशिश की जा रही है।

चैट बुकिंग में बदलने में मदद मिलेगी

मेकमाईट्रिप ने बयान में कहा कि कंपनी अपने अनुप्रयोग में नई कृत्रिम मेधा सुविधाओं को सक्षम करने के लिए ओपनएआई के अनुप्रयोग प्रोग्रामिंग अंतरफलक का उपयोग करेगी। इससे यात्रियों को बातचीत से मिली प्रेरणा को सीधे मेकमाईट्रिप के 'मायरा' चैट सहायक के जरिये बुकिंग में बदलने में मदद मिलेगी।

रुपया पांच पैसे बढ़कर 90.67 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी कोषों का निवेश बढ़ने और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के रुख की वजह से अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे बढ़कर 90.67 (अस्थायी) पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत होते डॉलर ने रुपये में तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 90.60 पर खुला और कारोबार के दौरान 90.60-90.71 के सीमित दायरे में कारोबार के बाद 90.67 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त है।

विदेशी मुद्रा लेन देन नियम बनेगा आसान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने अधिकृत व्यक्तियों को विदेशी मुद्रा में लेनदेन करने में अधिक लचीलापन प्रदान करने का प्रस्ताव रखा, ताकि वे अपने जोखिमों को कम करने, बही-खाता प्रबंधन और वित्तीय कारोबार रणनीति के लिए विदेशी मुद्रा लेनदेन कर सकें। साथ ही रिपोर्टिंग दायित्वों को भी आसान बना सकें। मौजूदा नियमों की समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया है। अधिकृत बैंक और स्वतंत्र प्राथमिक डीलर वित्तीय कारोबार रणनीति, बही-खाता प्रबंधन और जोखिमों को कम करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार का उपयोग करते हैं।

हैकाथॉन हैक केआरएमयू 5.0 ने नवाचार को दी नई ऊर्जा, 1000 से अधिक ने भाग लिया

गुरुग्राम। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र), के. आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 54 घंटे की राष्ट्रीय स्तरीय हैक प्रतियोगिता हैक केआरएमयू 5.0 का सफलतापूर्वक उद्घाटन बुधवार को किया गया। 18 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित इस तीन दिवसीय आयोजन को अत्यंत उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ, जिसमें 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम परिसर में आयोजित प्रमुख छात्र-प्रेरित तकनीकी आयोजनों में से एक बन गया है। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के कई विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) रघुवीर सिंह, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. (डॉ.) वरुणा त्यागी, अधिष्ठाता–एसओईटी प्रो. (डॉ.) पंकज अग्रवाल, संयोजक प्रो. (डॉ.) श्वेता बंसल, संयोजक डॉ. अमर सरस्वत तथा सह-संयोजक श्री विश्वनील सुमन सहित विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि सम्मिलित थे। उनकी उपस्थिति ने नवाचार, अनुसंधान तथा अनुभवात्मक शिक्षण के प्रति संस्थान की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यलय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते है।

निविदा सख्या	301722RT1				
कार्य का नाम ओर कार्य स्थान	आरसीएनके/एसएनपी में सभी प्रकार के एलएचबी कोचों पर वेट–ऑन–वेट बाहरी पेंटिंग की आपूर्ति और अनुप्रयोग।				
अनुमानित लागत	रुपये 6,79,81,188/- जीएसटी @ 18% सहित				
बयाना राशि	रु. 4,89,900/-	निविदा फार्म का मूल्य	शून्य	कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से छत्तीस महीने
निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय			दिनाक 12.03.2026 खुलने का समय 15:00 बजे।		
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट			उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in		

यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस मे कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।

निविदा सं. 301722RT1 दिनांकः 18.02.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 559/2026

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

चांदी 20 हजार रुपये बढ़कर 2.43 लाख रुपये पर, सोना भी बढ़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में तीन दिन की गिरावट के बाद चांदी की कीमतें 20,000 रुपये बढ़कर 2.43 लाख रुपये प्रति किग्रा हो गई हैं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। हालांकि, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 4000 रुपये बढ़कर 1,59000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) पर गया। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक, गौरव गर्ग ने कहा, ''बुधवार को चांदी में हल्की बढ़त हुई, जो हाल की तेज गिरावट के बाद स्थिर हुई क्योंकि निचले स्तर पर सटोरिया लिवाली उभरी। उन्होंने कहा कि मजबूत डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता के बीच अल्पावधिक धारणा सतर्क बना हुआ है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 283 अंक चढ़ा

- बैंक, धातु एवं एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में रही खरीदारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मजबूत वैश्विक रुझान के बीच बुधवार को बैंक, धातु एवं एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 283 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 94 अंक की मजबूती रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 283.29 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 83,734.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 83,770.05 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 93.95 अंक यानी 0.37 प्रतिशत बढ़कर 25,819.35 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''सतर्क शुरुआत के बाद अंतिम घंटे में व्यापक खरीदारी से बाजार में तेजी आई। बैंकिंग एवं वित्तीय शेयर स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता की उम्मीदों के कारण मजबूत रहे, जबकि चुनिंदा एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी से बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम सोनीपत	1211 – सोनीपत में भीख मांगने में लगे हुय व्यक्तियों की स्माइल सब–स्कीम– व्यापक पुनर्वास हेतु कार्यान्वयन करने वाली एजेंसी का चयन।	बंद होने की तिथि 20.02.2026	48.70 लाख	https://etenders.hry.nic.in	7042144566 ee2mcs@gmail.com
2	नगर निगम सोनीपत	1224 – वार्ड नं. 13 और 9 एम.सी. सोनीपत में न्यू शांति विहार के लिए जलापूर्ति हेतु डीआई पाइप लाइन का प्रावधान व बिछाना + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 24.02.2026	77,12,873/-	https://etenders.hry.nic.in	7042144566 ee2mcs@gmail.com
3	नगर निगम सोनीपत	1207–वार्ड नं. 9 एम.सी. सोनीपत में पटेल नगर गली नं. 4 की ब्रांच और साइड गली में आईपीबी और सीसी गली का निर्माण + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 27.02.2026	1,74,38,232/-	https://etenders.hry.nic.in	7042144566 ee2mcs@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद–13/2026/60/43126/I/88/7 दि. 18.02.26

राशिफल

मेष: मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष: मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल सकता है।

मिथुन: मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

कर्क: किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह: आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या: मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला: मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक: मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु: आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर: क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मीन: दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

राजस्थान के पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल 18 से 23 फरवरी तक चंडीगढ़ एवं पंजाब के दौरे पर

चंडीगढ़। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), जयपुर द्वारा राजस्थान के वरिष्ठ संपादकों एवं पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल 18 से 23 फरवरी, 2026 तक चंडीगढ़ एवं पंजाब के दौरे पर है। इस दौरे का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रमुख विकास परियोजनाओं, नवाचार पहलों तथा विभिन्न संस्थानों की उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करना है। चंडीगढ़ दौरे के दौरान पत्रकार दल स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास एवं औद्योगिक नवाचार से जुड़े प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों का भ्रमण करेगा। दल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं उन्नत चिकित्सा सेवाओं का अवलोकन करेगा। इसके अतिरिक्त दल शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा भारतीय रेलवे के विभिन्न परियोजनाओं का भी दौरा करेगा।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने लॉन्च किया हैलो कैशबैक क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने हैलो कैशबैक क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। यह कार्ड फिक्स्ड डिपॉजिट पर आधारित है और खासतौर पर डिजिटल तरीके से खर्च करने वाले ग्राहकों के लिए बनाया गया है। यह 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के युवाओं के लिए उपयोगी है, जो ऑनलाइन और यूपीएआई के जरिए अधिक लेन-देन करते हैं। इस कार्ड की मदद से ग्राहक अपनी क्रेडिट हिस्ट्री बनाना शुरू कर सकते हैं। साथ ही, रोजमर्रा के डिजिटल पेमेंट पर उन्हें आकर्षक और अलग तरह का कैशबैक लाभ भी मिलेगा। हैलो कैशबैक क्रेडिट कार्ड में शानदार और अलग तरह का कैशबैक स्ट्रक्चर दिया गया है। जिसमें 10,000 से अधिक के ऑनलाइन खर्च पर 5% कैशबैक, 10,000 तक के ऑनलाइन खर्च पर 3% कैशबैक, स्टोर में खरीदारी, कॉन्टैक्टलेस और यूपीआई ट्रांजैक्शन पर 1% कैशबैक जैसे फीचर्स शामिल हैं।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एचवीपीएनएल	132 केवी सब स्टेशन जुंडला, करनाल में चारदिवारी का निर्माण (सिविल कार्य)।	17.02.2026 02.03.2026	32,61,000/-	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
2	एचवीपीएनएल	66 केवी सब स्टेशन खानपुर कोलियान में न्यू स्विच हाउस बिल्डिंग का निर्माण (सिविल वर्क्स) (करनाल)।	17.02.2026 09.03.2026	1,83,45,000/-	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
3	एचवीपीएनएल	26 एमवीए से 30 एमवीए तक इसके संवर्धन हेतु 33 केवी सब स्टेशन बडसुई के द्वितीय सर्किट को ऑक्मोडेट करने के लिए 220 केवी चीका पर 1 अदद 33 केवी बे की रचना – साइट सर्फेसिंग ड्रेसिंग ग्रेवल की आपूर्ति और फैलाना (सिविल वर्क्स) (करनाल)।	17.02.2026 27.02.2026	11,00,000/-	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद–13/2026/80/43123/I/88/7 दि. 18.02.26

शब्द पहेली - 6143

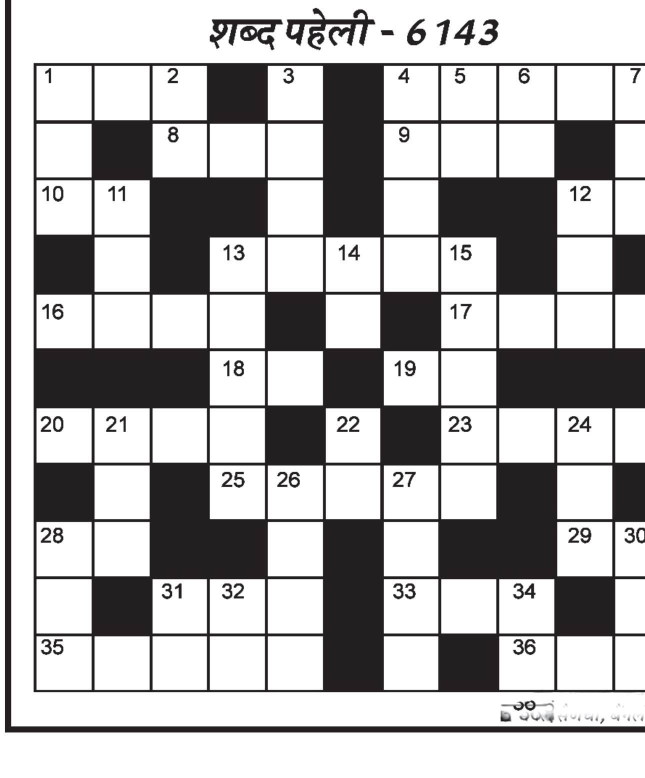

बाएँ से दाएँ
1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे
1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -6142 का हल

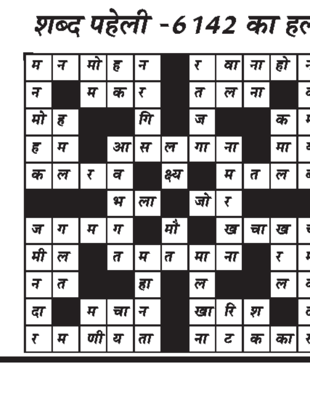

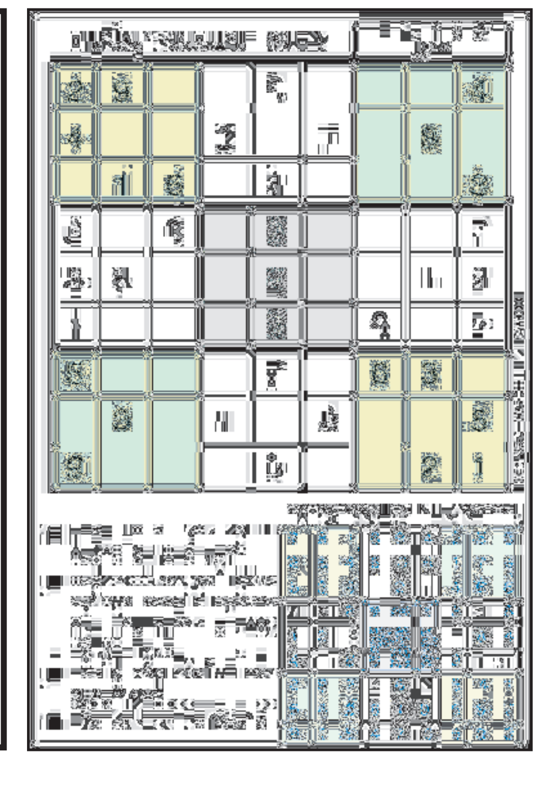

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, बंगाल को हराकर फाइनल में 67 साल बाद एंट्री

रणजी ट्रॉफी : बंगाल को 6 विकेट से दी शिकस्त, आकिब नबी ने चटकाए 9 विकेट

एजेंसी ▶▶| कल्याणी

जम्मू कश्मीर ने सेमीफाइनल के चौथे दिन दो बार के पूर्व चैंपियन बंगाल को 6 विकेट से करारी शिकस्त देकर अपने 67 साल के इतिहास में पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। बंगाल ने जम्मू कश्मीर के सामने 126 रन का लक्ष्य रखा था।

जम्मू कश्मीर में 34.4 ओवर में चार विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से वंशज शर्मा ने नाबाद 43 और अब्दुल समद ने नाबाद 30 रन बनाए। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने मैच में 9 विकेट लेकर बंगाल की जीत की संभावनाओं को पूरी तरह से खत्म कर दिया था।

जम्मू-कश्मीर को लगे पहली जीत दर्ज करने में 44 साल

जम्मू कश्मीर ने पहली बार 1959-60 के सत्र में रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और तब से लेकर अब तक उसे मजबूत दावेदार नहीं माना जाता था। जम्मू कश्मीर ने इस सत्र से पहले 334 रणजी मैच खेले थे, जिनमें से उसने केवल 45 जीते थे। उसे अपनी पहली जीत दर्ज करने में 44 साल लग गए, जो उसने 1982-83 में सेना के खिलाफ हासिल की थी। उसके लिए नॉकआउट में पहुंचना कभी आसान नहीं रहा लेकिन 2013-14 में उसे एक बड़ी सफलता मिली जब उसने नेट रन रेट के आधार पर गोवा को पीछे छोड़कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उसने 2015-16 में परवेज रसूल की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

वंशज-समद ने दिलाई ऐतिहासिक जीत

जम्मू कश्मीर ने मंगलवार को तीसरे के दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 43 रन बनाए थे। उसने चौथे दिन की शुरुआत में ही अविजित बल्लेबाज शुभम पुंडीर (27) और कप्तान पारस डोगरा (09) के विकेट गंवा दिए, लेकिन वंशज और समद ने बंगाल के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और 55 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

बंगाल नहीं उठा पाया बढ़त का फायदा

बंगाल ने अपनी पहली पारी में 328 रन बनाए थे, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर ने 302 रन बनाए। बंगाल हालांकि पहली पारी की मामूली बढ़त का फायदा नहीं उठा पाया और उसकी टीम दूसरी पारी में केवल 99 रन पर आउट हो गई। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए नबी ने कहा, 'पिछली बार हम क्वार्टर फाइनल में हार गए थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की और हम इसके हकदार थे।'

आईसीसी रैंकिंग

ईशान की सुनामी, लगाई 17 पायदान की छलांग

टॉप-10 में भारतीयों का दबदबा

एजेंसी ▶▶| दुबई

ईशान किशन का शानदार प्रदर्शन जारी है। टी20 वर्ल्ड कप में बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ने धुआंधार बल्लेबाजी की है। इसका फायदा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में हुई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को रैंकिंग जारी की। इशान किशन ने 17 स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में एंट्री कर ली है। टी20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग की बात करें तो भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। शीर्ष-10 बल्लेबाजों में 4 भारतीय हैं। अभिषेक शर्मा पहले, तिलक वर्मा चौथे, सूर्यकुमार यादव छठे और इशान किशन आठवें नंबर पर हैं। तिलक वर्मा को एक स्थान का फायदा हुआ है। अभिषेक और सूर्यकुमार के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

निसांका तीसरे नंबर पर पहुंचे

ईशान किशन के अलावा साउथ अफ्रीका के रयान रिकेल्टन ने 22 स्थान की छलांग लगाई है। वह 11 नंबर पर पहुंच गए। कप्तान एडेन मार्कराम ने 6 स्थान की छलांग लगाई है। वह 15वें नंबर पर पहुंच गए। टी20 वर्ल्ड कप में पहला शतक लगाने वाले पथुम निसांका ने तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान को 2 स्थान का नुकसान हुआ है।

अयूब-रजा के बीच दिलचस्प लड़ाई

टी20 में ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सैम अयूब और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा के बीच दिलचस्प लड़ाई चल रही है। अयूब 303 रेटिंग अंक के साथ पहले और सिकंदर रजा 297 रेटिंग अंक के साथ दूसरे नंबर पर हैं। हार्दिक पंड्या 282 रेटिंग अंक के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

चक्रवर्ती नंबर-1 गेंदबाज

टी20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 796 रेटिंग के साथ शीर्ष पर हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान एक स्थान ऊपर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के ब्रैंड इवांस को 10 स्थान का फायदा हुआ। वह 5वें नंबर पर पहुंच गए।

खबर संक्षेप

डीएलटीए ने किया डेविस कप टीम को सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने चल रहे दिल्ली ओपन के दौरान नीदरलैंड पर शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय डेविस कप टीम को सम्मानित किया। भारत ने इस महीने की शुरु में बेंगलुरु में एक रोमांचक मुकाबले में छठी रैंकिंग वाली नीदरलैंड की टीम को 3-2 से हराकर सितंबर में होने वाले क्वालीफायर के दूसरे दौर में जगह बनाई। भारतीय टीम की तब रैंकिंग 33 थी। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा, 'डीएलटीए में हम हर स्तर पर भारतीय टेनिस का समर्थन करने और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

21 फरवरी से एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप

नई दिल्ली। सेना के हरमनजोत सिंह 12 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल होंगे, जो 21 फरवरी से जापान के फुकुओका में होने वाली 18वीं एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि टीम बुधवार को जापान के लिए रवाना होगी।

मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम में चमक नहीं : पोंटिंग

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के बाद कहा कि यह बहुत खराब अभियान रहा और मौजूदा टीम में वह चमक नहीं है, जो वैश्विक टूर्नामेंट में पिछली टीमों में हुआ करती थी। आईसीसी 'रिव्यू' में पोंटिंग ने कहा कि कागज पर यह टीम उन पिछली ऑस्ट्रेलियाई टीम जैसी प्रभावशाली नहीं दिखती, जिन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट में दबदबा बनाया था। पोंटिंग ने कहा, 'जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई टीम को कागज पर देखते हैं, तो उसमें वह आभा नजर नहीं आती जो कई अन्य ऑस्ट्रेलियाई टीम में आईसीसी टूर्नामेंट और विश्व कप से पहले दिखाई देती थी।'

टूर्नामेंट में भारत अभी तक अजेय, लगातार चौथी जीत दर्ज की

चार मैच में आठ अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर

दुबे और चक्रवर्ती ने नीदरलैंड पर 17 रन से दिलाई जीत

भारत-193/6 (20)

खिलाड़ी	रन
अभिषेक शर्मा बो दत्त	00
इशान किशन बो दत्त	18
तिलक का वान डेर बो वान बीक	31
सूर्यकुमार का स्थानापन्न बो क्लेन	34
दुबे का स्थानापन्न बो वान बीक	66
पंड्या का वान डेर मर्व बो वान बीक	30
रिंकू सिंह नाबाद	06

अतिरिक्त : 08

कुल : 20 ओवर में छह विकेट पर: 193 रन

विकेट पतन : 1-0, 2-39, 3-69, 4-110, 5-186, 6-193

गेंदबाजी : दत्त 4-0-19-2, वान बीक 4-0-56-3, एकरमैन 3-0-36-0, क्लेन 4-0-38-1, डि लीडे 4-0-28-0, वान डेर मर्व 1-0-15-0

नीदरलैंड-172/7 (20)

खिलाड़ी	रन
माइकल का वाशिंगटन बो पंड्या	24
मैक्स ओडाउड बो चक्रवर्ती	20
बास डि लीडे का चक्रवर्ती बो दुबे	33
कोलिन का रिंकू बो चक्रवर्ती	23
आर्यन दत्त बो चक्रवर्ती	00
स्कॉट एडवर्ड्स बो बुमराह	15
जैक कैशे का वाशिंगटन बो दुबे	26
नोह क्रोस नाबाद	25
लोगान वान बीक नाबाद	04

अतिरिक्त : 06

कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर: 176 रन

विकेट पतन : 1-35, 2-51, 3-94, 4-94, 5-112, 6-125, 7-172

गेंदबाजी :अर्शदीप 3-0-22-0, बुमराह 3-0-17-1, वाशिंगटन 4-0-36-0, चक्रवर्ती 3-0-14-3, पंड्या 3-0-40-1, अभिषेक 1-0-10-0, दुबे 2-0-25-1

भाषा ▶▶| अहमदाबाद

शिवम दुबे के तूफानी अर्धशतक के बाद वरुण चक्रवर्ती के फिरकी के जादू से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में बुधवार को यहां नीदरलैंड को 17 रन से हराकर टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत चार मैच में आठ अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रहा जबकि नीदरलैंड ने अपने अभियान का अंत चार मैच में एक जीत से दो अंक के साथ किया। भारत के 194 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम चक्रवर्ती (14 रन पर तीन विकेट) और शिवम दुबे (35 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदों के सामने सात विकेट पर 176 रन ही बना सकी। नीदरलैंड की ओर से बास डि लीडे ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। नोह क्रोस (12 गेंद में नाबाद 25 रन) तथा जैक लियोन कैशे (16 गेंद में 26 रन) ने सातवें विकेट के लिए 23 गेंद में 47 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। दुबे ने इससे पहले अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 31 गेंद में छह छक्कों और चार चौकों से 66 रन की पारी खेलने के अलावा हार्दिक पंड्या (21 गेंद में 30 रन, तीन छक्के) के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 गेंद में 76 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने छह विकेट पर 193 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (34) और तिलक वर्मा (31) ने भी उपयोगी पारियां खेली। दुबे और पंड्या 14वें ओवर में उस समय साथ आए जब भारत 110 रन पर चार विकेट गंवाकर संकट में था। इन दोनों की पारियों से भारत अंतिम पांच ओवर में 75 रन जोड़ने में सफल रहा। नीदरलैंड की ओर से तेज गेंदबाज लोगान वान बीक सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 56 रन देकर तीन विकेट चटकाए। ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने 19 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

भारतीय टीम अपना अगला मैच इसी मैदान पर सुपर आठ चरण में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगी। लक्ष्य का पीछा करने उतरे नीदरलैंड ने धीमी शुरुआत करते हुए पावर प्ले में एक विकेट पर 36 रन बनाए। टीम ने मैक्स ओडाउड (20) का विकेट गंवाया जिन्हें वरुण चक्रवर्ती ने छठे ओवर में बोल्ड किया। सलामी बल्लेबाज माइकल लेविट (24) ने पंड्या का स्वागत एक्सट्रा कवर पर चौके के साथ किया।

दक्षिण अफ्रीका ने लगाया जीत का चौका

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने शानदार खेल जारी रखते हुए टी20 वर्ल्ड कप में लगातार चौथी जीत दर्ज की। उसने ग्रुप डी के अपने आखिरी मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को छह विकेट से मात दी। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 123 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने चार विकेट गंवाकर 14वें ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले यूएई की टीम पहले बैटिंग करते हुए छह विकेट पर 122 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से अलीशान शराफू ने सर्वाधिक 45 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका की तरफ से कॉर्बिन बॉश ने 12 रन देकर 3 विकेट लिए तो एनरिक नॉर्त्जे को 28 पर 2 दो सफलता मिली। कॉर्बिन बॉश प्लेयर ऑफ द मैच रहे। साउथ अफ्रीका ने पहले तीन मैच जीतकर सुपर 8 में जगह बना ली थी। वहीं यूएई इस रेस से बाहर था। लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका को कप्तान एडन मार्करम ने आतिशी आगाज दिया। उन्होंने 11 गेंद में पांच चौकों व एक छक्के से 28 रन उड़ाए। क्विंटन डिकॉक 16 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। रयान रिकल्टन ने 16 में 30 तो डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंद में 36 रन बनाते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया।

प्रीव्यू : तेज गेंदबाजों के दम पर टीम इंडिया का बढ़त हासिल करना लक्ष्य

महिला टी20 : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज दोपहर 1.45 बजे से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कैनबरा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को जब दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी तो वह पहले मैच में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने पहले मैच में चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को झकझोर दिया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रन पर आउट हो गई। भारतीय बल्लेबाजों को हालांकि बारिश के कारण खेलने का खास मौका नहीं

मिला। भारत ने यह मैच डकवर्थ-लुईस प्रणाली के आधार पर जीता, जिसमें केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ही कुछ समय क्रीज पर बिता पाईं।

भारत एक बार फिर शेफाली की तूफानी शुरुआत पर निर्भर रहेगा, जिन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा मंधाना की करिश्माई बल्लेबाजी तथा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है। तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीतने से भारत को आत्मविश्वास मिलेगा । नई कप्तान सोफी मोलिनी की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बदला लेने और श्रृंखला बराबर करने के लिए बेताब होगी।

आचार संहिता के उल्लंघन पर मुन्से को आईसीसी की फटकार

मुंबई। स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से को यहां नेपाल के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच के दौरान विज्ञापन बोर्ड पर अपना हेलमेट फेंकने के लिए फटकार लगाई गई है और एक डिमेरिट अंक दिया गया है।

मुन्से को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या पोशाल, मैदान के उपकरण या साजो-सामान के दुरुपयोग' से संबंधित है। इसके अलावा मुन्से के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

35वां मुकाबला : नामीबिया को हराकर 'सुपर-8' में पाकिस्तान, फरहान का नाबाद शतक

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

पाकिस्तान ने बुधवार को टी20 वर्ल्ड कप के 35वें मुकाबले में नामीबिया के खिलाफ 102 रन से जीत दर्ज करते हुए 'सुपर-8' में जगह बना ली है। सुपर-8 में पाकिस्तानी टीम 21 फरवरी को न्यूजीलैंड के विरुद्ध मुकाबला खेलेगी, जिसके बाद 24 फरवरी को इंग्लैंड से उसकी भिड़ंत होगी। पाकिस्तान सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंकाई टीम को चुनौती देगा। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 3 विकेट खोकर 199 रन बनाए।

नामीबियाई टीम 97 रन पर सिमटी

इसके जवाब में नामीबियाई टीम 17.3 ओवरों में महज 97 रन पर सिमट गई। नामीबिया की तरफ से लौरेन स्टीनकैंप ने 23 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि अलेक्जेंडर वोल्शेंक ने 20 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। पाकिस्तान की तरफ से उस्मान तारिक ने 3.3 ओवरों में 16 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि शादाब खान ने 3 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

फरीदाबाद निवासी प्रमोद और अभिषेक ने आयोजन में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

चैंपियनशिप में 19 देशों के 625 खिलाड़ियों ने भाग लिया

प्रमोद पाठक और अभिषेक का एशियन शूटिंग में सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

नेशनल राइफल एसोसिएशन के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर प्रमोद पाठक और एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट अभिषेक वर्मा को एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में विशेष रूप से सम्मानित किया गया है। प्रमोद पाठक और अभिषेक को नई दिल्ली में आयोजित एशियन राइफल/पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप 2026 के आयोजन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

चैंपियनशिप 14 फरवरी को समाप्त हुई है। इस चैंपियनशिप में 19 देशों के 625 खिलाड़ियों ने भाग

लिया। पदक तालिका में भारत शीर्ष पर रहा। प्रोटोकॉल ऑफिसर के रूप में प्रमोद पाठक तथा संगठन सहायक के रूप में अभिषेक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। फरीदाबाद निवासी प्रमोद पाठक तथा अभिषेक वर्मा की देखरेख में इस विशाल आयोजन का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित हुआ। नेशनल राइफल एसोसिएशन नई दिल्ली की संस्तुति पर इन्हें एशियन कॉन्फेडरेशन द्वारा उन्हें खिलाड़ियों की देखभाल एवं समन्वय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में खिलाड़ियों की हर प्रकार की व्यवस्था, उनके हथियारों की देखभाल, खिलाड़ियों की ट्रैवलिंग, हॉस्पिटैलिटी के साथ साथ वीआईपी मूवमेंट की व्यवस्था एवं समन्वय शामिल था।

रिंडरकनेच को हराकर 150वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट हासिल की फतह

कतर ओपन : अल्काराज की जीत के साथ शानदार शुरुआत

एजेंसी ▶▶| दोहा

कार्लोस अल्काराज ने कतर ओपन की शुरुआत जीत के साथ की है। अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की है। 22 साल के अल्काराज ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट पॉइंट बचाए और फिर टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके अपनी 150वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत हासिल की।‹जीत के बाद अल्काराज ने कहा, "यह सच में मुश्किल था। आर्थर सच में एक खतरनाक खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले राउंड में नहीं खेलना चाहता। मुझे खुशी है कि मैं मैच में मुश्किल पलों से निकल गया। मुझे खुशी है कि मैं शांत और सकारात्मक रहा, और शानदार टेनिस खेला।"

अगला मुकाबला वैलेन्टिन रॉयर से

अल्काराज पिछले साल दोहा में अपने डेब्यू के नतीजे को बेहतर करना चाहते हैं, जहां वह क्वार्टर-फाइनल में जिरी लेहेका से हार गए थे। एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी का अगला मुकाबला फ्रेंचमैन वैलेन्टिन रॉयर से होगा। अल्काराज चैंपियनशिप मैच में दूसरे सीड सिनर से भिड़ सकते हैं। इससे पहले, स्पेन के इस खिलाड़ी का क्वार्टर-फाइनल में करेन खाचानोव से मुकाबला हो सकता है।

खाचानोव ने मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से दी मात

एक अन्य मैच में खाचानोव ने लकी लूजर शिंटारो मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया। सातवें सीड वाले खाचानोव का दूसरे राउंड में मार्टन फुकसोविक्स से मुकाबला होगा। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन एंड्री रुबलेव ने बाद में धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने शुरुआती मैच में जेस्पर डी जोंग पर 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। पांचवें सीड, जिन्होंने 2020 में दोहा ट्रॉफी भी जीती थी, जब यह एटीपी 250 था, अब उनका सामना फैबियन मारोजसन से होगा, जिन्होंने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-1 से हराया। स्टेफानोस त्सित्सिपास ने ट्यूनीशियाई वाइल्ड कार्ड मोएज इचारगुई पर 6-4, 6-4 से जीत के साथ अपने दोहा कैंपेन की शुरुआत की और लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी डेनियल मेदवेदेव के साथ दूसरे राउंड का मुकाबला बुक किया।

युद्ध की स्थिति में यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने की हरिवंश ने की सराहना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से भारतीय नागरिकों की सकुशल निकासी में हंगरी की सहायता की सराहना की हंगरी की नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर डॉ. लाजोस ओला के नेतृत्व में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज संसद में हरिवंश से भेंट की बैठक के दौरान उपसभापति ने इस बात पर जोर दिया कि संसदीय सहभागिता द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार का संबंध दोनों देशों के कानून निर्माताओं के बीच संवाद, आम-सहमति और आपसी समझ को बढ़ावा देकर सरकारी कूटनीति को पूरा करता है। उन्होंने मार्च 2024 में अपनी हंगरी यात्रा का सानुराग स्मरण किया और दोनों देशों के बीच संसदीय प्रक्रियाओं के आगे भी निरंतर जारी रहने की इच्छा व्यक्त की।

संबंधों की सुदृढ़ ऐतिहासिक नींव का उल्लेख करते हुए, उप सभापति ने कहा कि भारत और हंगरी के बीच राजनयिक

संबंध वर्ष 1948 में स्थापित हुए थे और वर्ष 2023 में उनकी 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। उन्होंने रेखांकित किया कि दोनों देश लोकतांत्रिक शासन-विधि , विधानवाद, विधि-शासन और प्रतिनिधि संस्थानों के प्रति प्रतिबद्धता साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के दूरदर्शी नेतृत्व द्वारा संचालित हैं।

भारत के डिजिटल परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सार्वजनिक हित के लिए प्रौद्योगिकी के सिद्धांत पर कार्य कर रहा है। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित हो रही एआई इम्पैक्ट समिट का उल्लेख किया, जिसका शीर्षक है डेमोक्रेटाइजिंग एआई, ब्रिजिंग द एआई डिवाइड, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सभी के लिए सुलभ और लाभकारी बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने समिट में हंगरी की भागीदारी की सराहना की।

उपसभापति ने यह भी कहा कि भारत ने पेपरलेस शासन को सक्षम बनाने और सेवा प्रदायगी के संवर्धन के लिए डिजिटल पहचान-आधार; भुगतान प्रणाली- यूपीआई और डिजिलॉकर सहित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा से संबंधित कई प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक शुरू किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश परस्पर लाभ के लिए विशेषज्ञता और अनुभव साझा कर सकते हैं और उन्होंने शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और संसदीय मामलों सहित प्रमुख क्षेत्रों में एआई का उपयोग करने के लिए हंगरी के प्रयासों में अंतर्दृष्टि लाने का निवेदन किया। द्विपक्षीय सहयोग की बात करते हुए, उप सभापति ने ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से भारतीय नागरिकों की सकुशल निकासी में हंगरी सरकार की सहायता की सराहना की। सहयोग के रूप में शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र का उल्लेख करते हुए, हरिवंश ने 1964 से भारत की विकास भागीदारी की एक प्रमुख पहल, भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत आयोजित बैंकिंग, ऑडिट और संसदीय प्रक्रियाओं के क्षेत्र में पेशेवरों हेतु तैयार किए गए विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में हंगरी की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। इस अवसर पर राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी और सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीएम रेखा 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाज और जनता के प्रति उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। अवॉर्ड समिति के संयोजक चेतन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

होली पर आ सकती है ईपीएफओ पर खुशखबरी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ईपीएफओ से जुड़ी एक अहम खबर सामने आ रही है। ईपीएफओ पर होली पर खुशखबरी आ सकती है। वही वित्त वर्ष 2026 के लिए पीएफ खातों पर मिलने वाली ब्याज दर बढ़ेगी या फिर जितनी है उतनी ही रहेगी इसका ऐलान सिर्फ 11 दिनों में होने जा रहा है। बावजूद ईपीएफओ ने स्थिर रिटर्न देने की कोशिश की है।

सभी की पेंशन को पूर्णतः आयकर से मुक्त रखा जाए

दिव्यांग सैनिकों की पेंशन पर टैक्स का कांग्रेस ने किया विरोध, 28 फरवरी तक फैसला वापस लेने की चेतावनी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने सशस्त्र बलों के दिव्यांग सैनिकों की विकलांगता पेंशन पर आयकर लगाने के निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए इसे सैनिकों के सम्मान और बलिदान पर आघात बताया है। पार्टी ने मांग की है कि आयकर अधिनियम 1922 और 1961 के तहत दी जा रही कर-छूट की यथास्थिति बहाल की जाए तथा 2023 की नई दिव्यांगता नीति को वापस लिया जाए।

यह मांग अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी और कर्नल एस. पी. सिंह ने यहां आयोजित प्रेस वार्ता में उठाई। कर्नल चौधरी ने कहा कि सीमा पर कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों में लड़ने वाले सैनिकों के मनोबल पर इस फैसले का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि आज के सैनिक कल के पूर्व सैनिक होते हैं।

'दिव्यांगता पेंशन' को कर-छूट का इतिहास

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आयकर अधिनियम, 1922 की अधिसूचना के तहत ड्यूटी के दौरान घायल या दिव्यांग हुए सैनिकों को दिव्यांगता पेंशन पर कर-छूट दी गई थी। कर्नल चौधरी का आरोप है कि 2016 से सरकार चरणबद्ध तरीके से दिव्यांगता पेंशन को कर के दायरे में लाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वित्त विधेयक 2026 में प्रावधान किया गया है कि केवल वे सैनिक, जो युद्ध में घायल होकर सेवा से बाहर कर दिए गए हों, उन्हें ही कर-छूट मिलेगी। जबकि ड्यूटी के दौरान घायल होकर सेवा में बने रहने वाले या सेवा-परिस्थितियों के कारण दिव्यांग हुए सैनिकों को इस छूट से बाहर कर दिया गया है।

'इम्पेयरमेंट रिलीफ' नाम से बदलाव

कर्नल चौधरी ने कहा कि 2023 की नई दिव्यांगता नीति में 'दिव्यांगता पेंशन' का नाम बदलकर 'इम्पेयरमेंट रिलीफ' कर दिया गया, जिसके बाद नए पेंशनधारकों की राशि स्वतः करयोग्य हो गई। उन्होंने इसे "नीतिगत बदलाव के जरिए कर लगाने की सुनियोजित कोशिश" बताया।

मानेकशॉ का उदाहरण

कांग्रेस नेता ने पूर्व फील्ड मार्शल मानेकशॉ का उदाहरण देते हुए कहा कि वे बर्मा अभियान के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन सेवा में बने रहे और बाद में सेना प्रमुख बने। 1971 के युद्ध में उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में अहम भूमिका निभाई। कांग्रेस का कहना है कि घायल सैनिकों को सेवा में बनाए रखना सेना की परंपरा और मनोबल का हिस्सा रहा है।

दो लाख सैनिकों पर असर का दावा

कर्नल चौधरी के अनुसार, इस फैसले से लगभग दो लाख दिव्यांग सैनिक प्रभावित हो सकते हैं और 50 लाख से अधिक पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं और रक्षा समुदाय पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा।

2016 और 2019 की अधिसूचनाओं का उल्लेख

कांग्रेस ने दावा किया कि 2016 में जारी अधिसूचना के जरिए भी दिव्यांगता पेंशन को कर-योग्य बनाने की कोशिश की गई थी, जिसे विरोध के बाद वापस लेना पड़ा। 24 जून 2019 की अधिसूचना में भी अधिकांश दिव्यांग सैनिकों को कर के दायरे में लाने का प्रयास हुआ, जिसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई और उस पर रोक लगी।

देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि 28 फरवरी तक निर्णय वापस नहीं लिया गया तो 1 मार्च से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन शुरू किया जाएगा और आगामी संसद सत्र के दौरान आंदोलन को तेज किया जाएगा। पार्टी का दावा है कि इस मुद्दे पर 150 से अधिक पूर्व सैनिक संगठनों का समर्थन उन्हें प्राप्त है। कांग्रेस ने मांग दोहराई कि ड्यूटी के दौरान दिव्यांग हुए सभी सैनिकों—चाहे वे सेवा में बने रहें या सेवा से बाहर हों, सभी की पेंशन को पूर्णतः आयकर से मुक्त रखा जाए और 2023 की नीति को तत्काल वापस लिया जाए।

मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए कृषि स्नातकों का लिया जाएगा सहारा

'किसान हमारे वीआईपी', उर्वरकों के संतुलित उपयोग के लिए सरकार ने मांगे युवाओं से सुझाव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मिट्टी की सेहत को दुरुस्त बनाए रखने और किसानों को संतुलित उर्वरक के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उर्वरक विभाग ने अब सीधे युवाओं से मोर्चा संभालने को कहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा ने बुधवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) में कार्यरत लगभग 100 कृषि स्नातकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लंबी चर्चा की।

बैठक का मुख्य फोकस यूरिया के असंतुलित इस्तेमाल से मिट्टी पर पड़ रहे प्रभावों पर चर्चा करना था। सचिव ने ग्रामीण स्तर पर काम कर रहे कृषि स्नातकों से बातचीत कर जानकारी ली कि क्या यूरिया के असंतुलित उपयोग से मिट्टी में पोषक तत्वों पर असर पड़ रहा है। मिट्टी में कार्बन के स्तर और खेत की मिट्टी के कठोर होने के बारे में बातचीत की। उन्होंने जोर देकर कहा कि कृषि को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने और मिट्टी में जान फूंकने के लिए जमीनी स्तर पर संतुलित उर्वरकों के इस्तेमाल और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा देना ही एकमात्र रास्ता है। इस दौरान यह जानकारी भी दी गई कि मिट्टी बचाने के इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए उर्वरक विभाग अब तक 8 पद्मश्री पुरस्कार विजेताओं के साथ भी सार्थक चर्चा कर चुका है। सचिव ने कृषि स्नातकों को निर्देश दिया कि वे उन किसानों की सफलता की कहानियां तैयार करें जो जैविक खेती की ओर रुख कर रहे हैं। किसानों को कम्पोस्ट और हरी खाद के इस्तेमाल के लिए बड़े पैमाने पर जागरूक किया जाना चाहिए। उर्वरक सचिव से बातचीत करते हुए कृषि स्नातकों ने सुझाव दिया कि वर्मीकम्पोस्ट जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी, लखपति दीदी, स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक संगठनों की मदद से घर-घर पहुंचाया जा सकता है।

बैठक में गांव और ब्लॉक के स्तर पर सीधे किसानों के साथ काम कर रहे युवाओं के जमीनी अनुभवों पर भी बात हुई। उदाहरण के तौर पर, गोरखपुर के अवधेश सिंह ने खेतों में किए गए प्रयोगों का जिक्र किया गया, जिसमें संतुलित उर्वरक के इस्तेमाल से न केवल पैदावार बढ़ी बल्कि मिट्टी की संरचना में भी सुधार देखने को मिला।

खेलों के लिए बुनियादी ढांचे पर दिया

गुजरात सरकार ने पेश किया 4.08 लाख करोड़ रुपए का बजट, बनेगा

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4.08 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें पर्यटन और 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है।

करीब 974 करोड़ रुपए के अधिशेष वाले इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए पांच प्रतिशत कर छूट को जारी रखा गया है।

बजट में वीजी-जीरामजी

योजना के तहत 16 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही, 90 करोड़ रुपए की लागत से एक नया हॉकी स्टेडियम बनाया जाएगा।

सरकार ने कहा कि राज्य को खेल और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य है।

किसान साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में कर रहे थे प्रदर्शन

बठिंडा में जमकर हंगामा, किसानों पर पुलिस का लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले भी दागे

एजेंसी ▶▶ बठिंडा

बठिंडा जिले के ज्योंद गांव में एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए, जब किसानों और पंजाब पुलिस के बीच तीखी झड़प देखने को मिल। भारतीय किसान एकता (उग्राहां) से जुड़े किसान अपने दो साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। किसानों का आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शन को रोकने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय

बठिंडा के ज्योंद गांव में किसानों और पंजाब पुलिस के बीच झड़प हुई।

किसान एकता उग्राहां के बैनर तले किसान बठिंडा के कलेक्टर दफ्तर के पास धरना देने की तैयारी में थे। इससे पहले ही पुलिस गांव ज्योंद पहुंच गई, जहां किसान इकट्ठा थे। किसानों का कहना है कि बिना किसी उकसावे के पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी, जबकि प्रशासन का दावा है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाए गए। स्कूल विवाद से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किए गए अपने दो साथियों की रिहाई की मांग कर रहे हैं।

राग‍िनी नायक ने पूछा- संस्कृति मंत्रालय द्वारा फंडिंग प्राप्त कार्यक्रम में सांप्रदायिक और भड़काऊ नारे लगे, इसके लिए भाजपा सरकार ने 63 लाख रुपये क्यों खर्च किए?

संविधान बदलने की बात कहने वाले संगठनों को फंडिंग कर रही मोदी सरकार: कांग्रेस

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा सांप्रदायिक संगठन 'सनातन संस्था' के उस कार्यक्रम को 63 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दिए जाने पर कड़ा ऐतराज जताया, जिसमें अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा भड़काने और देश के संविधान को खत्म करने की बात कही गई।

कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में पार्टी प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक ने कहा कि 2014 के बाद से देश में कुत्सित विचारधारा वाले संगठन फल-फूल रहे हैं, जो संविधान को दरकिनार कर हिंदू राष्ट्र बनाने की बात करते हैं और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने विशेष रूप से सांप्रदायिक संगठन सनातन संस्था द्वारा दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' के लिए मोदी सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 63 लाख रुपये देने पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, श्रीपद नायक, संजय सेठ और दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा जैसे भाजपा से जुड़े नेता शामिल हुए।

रागिनी नायक ने कहा कि इस महोत्सव में मुसलमानों के जबरन सामूहिक धर्मांतरण, उन्हें देश से भगाने, संविधान को बदलने और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की गई। उन्होंने याद दिलाया कि सनातन संस्था वही संगठन है, जिसकी जांच कर्नाटक पुलिस गौरी लंकेश और एम.एम. कलबुर्गी की

हत्या के मामलों में कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठनों ने सनातन शब्द का सबसे ज्यादा अपमान और दुरुपयोग किया है। उन्होंने आगे कहा कि आरएसएस ने हमेशा से भारत के संविधान का विरोध किया है। यह कोई संयोग नहीं, भाजपा का प्रयोग है, जिसमें वह संविधान के खिलाफ काम करने वाले संगठनों को पैसा दे रही है। ऐसे संगठन जनता को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं कि संविधान को छोड़ दो। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी को लेकर भी सवाल उठाए।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के सांप्रदायिक और भड़काऊ बयानों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वे फ्रिंज एलिमेंट नहीं, बल्कि संवैधानिक पद पर बैठे नेता हैं। उन्होंने कहा कि जब हिमंता सरमा को वीडियो में मुसलमानों को गोली मारते दिखाया जाता है, तो वह गोली मुसलमानों पर नहीं, संविधान पर चलती है। ऐसी ही नफरत की गोली ने महात्मा गांधी का सीना छलनी किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से ऐसे नेताओं को संरक्षण मिलता है।

रागिनी नायक ने सवाल किया कि एक ऐसे कार्यक्रम में, जहां सांप्रदायिक और भड़काऊ नारे लगे, उसके लिए भाजपा सरकार ने 63 लाख रुपये क्यों खर्च किए? क्या नरेंद्र मोदी समाज में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण चाहते हैं, अल्पसंख्यकों के खिलाफ काम करने वाले संगठनों को मजबूत करना चाहते हैं, देश में अनेकता में एकता को पूरी तरह ध्वस्त करना चाहते हैं? क्या भाजपा हिंदुस्तान की गंगा-जमुनी तहजीब को सरकारी पैसे से तार-तार करना चाहती है?

रागिनी नायक ने मांग की कि ऐसे आयोजनों को सरकारी फंडिंग रोकी जाए और उनकी जांच हो। उन्होंने देश में नफरत भरे भाषणों पर रोक लगाने के लिए एक निवारक कानून लाने की भी मांग की, ताकि भविष्य में ऐसे बयान रोके जा सकें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109